राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश

www.navpradesh.com

नवरात्रि

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | छत्तीसगढ़

रायपुर, रविवार, 11 अक्टूबर 2026 शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 242 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

छत्तीसगढ़ में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से तैयार होंगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी: साय

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार इसी दिशा में योजनाबद्ध रूप से आगे बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के जोरा में आयोजित सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में प्रस्तावित विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स क्लब की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में खेल संस्कृति को नई मजबूती मिलेगी और युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ खेल प्रतिभाओं को अवसर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता

■ नवा रायपुर में बैडमिंटन अकादमी शुरू करेंगे पद्म भूषण पुलेला गोपीचंद

गांवों से निकलकर मैदान तक पहुंच रहे युवा: सीएम

श्री साय ने कहा कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच बना है। बस्तर ओलंपिक के पहले वर्ष में लगभग एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग तीन लाख 91 हजार हो गई। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी बताती है कि बस्तर के युवाओं में खेलों को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है।

स्वस्थ-सशक्त युवा पीढ़ी जरूरी: पुलेला गोपीचंद

पद्म भूषण पुलेला गोपीचंद ने छत्तीसगढ़ में मिले आत्मीय स्वागत के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर के सुव्यवस्थित और सुंदर विकास को देखकर छत्तीसगढ़ के प्रति उनकी धारणा को नई दिशा मिली है। उन्होंने इलेशियम क्लब्स की पहल को खेल, स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। श्री गोपीचंद ने कहा कि पिछले दस-बारह वर्षों में देश में खेलों के प्रति दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने वर्ष 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी राष्ट्र की प्रगति में गौरव और आत्मविश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर जब कोई भारतीय खिलाड़ी विजय प्राप्त करता है और तिरंगा ऊंचा होता है, तो इससे पूरे देश का आत्मविश्वास बढ़ता है।

खेल विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान

सीएम साय ने कहा कि राज्य सरकार ने खेलों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। केंद्र सरकार की 'खेलो इंडिया' सहित विभिन्न योजनाओं के समन्वय से प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित की जा रही है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, आवश्यक सुविधाएं और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

आज बेबाक

कितने आदमी थे? - छह सौ थे सरदार। और तुम? - छब्बीस हजार सरदार। फिर क्यों दिल्ली को छावनी बना दिया? क्या सोच कर आए थे कि सरदार खुश होगा, ईनाम देगा, क्यों? मिलेगी, इसकी सजा बरोबर मिलेगी। शोले फिल्म का यह दृष्य दिल्ली के दंगल में दिखा। काकरोचों का जंतरमंतर पर प्रदर्शन न होना था, न हुआ। तमाम कड़ी पाबंदियों के चलते दिल्ली वाले खाली फोकट परेशान हुए। पहाड़ खोदा मगर मरा हुआ चूहा ही निकला। ठीक कहा है सुप्रीम कोर्ट ने कि मक्खी मारने के लिए हथौड़ा नहीं चलाते। वाकई यह तो मक्खी मारकर हाथ गंधाने वाली बात हो गई।

रायपुर में कपड़ा कारोबारी से 10 लाख रुपये की उठाईगिरी

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में कटोरा तालाब के पास कपड़ा कारोबारी की स्कूटी से 10 लाख रुपए की उठाईगिरी हुई है। पाने खाने के दौरान कैश से भरा बैग स्कूटी में रखा था, तभी मौका पाकर आरोपी बैग लेकर भाग निकले। घटना सिविल लाइन थाना इलाके की है। किशोर बलवानी शुक्रवार को अपनी स्कूटी से कहीं जा रहे थे। कटोरा तालाब के पास उन्होंने स्कूटी सड़क किनारे खड़ी की और पास की दुकान पर पान खाने चले गए। स्कूटी में रखे बैग में 10 लाख रुपए थे। कुछ देर बाद जब वे वापस लौटे, तो बैग गायब मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गरमा-गरम

थमी दिल्ली : जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाए प्रदर्शनकारी, टॉप लीडर सहित हिरासत में 7000 लोग

सीईसी पर बढ़ा 'सियासी क्लेश' प्रदर्शनकारी बोले वैध नहीं ज्ञानेश

■ जंतर-मंतर जाने के दौरान ममता-केजरीवाल हिरासत में, इंडिया ब्लाक का 12 को बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से शाम 5 बजे तक कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया।

पार्टी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकेडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। अब तक 7000 लोगों को कस्टडी में लिया गया। इस दौरान पूर्व सीएम ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

सीजेपी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों और एसआईआर के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। पुलिस ने कम समय में जानकारी देने का हवाला देकर प्रदर्शन की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

सीजेआई सूर्यकांत के दखल के बाद हिरासत में लिए गए वकील रिहा: सीजेआई सूर्यकांत ने न्यूज एजेंसी को बताया कि प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए वकीलों को उनके दखल के बाद रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा- मैं शहर से बाहर हूं। मैंने बात की थी। मुझे लगता है कि उन्हें रिहा कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने सीजेआई से दखल की मांग ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, युवक का सिर फटा, दो पुलिस कर्मी भी घायल

कांग्रेस ने कई चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल व सांसद बनाया: प्रसाद

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इंदिरा गांधी के समय देश में इमरजेंसी लगाई गई। विपक्ष को जेल में भर दिया गया था। तब जेपी को हिरासत में लिया गया था, इसलिए राहुल को इमरजेंसी और तानाशाही की बात नहीं करना चाहिए। उस वक्त लेफ्ट ने भी उनका समर्थन किया था। मैं यहां किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन कांग्रेस ने अपने समय में कई चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल और सांसद बनाया। हमने भी कांग्रेस के समय में एक चुनाव आयुक्त नवीन चावला के खिलाफ शिकायत की थी। कांग्रेस ने कुछ नहीं किया, उल्टा उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया।

दिल्ली में 12 अक्टूबर को इंडिया ब्लॉक का बड़ा प्रदर्शन, ममता भी होंगी शामिल

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। अब इंडिया ब्लॉक 12 अक्टूबर को राजधानी में बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। टीएमसी का कहना है कि ममता बनर्जी भी इसमें शामिल होंगी। वहीं, वोटर लिस्ट के एसआईआर को लेकर सियासी टकराव बढ़ता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक सोमवार को दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। ममता बनर्जी ने भी दिल्ली में अपना प्रवास बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कोलकाता लौटने का तय कार्यक्रम रद्द कर दिया है। टीएमसी के मुताबिक, वह 12 अक्टूबर को इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन में शामिल होंगी।

देश में खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की साजिश: नवीन

देश के मौजूदा हालातों और राजनीतिक उठापटक के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज देश में एक खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है, जबकि देश के 1.4 अरब लोग शांति और सद्भाव के साथ मिलकर भारत के विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने दो प्रमुख समूहों- राहुल गांधी के नेतृत्व वाले 'इंडिया अलायंस' और अरविंद केजरीवाल के सहयोगियों (सीजेपी)- पर देश में अस्थिरता फैलाने की होड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है।

जनता के मन से उतर चुकी कांग्रेस: साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सीजेपी के पिछले प्रदर्शन में हजारों की संख्या में असामाजिक तत्व घुस आए थे। सरकार शांतिपूर्ण माहौल को बिगड़ने नहीं देना चाहती, इसलिए सरकार ने उचित कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग खयाली पुलाव पकाते रहें, लेकिन वे पूरे देश की जनता के मन से उतर चुके हैं। उनकी कथनी और करनी में अंतर है।

रिहा करो नहीं तो मैं फिर प्रदर्शन करूंगा

सोनम वांगचुक ने कहा कि मैंने नहीं सोचा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी। अगर शाम तक सभी प्रदर्शनकारियों को नहीं छोड़ा गया तो मैं फिर से प्रदर्शन करूंगा। वह भूख हड़ताल या धरना हो सकता है। लेकिन मुझे लगता है सरकार पहले ही हमारी बात मान लेगी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और अन्य लोगों पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने युवाओं से विरोध जारी रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि वह अपने राजनीतिक विरोधियों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी रणनीतियों से वाकिफ हैं। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनके विरोधियों की सबसे बड़ी पहचान 'कायरता' है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में पुलिस बल की तैनाती और गिरफ्तारियों को लेकर भी चुनौती दी। सरकार चाहे तो 10 हजार, 20 हजार या 50 हजार पुलिसकर्मी बुला ले।

प्रियंका गांधी ने कहा कि पहले इन्होंने 254 सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की और उन्हें पूरी तरह गैरकानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। विपक्षी दलों के बाकी प्रदर्शनकारियों के साथ भी इन्होंने यही किया। इसके बाद इन्होंने देश की राजधानी की घेराबंदी कर दी। उन्होंने कहा कि अगर यह इस बात का सबूत नहीं है कि इन्होंने चुनाव आयोग के साथ मिलकर चुनाव में धांधली की है और अब इन्हें डर है कि इनकी सरकार की असलियत सामने आ जाएगी और जनता जवाब मांगेगी, तो फिर यह क्या है?

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, यह इमरजेंसी से भी बदतर है। यह आधिकारिक रूप से बोल रहा हूं- हम मोदी की तानाशाही में रह रहे हैं। जिस तरह से कॉकरोच के नेताओं को फ्लाइट से हिरासत में लिया गया, उससे समझ में आता है कि किस तरह से डर है। पीएम मोदी साफतौर पर जानते हैं कि वे केवल वोट चोरी से चुनाव जीत सकते हैं। अब वे लोकतंत्र को पूरी तरह कुचलकर अपने फ्रॉड को बचाने पर आमादा है। ज्ञानेश को जाना चाहिए, मोदी को भी जाना चाहिए।

दिल्ली में मेट्रो-रेल सहित सब बंद, पाबंदियों पर सुको सख्त

■ गृह सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका पर रविवार को विशेष सुनवाई

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन पर पाबंदियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट रविवार यानी 11 अक्टूबर को इस मामले में विशेष सुनवाई करेगा। यह सुनवाई केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर होगी।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन से पहले सार्वजनिक परिवहन पर पाबंदियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की विशेष बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

124 पूर्व आईएएस-आईपीएस अफसरों ने किया निर्वाचन आयोग का समर्थन

नई दिल्ली/ए.। देश में वोट चोरी, मतदाता सूची में गड़बड़ी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच 124 पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों ने चुनाव आयोग के समर्थन में खुला पत्र जारी किया है। पूर्व आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के इस समूह ने चुनावी धांधली के आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे गंभीर दावों के लिए ठोस सबूत जरूरी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना प्रमाण बार-बार चुनावों को धांधली वाला बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर होता है।

यह पत्र ऐसे समय आया है, जब विपक्षी दल चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं। शनिवार को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, भड़के राष्ट्रपति ट्रंप!

■ 8 युद्ध रुकवाए, मुझे आठ पुरस्कार मिलने चाहिए थे, भारत-पाकिस्तान युद्ध रोका: डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने से नाराज नजर आए। शुक्रवार को सिरैक्यूज में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्धों को सुलझाने में भूमिका निभाई है, इसलिए उन्हें आठ नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे। ट्रंप ने पुरस्कार नहीं दिए जाने को अमेरिका के लिए शर्मनाक बताते हुए नॉर्वे की आलोचना की। इस दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव रुकवाने तथा ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने का दावा भी किया। ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने आठ युद्धों को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मणिपुर में दंगाइयों का कोहराम 9 लोगों की हत्या, 14 घर फूंके

मणिपुर/ए.। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा हुई है। नगा और कुकी समुदाय के बीच हुए हिंसक टकराव में पिछले 24 घंटे में 9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 14 घरों में आग लगा दी गई है। इस घटना के बाद कुकी और नागा समुदायों के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है और कांगपोकपी ज़िले में शटडाउन करना पड़ा है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि हिंसा के शिकार लोगों में कामजोंग ज़िले में गोलीबारी के दौरान मारी गई एक कुकी महिला शामिल है. इसके अलावा कामजोंग और कांगपोकपी में

अलग-अलग हमलों का शिकार बने नागा विलेज गार्ड और उखरुल ज़िले में घात लगाकर किए गए हमले में फंसे एक आम नागरिक की मौत हुई है।

इस हिंसा के कारण कामजोंग ज़िला प्रशासन ने चसाड पुलिस स्टेशन के 400 मीटर के दायरे में लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी। इस बीच, कुकी संगठन 'कमेटी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कैप्टन स्मित पर हमले की जांच करेगी एनआईए

नई दिल्ली/ए.। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने फ्लाइ दुबई की उड़ान के कॉकपिट में कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए हमले की जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने इस मामले में 9 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की।

यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 में हुई थी। हमले में भारतीय नागरिक पायलट मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में विमान अपहरण रोधी अधिनियम, 2016 और विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

गन्ना किसानों के हित में निर्णय: भारतीय किसान संघ से चर्चा के बाद सीएम विष्णु देव साय ने लिया निर्णय

अब 425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी

■ अन्नदाता की खुशहाली और खेती को लाभकारी बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: सीएम साय

रायपुर/कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नवप्रदेश लगातार — दोनों डिप्टी सीएम भी रहे मौजूद

मुख्यमंत्री श्री साय से आज भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया। पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।

ग्रामीण समृद्धि में किसान महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने।

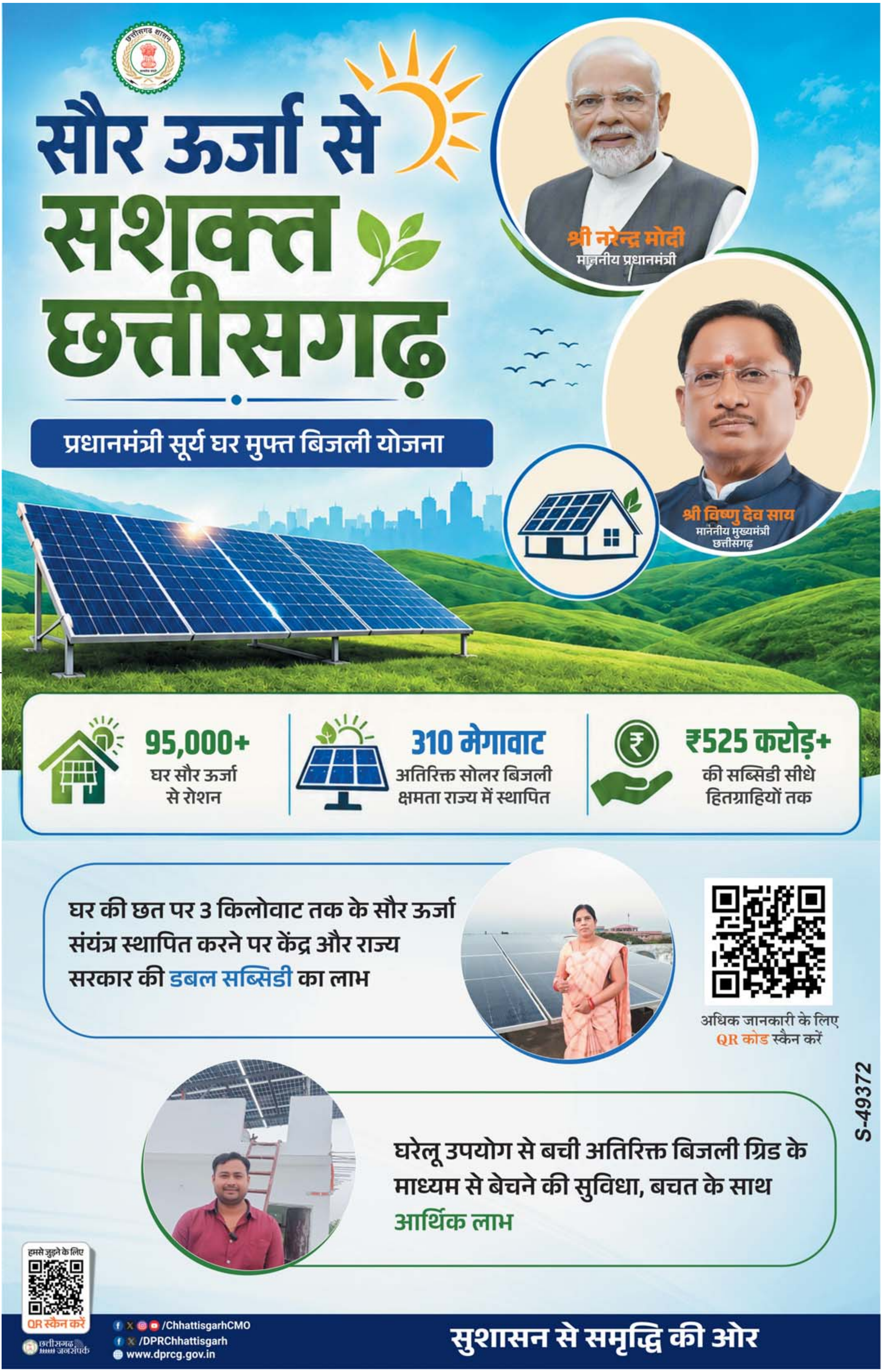
छत्तीसगढ़ शासन
सौर ऊर्जा से
सशक्त
छत्तीसगढ़
प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़
95,000+
घर सौर ऊर्जा से रोशन
310 मेगावाट
अतिरिक्त सोलर बिजली क्षमता राज्य में स्थापित
₹525 करोड़+
की सब्सिडी सीधे हितग्राहियों तक
घर की छत पर 3 किलोवाट तक के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर केंद्र और राज्य सरकार की डबल सब्सिडी का लाभ
अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें
S-49372
घरेलू उपयोग से बची अतिरिक्त बिजली ग्रिड के माध्यम से बेचने की सुविधा, बचत के साथ आर्थिक लाभ
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
सुशासन से समृद्धि की ओर

सरकार बदली, राम का रास्ता भी बदला!

छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही अब प्रभु श्रीराम के वनगमन का रास्ता भी बदलने लगा है। कांग्रेस सरकार ने जिन स्थलों को राम वनगमन परिपथ में शामिल किया था, अब भाजपा सरकार उनकी जगह 31 नए स्थान विकसित करने की तैयारी में है। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल का कहना है कि नए स्थलों का चयन शोध के आधार पर हुआ है। सवाल यह है कि क्या पिछली सरकार के समय शोध वनवास पर चला गया था? और अगर नए प्रमाण मिले हैं, तो पुराने चयन पर खर्च हुए सरकारी धन का हिसाब कौन देगा? दिलचस्प यह भी है कि पुराने अधूरे काम पूरे करने का दावा है, लेकिन पर्यटन की नई पटकथा भी तैयार है। यानी सरकारें अपनी-अपनी रामायण लिख रही हैं और जनता विकास का अगला अध्याय खोज रही है।

शराब पकड़ने गई पुलिस, खुद घिर गई!

डोंगरगढ़ के रविदास नगर में अवैध शराब पकड़ने पहुंची पुलिस के सामने ऐसी स्थिति बनी कि कार्रवाई छोड़ खुद की सुरक्षा का सवाल खड़ा हो गया। तीन पुलिसकर्मियों के कथित घेराव और झूमाझटकी का वीडियो चर्चा में है। गजब का नजारा है! पुलिस शराब पकड़ने निकली थी, मगर मौके पर कानून-व्यवस्था ही सवालों के घेरे में आ गई। अब सवाल यह है कि अवैध शराब का कारोबार इतना बेखौफकैसे हुआ कि कार्रवाई करने पहुंची वर्दी को ही विरोध झेलना पड़ा? दूसरी तरफस्थानीय शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने के आरोप भी कम गंभीर नहीं हैं। यदि शिकायतें पहले से थीं, तो कार्रवाई की नौबत इतनी देर से क्यों आई? फिलहाल वीडियो और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि बाकी है। पुलिस का पक्ष भी सामने आना है।

अजब अफसर की गजब कहानी

प्रदेश के एक जिले में पदस्थ एक आला अफसर वाकई अजब हैं और उनकी कहानी भी गजब है। जो पूरे जिले में चटखारेदार चर्चा का विषय बनी हुई है। सुरा प्रेमी यह साहेब बहादुर कभी-कभी खुद ही मधुशाला पहुंच जाते हैं। दाद देनी होगी उनकी शराफत की कि वे

सुरा की ईमानदारी से कीमत भी चुकाते जबकि उन्हें यह आसानी से मुफ्त में हासिल हो सकती है लेकिन वे मुफ्तखोरी के सख्त खिलाफहैं। अब इसका ये मतलब नहीं कि वे अपना शौक पूरा करने के लिए अपने पल्ले से खर्चा करते हैं। इसके लिए उन्होंने एक अनोखा फार्मूला ईजाद किया है। वे छोटी-मोटी गलती करने वाले अधीनस्थ अफसरों और कर्मचारियों पर जुर्माना लगाते हैं। संबंधित कर्मियों की हैसियत को मद्देनजर रखकर पांच से एक हजार तक जुर्माना लगाते हैं वह भी तुरंत दान महाकल्याण की तर्ज पर हाथ के हाथ वसूल लेते हैं। दारू और चखने का जुगाड़ हो जाता है। यहां भी वे इतनी ईमानदारी और सहृदयता दिखाते हैं कि अपनी जरूरत से ज्यादा जुर्माना कभी नहीं वसूलते। उनके अधीनस्थ भी इससे खुश हैं। वे पांच सौ हजार देते हैं और फिर बड़े साहब के नाम पर लोगों से दो से तीन हजार वसूल लेते हैं। वे तो यही दुआ करते हैं कि भगवान ऐसा नेक अफसर सबको दे।

देसी ठग ने कर दिया 'सिस्टम हैक'!

अमेरिका में तकनीक का ज्ञान बटोरकर भारत लौटे आईटी एक्सपर्ट को रायपुर के एक देसी ठग ने ऐसा पाठ पढ़ाया कि बैंक बैलेंस ही हिल गया। रिंग रोड के एटीएम में मददगार बनकर पहुंचे शातिर ने कार्ड बदला और खाते से 1.89 लाख रुपए साफ कर दिए। कमाल देखिए! विदेश की हाईटेक दुनिया में काम करने वाला एक्सपर्ट अपने ही देश में एटीएम की मामूली चालबाजी नहीं भांप पाया। ठग ने न कोई सॉफ्टवेयर बनाया, न पासवर्ड हैक किया, बस भरोसे की तकनीक अपनाई और रकम उड़ा दी। हैरानी यह कि चार दिन बाद ठगी का पता चला। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज और ऑनलाइन खरीदारी का हिसाब खंगाल रही है। इस वारदात ने साइबर सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो, लापरवाही के आगे सारे सुरक्षा कवच बेअसर हैं।

नौकरी का झांसा, निष्कासन से पल्ला साफ?

बलौदाबाजार में नौकरी और ट्रांसफर के नाम पर कथित ठगी का मामला अब सियासी अखाड़ा बन गया है। भाजपा ने कृष्ण अवस्थी को पार्टी से बाहर कर दिया और कह दिया–मामला व्यक्तिगत है। उधर कांग्रेस पूछ रही है कि जब आरोप पार्टी से जुड़े व्यक्ति पर लगे हैं, तो जवाबदेही से इतनी जल्दी छुट्टी कैसे मिल गई? कमाल की सियासत है! नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लेने के आरोप लगे तो भाजपा ने निष्कासन का दरवाजा दिखाया, कांग्रेस ने सवालों की झड़ी लगा दी। अब जनता सोच रही है कि नौकरी मिले न मिले, राजनीतिक बयानबाजी में रोजगार जरूर मिल गया! सवाल यह भी है कि जिन लोगों ने कथित तौर पर रकम गंवाई, उनका पैसा कौन लौटाएगा? केवल निष्कासन और आरोप-प्रत्यारोप से पीड़ितों को न्याय मिलेगा क्या? फ्लिहाल आरोपों की जांच बाकी है। मगर सियासत का हिसाब-किताब शुरू हो चुका है। जनता को अब बयानों की नहीं, ठगी की निष्पक्ष जांच और अपनी रकम की वापसी की जरूरत है।

कमीशन की लड़ाई सड़क पर आई

इन दिनों देश भर में धरना प्रदर्शन का दौर चल रहा है। ऐसे में मुंगेली नगर पालिका के कांग्रेसी अध्यक्ष के खिलाफकांग्रेसियों ने ही मोर्चा खोल दिया। उन्होंने पालिका कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि पालिका क्षेत्र में कोई काम ही नहीं हो रहा है। जबकि विकास कार्यों के लिए नगर पालिका को राज्य शासन ने पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नदारद थे। नगर के हर चौक चौराहे पर यह चर्चा है कि नगर पालिका की सत्ता पर कांग्रेस ही काबिज है फिर कांग्रेसियों को अपनी ही शहर सरकार के खिलाफप्रदर्शन करने की क्या जरूरत पड़ गई। इस बारे में कहा जा रहा है सारा लफ्ड़ा कमीशन का है। कमीशन की बंदरबांट को लेकर ही झगड़ा हो रहा है। कमीशन के चक्कर में ही विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं। इतना ज्यादा कमीशन मांगा जा रहा है कि ठेकेदार काम लेने और करने से कतरा रहे हैं। बहरहाल देखना दिलचस्प होगा कि कमीशन की यह लड़ाई जब सड़क पर आ गई है तो यह टंटा अब कैसे टूटता है?

न्यूज गैलरी

रायपुर के गुरु तेग बहादुर हाल में रेशम और सिल्क कपड़ों का बाजार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित गुरु तेग बहादुर हॉल में शुक्रवार, 9 अक्टूबर को भारत के सबसे बड़े सिल्क

एक्सपो 'सिल्क वीव एक्सपो' का भव्य शुभारंभ हुआ। फेस्टिव शॉपिंग स्पेशल के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं और फैशन प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी बुनकरों और कारीगरों द्वारा तैयार की गई आकर्षक सिल्क साड़ियों एवं पारंपरिक वस्त्रों का विशाल संग्रह उपलब्ध कराया गया है। इसमें बनारसी, कांजीवरम, कोसा सिल्क, बेंगलुरु सिल्क, जामदानी और बेजिंग स्पेशल साड़ियों सहित कई लोकप्रिय किस्में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके साथ ही शॉल, स्टोल, लिनेन, वेडिंग एथनिक परिधान और अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं।

रायपुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा, पोस्टर-बैनर हटाने विशेष अभियान

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक ÷स्वच्छता पखवाड़ा÷ मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर 2026 को 'अनाधिकृत पोस्टर, बैनर, दाग-धब्बे हटाने का अभियान' थीम के अंतर्गत मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों, रेलवे परिसरों एवं कार्यालयों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया।

डिप्टी सीएम अरुण साव की मौजूदगी में चार नगर निगमों और चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच होगा करार

छत्तीसगढ़ में 240 ई-बसों की राह खुलेगी भिलाई-बिलासपुर में 20-20 बसें चलेंगी

बिलासपुर और भिलाई में 1 नवम्बर से बस सेवा शुरू करने का लक्ष्य, आज होगा कंसेशन एग्रीमेंट

रायपुर/नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ के चार बड़े शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए 11 अक्टूबर को कंसेशन एग्रीमेंट किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और कोरबा नगर निगम का चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के साथ कंसेशन एग्रीमेंट होगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत होने वाले इस समझौते से चारों शहरों में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू करने का रास्ता साफ होगा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट कार्यक्रम में प्रदेश के आठ नगरीय निकायों के महापौर और आयुक्त शामिल होंगे। इनमें रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, रिसाली की महापौर श्रीमती शशि सिन्हा, भिलाई के महापौर श्री नीरज पाल, बीरगांव के महापौर श्री नंदलाल देवांगन तथा भिलाई-चरोदा के महापौर श्री निर्मल कोसरे शामिल हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, संचालक श्री नीलेश क्षीरसागर और सूडा के सीईओ श्री सुमीत अग्रवाल भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के पहले चरण में प्रदेश के चार नगर निगमों में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने की योजना है। इनमें सबसे अधिक 100 बसें रायपुर में चलेंगी। दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर को 50-50 तथा कोरबा को 40 बसें मिलेंगी। बसों के संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बिलासपुर और भिलाई में 1 नवम्बर 2026 तक प्रतीकात्मक रूप से 20-20 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि ई-बसों में यात्रियों की सुविधा के साथ सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। बसें आधुनिक और हाईटेक सुविधाओं से लैस होंगी। यात्रियों को मोबाइल स्कैनर के माध्यम से किराए का भुगतान करने और ऑनलाइन टिकट लेने की सुविधा मिलेगी। सुरक्षा के लिए प्रत्येक बस में छह कैमरे लगाए जाएंगे। यात्री मोबाइल एप से बसों के रूट की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। श्री बोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना का उद्देश्य शहरी सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ, सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल बनाना है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने, वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी। इससे नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ शहरों की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के प्रयासों को भी गति मिलेगी।

ब्रेस्ट कैंसर जागरुकता माह पर रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट गुलाबी रोशनी से जगमगाया

रायपुर/नवप्रदेश। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर इस अक्टूबर में रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट को गुलाबी रोशनी से रोशन किया गया है। यह पहल स्तन कैंसर से प्रभावित महिलाओं के प्रति आशा, जागरूकता और एकजुटता का प्रतीक बनकर सामने आई है।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्तन स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देने, समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने और अनुशंसित स्क्रीनिंग कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके साथ ही परिवारों को भी स्तन स्वास्थ्य के विषय पर खुलकर बातचीत करने तथा महिलाओं को बिना किसी डर, झिझक या सामाजिक संकोच के चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए प्रेरित करना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

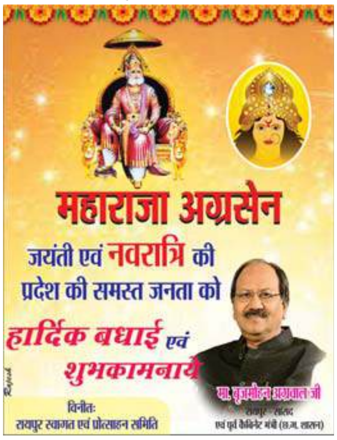

सेंट्रल इंडिया रयान इंटर स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल का समापन

■ सेंट जेवियर्स रायपुर बना ओवरऑल चैंपियन

रायपुर/नवप्रदेश। रयान इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर में 2 से 4 अक्टूबर तक आयोजित द्वितीय सेंट्रल इंडिया रयान इंटर स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2026 का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव में मध्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों ने एथलेटिक्स, फुटसल और क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन रयान स्पोर्ट्स क्लब के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स की 44 स्पर्धाएं आयोजित हुईं, जिनमें 12 स्कूलों के 409 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं, फुटसल में 95 खिलाड़ियों के बीच 38 मुकाबले खेले गए, जबकि क्रिकेट प्रतियोगिता में नौ टीमों के 109 खिलाड़ी शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह में सीआईएसएफ माना एयरपोर्ट के डिप्टी कमांडेंट रोहन पवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और पवित्र शास्त्र के पाठ से हुई। इसके बाद अतिथियों का स्वागत, मार्च पास्ट, खिलाड़ियों की शपथ तथा गुब्बारों और शुभंकर का विमोचन किया गया। स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में रयान इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर ने 227 अंकों के साथ ओवरऑल प्रथम स्थान हासिल किया। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, रायपुर 134 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक और रिले स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। रयान रायपुर के दीप पटेल ने अंडर-16 बालक वर्ग में 800 और 1500 मीटर दौड़ में जीत दर्ज की।

फुटसल में रयान इंटरनेशनल स्कूल, भोपाल ने ऑक्जिलरी शील्ड जीती, जबकि रयान रायपुर दूसरे और सेंट जेवियर्स धमतरी तीसरे स्थान पर रहे। रयान विनर कप सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, हिवरी ने अपने नाम किया। इंदौर के अभियांश पांडे 31 गोल के साथ प्रतियोगिता के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। क्रिकेट के प्रतिष्ठित रयान कप में सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, रायपुर विजेता रहा, जबकि रयान इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर उपविजेता बना। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, हिवरी को तीसरा स्थान मिला। समग्र प्रदर्शन के आधार पर सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, रायपुर 21 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बना। रयान इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर ने 19 अंकों के साथ प्रथम उपविजेता और सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, हिवरी ने 16 अंकों के साथ द्वितीय उपविजेता का स्थान हासिल किया।

शक्ति उपासना में विधि विधान का महत्व हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

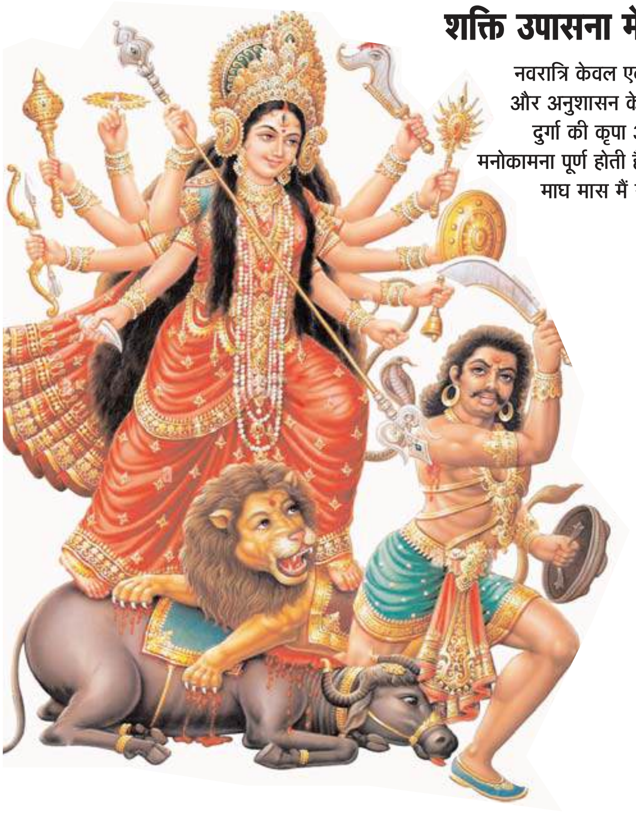

नवरात्रि केवल एक पर्व नहीं बल्कि शक्ति साधना और आत्म शुद्धि का दिव्य अवसर है यह 9 दिन का उत्सव श्रद्धा भक्ति और अनुशासन के माध्यम से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि मां दुर्गा की कृपा और करुणा से भक्तों को उनके करमानुसार फ्ल प्राप्त होते है और सच्चे भाव से की गई उपासना से मनोकामना पूर्ण होती है। नवरात्रि शब्द संस्कृत से बना है जिसका अर्थ है नौ रात्रियां वर्ष में चार बार चैत्र आसाढ़ आश्विन और माघ मास मैं नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है यह पर्व न केवल बुराइयों पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है बल्कि आत्मनिरीक्षण आंतरिक शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति काभी श्रेष्ठ समय है

दुर्गा सप्तशती का महत्व

नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ अत्यंत फ्लदाई माना गया है यह पवित्र ग्रंथ मार्कंडेय पुराण से लिया गया है जिसमें 700 श्लोक के माध्यम से मां दुर्गा की महिमा का वर्णन किया गया है इसे चंडी पाठ के नाम से भी जाना जाता है महाकाली महालक्ष्मी मा सरस्वती कि इसमें स्तुति की गई है पाठ प्रारंभ करने से पूर्व कवच अर्गला कीलक तथा अन्य अंगों सहित पाठ विधि का पालन किया जाता है इसके 13 अध्याय का पाठ और अंत में रात्रि सूक्त देवी सूक्त का पाठ किया जाता है विशेष रूप से पाठ के आरंभ और अंत में 108 बार ओम ऐ ही क्लीं चामुंडाऐ विच्चे मंत्र का जाप करना अत्यंत शुभ माना जाता है क्योंकि इस दुर्गा सप्तशती की आत्मा कहा गया है साथ ही प्रारंभ में बटुक भैरव की पूजा तथा अखंड दीप प्रज्वलन करना अनुष्ठान को पूर्णता प्रदान करता है

पंडित संदीप ज्योतिषी

कन्या पूजन का आध्यात्मिक रहस्य

नवरात्रि अनुष्ठान में कुमारी पूजन का विशेष महत्व है इस पूजन में 2 से 10 वर्ष तक की नौ कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है यह परंपरा नारी शक्ति के सम्मान और देवी के जीवंत स्वरूप की आराधना का प्रतीक है शास्त्रों के अनुसार रात्रि 11:00 बजे से प्रातः 3:00 बजे के मध्य हवन मंत्र जाप और पूजन विशेष फलदाई होते हैं व्रत धारी को संयमित जीवन अपनाते हुए दिन में एक बार फ्लाहार करना चाहिए भूमि पर चयन करना चाहिए और तामसिक आहार से दूर रहना चाहिए नवरात्रि का पर्व हमें केवल पूजा पाठ ही नहीं बल्कि आत्म अनुशासन संयम और आस्था का संदेश देता है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार 11 अक्टूबर को कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6:19 से सुबह 10:12 तक रहेगा जो लोग किसी कारणवश इस अवधि में कलश स्थापित न कर पाए उनके लिए अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 से दोपहर 12:31 तक रहेगा। नवरात्रि श्री दुर्गा देवी का उत्सव है जिन्होंने महिषासुर के विनाश के लिए अवतार लिया था असुशु रमंते ईति असुर अर्थात प्राण में भोग में रमे हुए होते हैं वो असुर है ऐसे महिषासुर का आज कम अधिक प्रमाण में हर इंसान की हृदय में वास है और उसने मनुष्य की आंतरिक देवी प्रवृत्तियों पर प्रभाव स्थापित कर लिया है इस महिषासुर की माया को पहचानने और उसके आसुरी चंगुल से छुटकारा पाने के लिए शक्ति की आराधना की आवश्यकता है इसके लिए नवरात्रि में 9 दिनों में शक्ति की पूजा करनी चाहिए जब भी संसार में तामसी राक्षसी और क्रूर लोग प्रबल होते हैं और सात्विक और धर्म परायण सज्जनों पर अत्याचार करते हैं तो देवी धर्म की स्थापना के लिए बार-बार अवतार लेती है नवरात्रि में देवी तत्व सामान्य से 1000 गुना अधिक कार्यरत रहता है देवी तत्व का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना करने से लाभ प्राप्त होता है।

आदिशक्ति के नौ रूप

भारतीय जनजीवन में धर्म की महश्रा अपरंपार है। यह भारत की उदाश्र संस्कृति का ही परिणाम है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देष में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है कि पूरे विष्व में भारत के धर्म व संस्कृति को सर्वोश्रम माने गए हैं। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी हैं, जिन्हें भारत के कोने-कोने में श्रद्धा, भक्ति और धूम-धाम से मनाया जाता है, उन्हीं में से एक है-नवरात्र। नवरात्र पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिषक्ति जगदंबा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्षन में ऐतिहासिक महश्र्व है और इन्हीं दिनों में बहुत-सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिंदू पौराणिक ग्रंथों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है, जो इस प्रकार हैं-षैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। नवरात्र से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है कि इनसान अपने अंदर के मूलभूत श्रेष्ठ गुणों एवं मूल्य से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करे और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार करे। नवरात्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होती है-नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवॉं दिन दषहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्र एक हिंदू पर्व है।

व्यंग्य रचना : दुखड़ा डॉट कॉमः आधुनिक सहानुभूति का मेगा-मार्ट और रोने का राष्ट्रीय उपक्रम

डॉ. किशोर अग्रवाल

हमारे देश में सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के बाद आदमी के सामने अस्तित्व का भीषण संकट खड़ा हो जाता है। दफ्तर की घड़ियाँ बंद हो जाती हैं, बॉस की गालियां खामोश हो जाती हैं और फाइलें मुंह फेर लेती हैं। ऐसे में या तो इंसान भगवान की शरण में जाकर मोक्ष की तलाश करे, या फिर समाज की दुखती रगों पर उंगली रखकर अपनी बची-खुची ऊर्जा का सदुपयोग करे।

हमारे बेमन चतुर्वेदी जी ने दूसरा मार्ग चुना। वे उन विरले महापुरुषों में से थे, जिन्हें दूसरों के दुख देखकर एक अजीब सी बौद्धिक और शारीरिक सुस्तीनाशक तृप्ति मिलती थी।

रिटायरमेंट के बाद जब एकाकी जीवन का सन्नाटा उनके ड्राइंग रूम की दीवारों से टकराने लगा, तो उनका समय काटना मुश्किल हो गया। तब उन्होंने समाज के अनमने, उदास और थके-हारे प्राणियों पर पैनी नजर गड़ानी शुरू कर दी। देखते ही देखते बेमन जी जगभर के दुखों के स्वयंभू और निर्विरोध ठेकेदार बन बैठे। उन्होंने गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया के सर्वर तक को छान मारा और ढेरों तकलीफें को बड़े यत्न से उजागर किया–

बेवा बुआ का वह पुराना और बासी सिसकता हुआ दर्द, विधुर बाबूजी की चाय की प्याली में तैरती हुई खामोशी,

प्रेम में बार-बार धोखा खाकर आईने के सामने खुद को कोसती हुई आधुनिक युवतियाँ, पार्लर से तीन घंटे का भारी-भरकम मेकअप थोप कर लौटने के बाद भी इंस्टाग्राम पर एक अदद लाइक के लिए तरसती हताश बालाएँ, प्रेमी महोदय की तरफसे तारीफका एक मीठा बोल सुनने के लिए महीनों से तड़पती हुई कोमलकांत युवतियां,

बहुओं से सताई हुई बेचारी पीड़ित सासें, घर से लतियाए हुए बुजुर्ग दम्पत्ति, पेपर लीक का पेपर लेकर भी अनुत्तीण छात्र, पार्टी से इलेक्शन का टिकट न पाये प्रत्याशी, पकड़े गये घोटालों के आरोपी और रिश्वत खोर, सभी को चंद बोल सहानुभूति के चाहियें ही चाहियें।

बेमन जी का पक्का वैचारिक मत था कि इस देश में खाद्यान्न की कमी भले ही हो जाए, लेकिन दुखों की फसल हमेशा लहलहाती रहती है। बस, उन्हें सही एंगल से काटने और उन पर चाय की चुस्कियों के साथ लंबी चर्चा करने की उम्दा कला आनी चाहिए। शुरुआत में उन्होंने यह महान समाजसेवा विशुद्ध रूप से मुफ्त में शुरू की। वे मोहल्ले के चौपाल पर बैठते और मुफ्त का ज्ञान बांटते। लेकिन घर लौटते ही जमीनी हकीकत का सामना होता।

एक दिन बेमन जी ने बड़ी हमदर्दी से घर में कहा, "सुनती हो, आज शर्मा जी की बेवा बहन के दुख पर तीन घंटे चर्चा करके आया हूँ। मन बहुत भर आया है।"

पत्नी ने चाय का कप पटकते हुए जवाब दिया, "अपना खाली पेट देखिए चतुर्वेदी जी! घर में राशन खत्म है, बिजली का बिल सिर पर है और चले हैं शर्मा जी के घर की टोंटी ठीक करने! मुफ्त में पूरी दुनिया का दर्द समेटोगे, तो घर का राशन क्या भगवान विष्णु भेजेंगे? अपनी इस फालतू समाजसेवा को कोई धंधा क्यों नहीं बना लेते?"

पत्नी की यह डांट बेमन जी के दिल में तीर की तरह चुभी और दिमाग मे बत्ती सी जल गई। उन्होंने सोचा–पत्नी की परवाह न सही, लेकिन बंदी की सलाह में दम है! जब लोग मुफ्त के दुख की कद्र नहीं करते, तो इसे एक गंभीर 'जुनून' और व्यापार में क्यों न बदला जाए? उन्होंने इस सेवा को असंगठित क्षेत्र से निकालकर सीधे कॉर्पोरेट स्टार्टअप की शक्ल दे दी।

इतिहास गवाह है कि हमारे देश में जब भी कोई काम बिना सोचे-समझे शौकिया तौर पर शुरू होता है, वह आगे चलकर एक सफ्ल व्यवसाय बन जाता है। जैसे आज से कुछ साल पहले कुछ अड़ियल लोगों ने शौकिया शादियां कराने का बीड़ा उठाया था और देखते-देखते करोड़ों की कंपनियां खड़ी कर लीं , ठीक उसी तर्ज पर बेमन चतुर्वेदी जी ने भी अपनी नई दुकान का श्रीगणेश किया दुखड़ा डॉट कॉम।

उन्होंने अपनी दुकान के बाहर बड़ा-सा बोर्ड टांग दियाः दर्द आपका, दुकान हमारी, और मुनाफा साझा! बेमन जी ने रेट-कार्ड को बाजार की मांग और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर बेहद वैज्ञानिक तरीके से तय कियाः

1. साधारण दुखड़ा (? 500/-): केवल बात कहने की अनुमति। बेमन जी बीच-बीच में मक्खी उड़ाते हुए ऊंघने का नाटक करेंगे और सिर हिलाकर औपचारिकता निभाएंगे।

2. गंभीर दुखड़ा (? 1000/-): घरेलू कलह और आशिकों के धोखे जैसे भारी विषय। इसमें पूरी तन्मयता से गहरी सांस भरकर 'हाय-तौबा' करने की सुविधा शामिल है।

3. साथ में रोने का विशेष पैकेज (2000/-): सबसे हॉट-सेलिंग उत्पाद! दुख सुनने के साथ-साथ बेमन जी भी अपनी पुरानी यादें कुरेदकर कुछ बूंदें प्रामाणिक और खारे आंसू बहाएंगे।

दुकान खुलते ही ग्राहकों की कतार लग गई।

पहले ग्राहक एक साहब आए। उन्होंने 500 की पर्ची कटाई और रोना शुरू किया, चतुर्वेदी जी, मेरी बीवी मुझे जरा भी नहीं समझती...

बेमन जी ने घड़ी की तरफ देखा और कहा, श्रीमान, पाँच सौ रुपये में बीवी की केवल दो बुराइयाँ ही सुनी जा सकती हैं। अगर ससुर की बुराई भी जोड़नी है, तो पाँच सौ का नोट और निकालिए। तभी एक मॉडर्न कन्या 2000 की गुलाबी पर्ची लेकर धमक पड़ी।

कन्या बोली, अंकल, मैंने रील्स के लिए तीन घंटे मेकअप किया, पर इंस्टाग्राम पर सिर्फ 12 लाइक्स आए! मेरा बॉयफ्रेंड भी 'नाइस' लिखकर गायब हो गया।

बेमन जी ने तुरंत अपनी आँखों में ग्लिसरीन की दो बूंदें टपकाईं, मुँह बिसूरकर रोने की अभिनय शैली अपनाई और बोले, कैसा दुर्भाग्य! इतना भीषण अत्याचार! आओ बेटी, साथ मिलकर रोते हैं... और दोनों दो मिनट तक रुमाल से आँखें पोंछते रहे। इस शानदार व्यावसायिक रणनीति के चलते बेमन जी की दुकान चल निकली। आज के इस डिजिटल युग की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है, फेसबुक पर पांच हजार 'फ्रेंड्स' हैं–लेकिन दिल की बात खुलकर सुनने के लिए एक भी जीवित इंसान पास नहीं है। लोग सामूहिक अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं।

यही वह खालीपन है जिसे बेमन चतुर्वेदी जी बड़ी खूबी से भुनाने में लग गये हैं । रोज सुबह दुकान का शटर उठता है। लोग आते हैं, पर्ची कटाते हैं, अपना दुखड़ा उड़ेलते हैं, निर्धारित शुल्क चुकाते हैं और मन को हल्का कर सुकून की सांस लेते हुए वापस लौट जाते हैं।

जिस समाज में कभी संवेदनाएं, हमदर्दी और आत्मीयता बिना किसी मोल-भाव के पड़ोसियों और अपनों से मिल जाया करती थी, वहाँ आज अपने ही आंसुओं को बाजार में ले जाकर तौलवाना पड़ जाए तो आश्चर्य कैसा ! इंसानियत के इस से बढ़कर गिरते हुए भाव और क्या हो सकते हैं? कल वाकई ऐसी दुकानें जगह जगह खुल जाएं तो चकित होने की जरूरत नही है।

शक्ति–साधना का महापर्व शारदीय नवरात्र

मुकेश ऋषि

शक्ति-साधना का शुभ मुहूर्श्र है नवरात्र। नवरात्र नव दिवसीय साधना का स्वर्णिम काल है। इस स्वर्णिम काल में साधक तमोगुण से सतोगुण की ओर अग्रसर होता है। तमोगुण से सतोगुण की ओर बढ़ना साधना में सिद्धि का योग है। यह सिद्धि, साधना व शक्ति सृष्टि की सुरक्षा व कल्याण का प्रमुख आधार है। इसलिए इस नवरात्र के नौ दिनों में महाशक्ति दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की परंपरा प्राचीन काल से चल रही है। इस स्वर्णिम समय में दसों द्वार खुल जाते हैं। दसों द्वार से अनवरत दैवी अनुदान, वरदान, अनुग्रह बरसतें रहते हैं। मां दुर्गा की श क्ति धरती पर अवतरित हो जाती है। खगोलीय षास्त्र के अनुसार सभी ग्रह-नक्षत्र, प्रकृति के सभी तत्वों में विलक्षण परिवर्तन का संकेत दृष्टिगोचर होने लगता है। माता के आगमन से पूर्व आष्विन मास के आरंभ से प्रकृति में सूक्ष्म शक्तियां संचरित हाने लगती है। सर्वत्र शक्ति धारण करने हेतु प्रकृति में सूक्ष्म रूप में अनुकूलता का मनोरम दृश्य विनिर्मित हो जाता है। यह समय ऋतु संधिकाल का होता है। वर्ष में चार नवरात्र होते हैं। दो गुप्त नवरात्र तो दो प्रत्यक्ष नवरात्र। चैत्र नवरात्र सुशुप्त व आष्विन नवरात्र जागृति का होता है। संध्या व रात्रि के बीच का समय गोधूलि बेला व रात्रि व प्रभात के बीच का समय ब्रह्म मुहूर्श्र कहा जाता है। यह बेला साधना व सिद्धि के लिए विशिष्ट व अनुकूल माना जाता है। यह ऋतु संध्या का विशिष्ट समय मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभप्रद होते हैं। इस विषिष्ट समय में स्वल्प मात्रा में की गयी साधनात्मक पुरूषार्थ वर्षों की गयी साधना की तुलना में ज्यादा लाभप्रद व श्रेष्ठ देखी गई है। जो साधक श्रद्धापूर्वक नियम, अनुशासन का पालन करते हैं, वे अपनी पात्रता को सही मायने में सिद्ध करके दैवी अनुदान-वरदान, अनुग्रह को प्राप्त करने में सफ्ल सिद्ध होते हैं और अपने व्यक्तित्व को साधारण से असाधारण, तुच्छ से महान बना पाते हैं। जीवन का कायाकल्प कर लेते हैं। इस नवरात्र में तीन दिन महाकाली तत्व उसके पश्चात तीन दिन महालक्ष्मी तत्व और अन्तिम तीन दिन महासरस्वती तत्व की प्रधानता होती है। साधक के अंदर ये तीनों दैवी तत्व विधमान रहते हैं। साधना के द्वारा तमोगुण, रजोगुण पर विजय प्राप्त करके सतोगुण में प्रतिष्ठित हुआ जाता है। शक्ति अर्जन का प्रमुख आधार सात्विक तत्व यानी पात्रता संवर्द्धन यानी पवित्रता का संचार यानी विजय, सिद्धि का केन्द्रविन्दु है। पौराणिक कथा के अनुसार कभी धरती पर असुर शुंभ-निशुंभ, मधु कैटभ, दुर्ग ने काफी अत्याचार फैला दिया था तो देवताओं के पारस्परिक सहयोग से दुर्गा षक्ति का अवतरण हुआ। मां दुर्गा ने काफी युद्ध करके इन असुरों का वध किया। मार्कण्डेय पुराण में इसका विस्तार से वर्णन है। दुर्ग नामक राक्षस का बद्ध करने से माता का नाम दुर्गा पड़ा। उस युद्ध में असुरों को परास्त करने के कारण ही जग में मां दुर्गा की पूजा की परंपरा शक्ति उपासना के पर्व के रूप में चल पड़ी। आज संसार में मां दुर्गा की पूजा विख्यात है। जन-जन उपद्रव से सुरक्षा, दुख-कष्ट के निवारण, शत्रुता के संहार व सुख-शान्ति हेतु नियमपूर्वक मां दुर्गा का अनुष्ठान करते और लाभ प्राप्त करते हैं। इस नवरात्र में प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम रूप शैलपुत्री की पूजा होती है। इस दिन विधिपूर्वक वैदिक कर्मकांड के साथ कलश-स्थापन व देवशक्तियों का आवाहन-पूजन किया जाता है। दुसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तृतीय दिवस चंद्रघंटा, चतुर्थ दिवस कुष्मांडा, पंचम दिवस स्कंदमाता, शष्ठम् दिवस कात्यायनी, सप्तम दिवस कालरात्रि अष्टम दिवस महागौरी, नवम दिवस सिद्धिदात्री की पूजा व हवन, कन्या पूजन के साथ नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णाहुति की जाती है। इस नवरात्र अनुष्ठान में तांत्रिक, अघोरी लोग तंत्र-मंत्र की सिद्धि करते हैं तथा साधक, भक्तगण दुर्गा पाठ, गायत्री मंत्र का लघु अनुष्ठान, रामायण पाठ, शिव-साधना करते हैं। इस साल शारदीय नवरात्र की शुरुआत 11 अक्टूबर रविवार से हो रही है। मां दुर्गा को समर्पित यह पर्व 11 अक्टूबर रविवार से शुरू होकर 20 अक्तूबर बुधवार तक चलेगा। 20 अक्टुबर मंगलवार को महानवमी व कुवारी पूजन महापर्व है। वहीं 21 अक्टूबर बुधवार को विजयादशमी यानी दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। जिसे रावण पर राम, शुंभ-निशुंभ, मधु-कैटभ, दुर्ग पर दुर्गा, अधर्म पर धर्म, असुरता पर देवत्व के विजय का पर्व लोक परंपरा में कहा जाता है। वैसे तो माता रानी सिंह की सवारी करती हैं, लेकिन नवरात्रि में जब धरती पर आती हैं तो उनकी सवारी बदल जाती है। मां जगदंबे के आगमन की सवारी नवरात्रि के प्रारंभ वाले दिन पर निर्भर करती है। यानी नवरात्रि की शुरुआत जिस दिन होती है, उस दिन के आधार पर उनकी सवारी तय होती है। इसी प्रकार से वह जिस दिन विदा होती हैं, उस दिन के आधार पर प्रस्थान की सवारी तय होती है।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन भी मध्यान तक सेहत संबंधित समस्या लगी रहेगी स्वभाव में चिड़चिड़ाहट और जिद रहने से जो भी संपर्क में आएगा उसे परेशानी होगी।

वृषः आज के दिन आप अपनी बुद्धि का इस्तेमाल कुछ अधिक ही करेंगे हर कार्य मे अतिरिक्त दिमाग चलाएंगे जहां केवल व्यवहारिकता से काम निकल सकता है ।

मिथुनः आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार दोनो पर संयम रखने की जरूरत है अथवा के दिनों से जमी दोस्ती अथवा स्नेह व्यवहार टूट भी सकती हैं।

कर्कः आज का दिन बीते कल की तुलना में उदासीन रहेगा दिन के आरम्भ से ही कार्यो में लापरवाही बरतेंगे दिनचर्या भी आज धीमी गति से चलेगी। आलस्य को छोड़ सेहत ठीक रहेगी।

सिंहः आज आपका स्वभाव दो तरफा रहेगा स्वयं को बाहर से संतोषि प्रदर्शित करेंगे लेकिन अंदर से उथल पुथल लगी रहेगी।

कन्याः आज के दिन आपका स्वभाव अत्यंत रहस्यमय रहेगा अन्य लोगो के मन का भेद तुरंत ले लेंगे लेकिन अपने मन की बात किसी से नही बाटेंगे। संध्या बाद शरीर मे शिथिलता बनेगीं।

तुलाः आज के दिन आपको प्रतिकूल परिस्थितियो का सामना करना पड़ेगा मध्यान तक किसी विशेष कार्य से भागदौड़ करनी पड़ेगी।

वृश्चिकः आज के दिन भी आपको अनुकूल वातावरण मिलने से मन के अनुसार कार्य कर सकेंगे दिन के आरम्भ में किसी कार्य को करने की जल्दी में गलती कर पछतायेंगे।

धनुः आज का दिन हर प्रकार से शुभ रहेगा कार्य व्यवसाय से में बुद्धि विद्या और संतान का सहयोग मिलने से कई दिनों से टल रही योजना को आगे बढ़ाएंगे। कार्य विस्तार और उन्नति होने से मन प्रसन्न रहेगा।

मकरः आज का दिन आपके भविष्य का निर्धारण करेगा दिन के आरंभ में आलस्य के कारण किसी आवश्यक कार्य मे विलंब होगा निरस्त भी हो सकता है ।

कुंभः आज के दिन पूर्वार्ध से ही सेहत संबंधित समस्या खड़ी होगी सर पर कार्य का भार होने पर भी शारीरिक रूप से तैयार नही रहेंगे फिर भी जबरदस्ती करने पर मध्यान के समय समस्या गहरायेगी लेकिन सेहत की आज अनदेखी ही करेंगे।

मीनः आज का दिन विजय दिलाने वाला है योजनाबद्ध होकर कार्य करे तो आज विचारे कार्यो में अवश्य सफलता मिल सकती है। दिन के आरंभ और अंत के समय अनैतिक कार्यो में मन भटकेगा।

QUIZ TIME

1. किस बीमारी को लॉकजॉ / धनुस्तंभ के नाम से जाना जाता है?
2. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की स्थापना कब हुई थी?
3. गौतम बुद्ध को ज्ञान किस नदी के तट पर प्राप्त हुआ था?
4. चर्चा में रहीं किया कुणाल बनर्जी किस खेल से जुड़ी हैं?
5. सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट की पहली महिला अधिकारी कौन बनी हैं?

उतरमाला- 1 टिटेनस | 2 1928 | 3 निरंजना | 4 पावरलिफ्टिंग | 5 संजुक्ता पराशर

RamaQuiz

कार्टून

संक्षिप्त खबरें

अमाली स्कूल में नेवता भोज खिलाया गया

नगरी/नवप्रदेश। समीपस्थ शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय अमाली में विगत दिनों ग्राम संबलपुर के माताओ एवं पालकों के द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को नेवता भोज मैं मिक्सर समोसा मीठा खिलाया गया खिलाया गया। सौजन्य श्रीमती द्वारिका बाई ,दुलेश्वरी, प्रीति ,पूर्णिमा एवं समस्त महिलाओं के द्वारा बच्चों को गरमा गरम समोसा मिक्सर और मीठा खिलाया गया। शाला परिवार की ओर से समस्त महिलाओं एवं पालकों को बहुत-बहुत धन्यवाद, बधाई/ शुभ कामनाएं। उक्त अवसर पर प्रधान पाठक हर्ष लता साहू शिक्षक लक्ष्मी साहू, श्वेता गौर,एस. नाग, चंद्र कुमारी नवरंगे, गंगा नवरंग, आदि उपस्थित थे।

बारहपाली शक्ति पीठ बांधा में ज्योति कलश स्थापना

नगरी/नवप्रदेश। ग्राम बांधा स्थित बारहपाली शक्ति पीठ जय मां अलसाईन दाई में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ ज्योति कलश की स्थापना की गई है। नवरात्रि पर्व के दौरान विभिन्न गांवों को अलग-अलग दिन सेवा मंडली की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि सभी गांवों के श्रद्धालु माता की सेवा एवं पूजा-अर्चना में सहभागी बन सकें।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को घट स्थापना, सोमवार को बिलभदर एवं डोंगरडुला, मंगलवार को गजकंहार एवं कल्लेमेट्टा, बुधवार को अछोली एवं परसापानी, गुरुवार को राजपुर एवं बटनहर्रा, शुक्रवार को मोहमल्ला एवं खरखाभर्री तथा शनिवार को सराईटोला एवं गुडरापारा की सेवा मंडली रहेगी। इसके बाद रविवार को गुहाननाला एवं कोलियारी तथा सोमवार को केरामुड़ा एवं कौहाबाहरा के श्रद्धालु सेवा में शामिल होंगे। शक्ति पीठ के धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में पाली अध्यक्ष सुरजन ध्रुव, उपाध्यक्ष बंशीलाल सोरी, दयाराम नेताम, बिरझू राम यादव, महासचिव नरसिंह मरकाम, कोषाध्यक्ष सोमनाथ नेताम, सचिव सियाराम ध्रुव, सहसचिव चंद्रभान मरकाम सहित पदाधिकारी, पुजारी, संरक्षक, सलाहकार एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सहयोग कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी कृतलाल मरकाम एवं भूषणलाल मरकाम ने बताया कि ज्योति कलश स्थापना के साथ क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। इस आयोजन में आसपास के गांवों के श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

'बस्तर मुन्ने' को लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ली बैठक

गरियाबंद/नवप्रदेश। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज कलेक्टोरेट कक्ष में 'बस्तर मुन्ने' में शामिल शासकीय योजनाओं के संबंध में बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, प्रमाण पत्रों तथा जनकल्याणकारी सेवाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक शासकीय सुविधाओं का लाभ पहुंचाने और विभिन्न सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पोर्टल में एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर त्रप्ता ठाकुर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने व्यक्तिगत एवं परिवारमूलक श्रेणी की कुल 31 योजनाओं की समीक्षा की। व्यक्तिगत श्रेणी में आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, आधार कार्ड, आयुष्मान भारत, इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना, जन-धन खाता, जननी सुरक्षा योजना, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता पेंशन योजना, निवास प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदना योजना, विधवा पेंशन योजना, विवाह प्रमाण पत्र, शिक्षा संबंधी सेवाएं तथा श्रमिक कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसी प्रकार परिवार मूलक श्रेणी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड, वन अधिकार पट्टा तथा स्वच्छ भारत मिशन को शामिल किया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को 20-20 वर्ष का कारावास

गरियाबंद/नवप्रदेश। अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (पॉक्सो एवं बलात्कार मामले) गरियाबंद की पीठासीन न्यायाधीश श्रीमती गंगा पटेल ने नाबालिग पीड़िता के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी 28 वर्षीय रमजान खान तथा सहयोगी आरोपी 23 वर्षीय अब्दुल रहमान को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं प्रत्येक को 36 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने बताया कि 13 सितंबर 2024 को पीड़िता के पिता ने थाना देवभोग में अपनी नाबालिग पुत्री के घर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसी दिन शाम को पीड़िता को आरोपी रमजान खान के कब्जे से उसके मित्र अब्दुल रहमान के घर से बरामद किया। पीड़िता के कथन के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 13 साक्षियों के बयान कराए गए। प्रकरण में प्रस्तुत तथ्यों, परिस्थितियों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने मुख्य आरोपी रमजान खान को पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड, भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 137(2) के तहत 3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

12 एवं 13 अक्टूबर को आयोजित होंगे चिन्हांकन एवं आंकलन शिविर

गरियाबंद/नवप्रदेश। समग्र शिक्षा के समावेशी शिक्षा अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिले में चिन्हांकन एवं चिकित्सकीय आंकलन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रारंभिक एवं माध्यमिक स्तर के साथ पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आयोजित इन शिविरों में दिव्यांगता का चिकित्सकीय आंकलन, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड), सहायक उपकरण तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की पहल की जा रही है। जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में 12 अक्टूबर 2026 को गरियाबंद, छुरा एवं फिंगेश्वर विकासखंड के बच्चों के लिए जिला चिकित्सालय गरियाबंद में शिविर आयोजित होगा।

पानी मांग रहे ग्रामीणों पर पुलिस की कार्रवाई से मचा बवाल

दल्ली राजहरा/नवप्रदेश। बालोद जिले के आड़ेझर गांव में पेयजल की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया। दल्लीराजहरा-महामाया मार्ग पर तीन दिनों से चक्काजाम और आमरण अनशन कर रहे ग्रामीणों को पुलिस ने शनिवार सुबह हटाकर अभिरक्षा में ले लिया। इसके बाद ग्रामीणों के बच्चों का आक्रोश सामने आया। अपने माता-पिता को पुलिस द्वारा ले जाए जाने की खबर मिलने पर 40 से अधिक बच्चे करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर थाने पहुंच गए। पुलिस ने बच्चों को थाने के गेट पर ही रोक दिया, जिसके बाद वे सड़क पर बैठ गए और अपने माता-पिता को छोड़ने की मांग करने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान 102 पुरुषों को दल्ली राजहरा के ओपन थिएटर में और 30 से 40 महिलाओं को आईटीआई परिसर में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया।

माता-पिता को छुड़ाने सड़क पर बैठे बच्चे

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आड़ेझर गांव के ग्रामीण लंबे समय से बोइरडीही जलाशय से पीने का पानी उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर गुरुवार से ग्रामीण दल्लीराजहरा-महामाया मार्ग पर चक्काजाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। आंदोलन में शामिल नौ ग्रामीण आमरण अनशन पर भी बैठे थे। तीन दिनों तक प्रशासन द्वारा समझाइश देने के बावजूद आंदोलन समाप्त नहीं होने पर शनिवार सुबह पुलिस ने कार्रवाई की।

पेयजल समस्या के समाधान की मांग तेज

पुलिस की कार्रवाई के बाद गांव में आक्रोश का माहौल बन गया है। खबर के अनुसार, ग्रामीणों के बीच पुलिस कार्रवाई के विरोध में सामूहिक रूप से आगे आने की चर्चा भी है। वहीं, थाने के बाहर बच्चों का अपने माता-पिता को छुड़ाने के लिए बैठना इस पूरे घटनाक्रम का संवेदनशील पहलू बन गया है।

जब बच्चों को पता चला कि उनके माता-पिता को पुलिस अपने साथ ले गई है, तो वे पैदल ही थाने पहुंच गए। बच्चों ने अपने माता-पिता को छोड़ने और गांव में पेयजल की व्यवस्था करने की मांग की। पानी की मांग पर तीन दिन से आंदोलन-ग्रामीणों की मुख्य मांग बोइरडीही जलाशय से आड़ेझर गांव के लिए पेयजल उपलब्ध कराने की है। पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों में लंबे समय से नाराजगी बताई जा रही है। उनका आंदोलन तीन दिनों से जारी था। चक्काजाम के कारण महामाया, दुलकी और कलवर माइंस से कच्चा लोहा लेकर आने-जाने वाले वाहनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ।

अपराध: पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, मृतक अपनी पत्नी के चरित्र पर करता था संदेह

बेटे ने की पिता की हत्या, फिर रची आत्महत्या की झूठी कहानी

- रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र का मामला

अभनपुर/नवप्रदेश। क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपने ही पिता की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। साथ ही बेटे के साथ आए दिन विवाद करता था। जिससे आक्रोशित होकर बेटे ने रसोई में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से पिता के गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

वारदात के बाद आरोपी ने हत्या को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की जांच और पूछताछ में पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र का है।

शराब के नशे में विवाद: मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम केंद्री निवासी डोमार साहू (48) 9 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे शराब के नशे में अपनी पत्नी दुलेश्वरी साहू से चरित्र को लेकर विवाद कर रहा था। इसी दौरान उनका 22 वर्षीय बेटा डोमेश साहू घर पहुंचा। विवाद के बीच पिता ने पत्नी और बेटे के संबंध में आपत्तिजनक आरोप लगाए, जिससे डोमेश गुस्से में आ गया।

आक्रोशित होकर उसने रसोई में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से पिता के गले पर कई वार कर दिए। बचाव के दौरान डोमार के दाहिने हाथ की कलाई के पास भी चोट आई। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के समय मृतक की पत्नी भी मौके पर मौजूद थी।

हत्या के बाद रची आत्महत्या की कहानी: वारदात के बाद आरोपी ने सच्चाई छिपाने की कोशिश की। उसने अपने पहने हुए कपड़े गांव के बड़े नहर-नाले में फेंक दिए और घर लौटकर परिजनों तथा आसपास के लोगों को बताया कि उसके पिता ने आत्महत्या कर ली है। हालांकि, घटनास्थल की परिस्थितियों और पुलिस की जांच में मामला संदिग्ध नजर आया।

पूछताछ में खुला राज

पुलिस ने संदेह के आधार पर बेटे डोमेश साहू से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में उसने पिता की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू सहित अन्य साक्ष्य जब्त किए हैं। हत्या के बाद कपड़े नहर-नाले में फेंकने और घटना को आत्महत्या बताकर गुमराह करने की कोशिश से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना ग्राम केंद्री के सरपंच ने रात करीब 11.30 बजे अभनपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। संदेह के आधार पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

9वीं की छात्रा से छेड़छाड़ प्रभारी प्राचार्य गिरफ्तार

- सभी स्टाफ को छुट्टी देकर छात्रा को प्राचार्य कक्ष में बुलाने का आरोप

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम अछोला के सरकारी हाई स्कूल में 9वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप स्कूल के व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य जीवनलाल देवांगन पर लगा है। घटना के बाद डरी-सहमी छात्रा रोते हुए घर पहुंची और मां को पूरी बात बताई। जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने शिक्षक को पकड़कर तुमगांव पुलिस के हवाले कर दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को स्कूल में आधे दिन बाद छुट्टी होने के कारण कई छात्र-छात्राएं घर जा चुके थे। इसी दौरान प्रभारी प्राचार्य जीवनलाल देवांगन द्वारा कथित तौर पर छात्रा को प्राचार्य कक्ष में बुलाया गया। आरोप है कि कक्ष में उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की गई। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान स्कूल का अधिकांश स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। घटना के बाद जब सफाई कर्मी प्राचार्य कक्ष में ताला लगाने पहुंचा तो छात्रा को रोते हुए देखा। इसके बाद छात्रा वहां से निकलकर सीधे अपने घर पहुंची। बेटी को रोता देख मां ने कारण पूछा तो उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। बताया गया है कि घटना के कुछ समय बाद प्रभारी प्राचार्य भी छात्रा के घर पहुंच गए और मामले को रफा-दफा करने की बात कहने लगे। इससे आक्रोशित छात्रा की मां ने शिक्षक पर थप्पड़ बरसा दिए। विवाद बढ़ने पर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों में शिक्षक के प्रति आक्रोश इतना बढ़ गया कि कुछ लोग मारपीट पर उतारू हो गए। हालांकि अन्य ग्रामीणों ने उन्हें समझाइश देकर शिक्षक को पुलिस के हवाले करने की बात कही और 112 को सूचना दी।

मां पैरी कप प्रीमियर लीग सीजन-1 के खिताब पर दबंग वॉरियर्स का कब्जा

- रोमांचक फाइनल मुकाबले में सुपरस्टार मैनपुर को हराया, हजारों दर्शक बने क्रिकेट टूर्नामेंट के साक्षी

मैनपुर/नवप्रदेश। तहसील मुख्यालय मैनपुर के उन्मुक्त खेल मैदान भाटीगढ़ में मां पैरी कप प्रीमियर लीग 2026 का ग्रैंड फाइनल मुकाबला गुरुवार को दबंग वॉरियर्स और सुपरस्टार मैनपुर के बीच खेला गया। रोमांच से भरपूर इस फाइनल मुकाबले में दबंग वॉरियर्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपरस्टार मैनपुर को शिकस्त दी और मां पैरी कप प्रीमियर लीग सीजन-1 का विजेता बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी और दर्शक मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट के ग्रैंड फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हेमचंद देवांगन, मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री संकल्प मिशन छत्तीसगढ़ हॉस्पिटल, छुरा उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा नेता एवं डाकेश्वर नेगी, राजू सोनी, पिलेश्वर साहू, एसडीओपी मैनपुर, गोविंद पटेल, नंदकिशोर चौबे, रूपेश साहू, उमेंद्र निर्मलकर, कुणाल ठाकुर, टीकम देवांशी, देवचरण निर्मलकर, राशिद खान, नजीब बेग, उपेंद्र साहू, बंटी पटेल, ईश्वर नागेश, कोमल साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रॉयल किड्स स्कूल में मनाई अग्रसेन जयंती

पिथौरा/नवप्रदेश। रॉयल किड्स स्कूल नयापारा खुर्द में एक दिन पूर्व महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई ।इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने वृहद स्तर पर तैयारी की गई थी। इस कार्यक्रम के अतिथि क्षमा गोयल जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा, नर्मदा अग्रवाल , सत्यनारायण अग्रवाल अध्यक्ष भारत स्काउट गाइड , राजेश गोयल अध्यक्ष कपडा व्यापारी संघ,पत्रकार नंदकिशोर अग्रवाल ,रैदास गोयल थे।

सर्वप्रथम सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा श्री खाटू श्याम जी महाराज श्री अग्रसेन जी महाराज के छाया चित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियो एवं स्कूल के सभी बच्चों ने एक मुट्ठी चावल व एक सिक्का दान किया। इसके पश्चात बच्चों के द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता , भाषण,डांस एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें मोक्ष साहू ने प्रथम, रेणुका सेन ने द्वितीय, एवं अनाइशा अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एवं 15 बच्चों को सांत्वना पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अतिथि सत्यनारायण अग्रवाल ने सभी बच्चों की उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह छोटे बच्चे कल के हमारे देश के भविष्य हैं इन्हें हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। उद्बोधन की कड़ी को आगे बढ़ते हुवे नंदकिशोर अग्रवाल जी ने रॉयल किड्स स्कूल परिवार को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आज रॉयल किड्स स्कूल ने अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम का आयोजन कर एक नई मिशाल पेश की है।आज के कार्यक्रम से नन्हे बच्चों को निश्चित ही नए संस्कार मिलेंगे। आगे महाराजा अग्रसेन जी पर प्रकाश डालते हुवे कहा वे युग प्रवर्तक थे।

जीएसटी 2.0 व्यापारियों को राहत देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : संजय बंगानी

नवापारा-राजिम। जीएसटी 2.0 के माध्यम से देश के करोड़ों व्यापारियों को राहत देने की पहल का स्वागत करते हुए आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं महासमुंद जिला प्रभारी संजय बंगानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और व्यापार हितैषी बनाने की दिशा में लिए गए निर्णय देश के व्यापार एवं उद्योग जगत को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।संजय बंगानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प के अनुरूप जीएसटी व्यवस्था में सुधार व्यापारियों के लिए सकारात्मक कदम है।

वी विल डू इट के लिए एकजुट हुए आदिवासी पालक

नगरी/नवप्रदेश। विकसित भारत 2047 को साकार करने के लिये समूचे देश में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। देश भर के स्कूलों में अनेकानेक विषयों पर भाषण, चर्चा, गोष्ठी के साथ साथ विविध विधाओं पर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी वाक्य ÷ वी विल डू इट÷ से प्रेरित होकर सिंगपुर के प्राचार्य ,शिक्षक एवम कक्षा दसवीं ,बारहवीं के बच्चे तथा आदिवासी पालकों ने 2027 में शत प्रतिशत रिजल्ट के लिये मिशन 2027 वी विल डू इट का नारा बुलंद किया है।

विद्यालय के आमंत्रण पर आए गोंड़ समाज के पालकों ने इस अवसर पर कक्षा 10 वीं एवम 12 वीं के बच्चों से इस मिशन को सफल बनाने के लिए सुबह सोकर उठने से लेकर रात्रि सोने तक की गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की।

आस्था: 11 से 19 अक्टूबर तक नौ दिवसीय महाआयोजन

उमरगांव शक्तिपीठ में मां कामाख्या का विशेष अनुष्ठान

नगरी/नवप्रदेश। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर तहसील नगरी के ग्राम उमरगांव स्थित अष्टभुजी शक्तिपीठ दुर्गा मंदिर में माँ भगवती की आराधना एवं माँ कामाख्या की विशेष साधना के लिए नौ दिवसीय धार्मिक महाआयोजन किया जाएगा। 11 से 19 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अनुष्ठान में कलश स्थापना, अखंड ज्योति प्रज्वलन, सहस्त्रनाम पुष्प अर्चन, दुर्गा सप्तशती पाठ, मंत्र-जप, विशेष हवन, कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन यज्ञाचार्य पंडित द्वारिका प्रसाद पाण्डेय के मार्गदर्शन में वैदिक आचार्यों के सानिध्य में होगा।

हवन एवं पूर्णाहुति के साथ होगा समापन-नवरात्रि के दौरान दुर्गा सप्तशती पाठ, मंत्र-जप, विशेष हवन एवं अन्य वैदिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे।

कलश स्थापना से होगा शुभारंभ

महोत्सव का शुभारंभ रविवार, 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे कलश स्थापना, घट पूजन एवं अखंड ज्योति प्रज्वलन के साथ होगा। नौ दिनों तक माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, शांति एवं मंगलकामना के लिए देवी की आराधना करेंगे।

पंचमी से सप्तमी तक विशेष आयोजन

आयोजन का प्रमुख आकर्षण 15 अक्टूबर को पंचमी महोत्सव के अवसर पर सुबह 9 बजे से होने वाला माँ कामाख्या का विशेष पुष्प अर्चन एवं महाअर्चन रहेगा। इसमें कुमकुम, हल्दी, काला तिल, पीली सरसों, बेलपत्र, नीमपत्र, दूर्वा, विभिन्न प्रकार के फूल, फल एवं अन्य पूजन सामग्रियों से देवी की आराधना की जाएगी। 16 अक्टूबर को षष्ठी तथा 17 अक्टूबर को सप्तमी पर भी विशेष पूजा-अनुष्ठान होंगे। यजमानों एवं श्रद्धालुओं को संकल्प लेकर पूजा में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा।

बेलरगांव में 50 बिस्तर अस्पताल और महाविद्यालय खोलने की मांग

नगरी/नवप्रदेश। बेलरगांव क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और उच्च शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा से रायपुर स्थित उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बेलरगांव में 50 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल तथा महाविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधियों ने मंत्री को बताया कि बेलरगांव क्षेत्र से 50 से अधिक गांव जुड़े हुए हैं। यहां पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं और उच्च शिक्षा संस्थान के अभाव में ग्रामीणों को उपचार एवं कॉलेज की पढ़ाई के लिए नगरी और धमतरी जाना पड़ता है। इससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों और उनके परिजनों को समय एवं संसाधनों की परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए बेलरगांव में 50 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल और महाविद्यालय की स्थापना आवश्यक है।

दुर्गा पंडालों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और मां दुर्गा की प्रतिमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना-चौकी क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित

■ **नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को लेकर कबीरधाम पुलिस सतर्क**

कवर्धा/नवप्रदेश। आगामी नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार एवं श्री अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित की गईं। इसी क्रम पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया श्री भूपत सिंह की दिशा निर्देश में थाना कुण्डा में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री अमित कश्यप द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से नायब तहसीलदार सुश्री नेहा उइके एवं बैठक में दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। बैठक में आगामी नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने, आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई। दुर्गा पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर पंडालों की व्यवस्था, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग तथा मां दुर्गा की प्रतिमा की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए गए। दुर्गा पूजा समितियों से अपील की गई कि पंडालों में विद्युत व्यवस्था सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखें। बिजली के तारों एवं कनेक्शनों की जांच कराएं तथा आवश्यकतानुसार योग्य इलेक्ट्रिशियन की सहायता लें। पंडाल में अग्निशमन यंत्र, रेत से भरी बाल्टियां एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखें। दीपक, दीये एवं अन्य पूजा सामग्री का उपयोग करते समय आसपास की सजावट एवं कपड़ों की सुरक्षा का ध्यान रखें, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। पंडाल की स्थापना इस प्रकार की जाए कि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में सुविधा मिले और आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न न हो। सड़क एवं सार्वजनिक मार्गों पर यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए पंडाल के स्थान तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एम्बुलेंस एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता उपलब्ध रखने के साथ पंडाल में प्रवेश एवं निकास की समुचित व्यवस्था करने की अपील की गई। बैठकों में धार्मिक आयोजनों के दौरान सभी समुदायों की धार्मिक भावनाओं एवं परंपराओं का सम्मान करने तथा आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की गई। दुर्गा पूजा एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं समय-सीमा के अनुरूप करने तथा जुलूस के निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन करने के संबंध में भी चर्चा की गई। सोशल मीडिया पर पर्व से संबंधित सकारात्मक संदेशों एवं शुभकामनाओं को प्रोत्साहित करने तथा किसी भी अपुष्ट सूचना को साझा करने से बचने की अपील की गई। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

कबीरधाम पुलिस की अपील

पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार एवं श्री अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में आयोजकों एवं नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित कर नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। कबीरधाम पुलिस समस्त नागरिकों एवं दुर्गा पूजा समितियों से अपील करती है कि नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं।

मां दुर्गा पंडाल की सुरक्षा में समितियों का सहयोग महत्वपूर्ण

दुर्गा पूजा समितियों से मां दुर्गा की प्रतिमा एवं पंडाल की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध करने की अपील की गई।

विशेष रूप से रात्रि के समय पंडाल की निगरानी के लिए समिति के किसी जिम्मेदार सदस्य की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सदस्यों की आपसी सहमति से रात्रिकालीन ड्यूटी निर्धारित करने का सुझाव दिया गया।

न्यूज गैलरी

चेन्नई कॉरपोरेशन में डायरेक्टर बने रितेश गोलछा

महासमुंद/नवप्रदेश। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत चेन्नई कॉरपोरेशन लिमिटेड में डायरेक्टर का दायित्व मिलने पर सीए रितेश गोलछा का भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशवंत तुषार साहू ने उनके निवास पहुंचकर अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने फूल-माला एवं गुलदस्ता भेंट किया। शवंत तुषार साहू ने कहा कि रितेश गोलछा को मिली यह जिम्मेदारी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गोलछा अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता का उपयोग करते हुए नई जिम्मेदारी का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे तथा जनहित एवं राष्ट्रहित में योगदान देंगे। इस अवसर पर अंकित गोलछा, सुनील पाटिल, सौरभ मालू, लक्की चोपड़ा, मोक्ष गोलछा, जेवरी लाल गोलछा, रानू गोलछा, ईशा गोलछा सहित बड़ी संख्या में परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

अशवंत तुषार साहू ने घर पहुंचकर फूल-माला व गुलदस्ता भेंट कर किया अभिनंदन

रायपुर रोड पर यात्री बसों की जांच, 5 बसों पर कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संचालकों पर परिवहन विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी प्रतीक शुक्ला के नेतृत्व में टीम ने रायपुर रोड पर यात्री बसों की सघन जांच की। कार्रवाई के दौरान 5 बसों में नियमों की खामियां मिलने पर 15 हजार 300 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। जांच के दौरान ड्राइवर लाइसेंस, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, बीमा, परमिट समेत यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े जरूरी मानकों की पड़ताल की गई। महासमुंद में यात्री बसों की सघन जांच की। कार्रवाई के दौरान बसों में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े आवश्यक दस्तावेजों और मानकों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान 5 यात्री बसों में नियमों से संबंधित कमियां पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग की टीम ने संबंधित बस संचालकों से कुल 15 हजार 300 रुपए का शमन शुल्क वसूल किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्री बसों में सुरक्षा मानकों और आवश्यक दस्तावेजों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

मोरकुटुम्ब में कबड्डी प्रतियोगिता के समापन में पहुंची पंचायत अध्यक्ष

छुरिया/नवप्रदेश। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के वांनचल क्षेत्र ग्राम मोरकुटुम्ब में खेल युवा मंडल द्वारा आयोजित आयोजित एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव शामिल हुईं। कार्यक्रम में खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं।समापन समारोह की अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति श्रीमती बिरम मंडावी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत छुरिया सदस्य श्री उभेयराम मंडावी एवं जिला भाजपा के पूर्व महामंत्री श्री रविन्द्र वैष्णव, जिला भाजपा सदस्य श्री मायाराम साहू, श्री हरदेव कतलाम अध्यक्ष धुव्र गोंड समाज खोमा, श्री सुरेश सोरी पूर्व संरपंच, श्री जयसिंग सोरी ग्राम पटेल, श्रीमती बिसाखा बाई साहू ग्राम पंचायत संरपंच, श्री महेन्द्र कोर्राम, श्री ज्ञानसिंह शोरी, श्री नेतराम साहू समेत जनप्रतिनिधि व सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है। कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

अपराध: देर रात घर पहुंचा परिवार का मुखिया, मंजर देखकर दहला, बेटी खून से लथपथ मिली

डोंगरगढ़ में डबल मर्डर से सनसनी, मां-बेटे की मौत

■ **हत्या की वजह और आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस**

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौथना में बीती रात हुई दो लोगों की मौत की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। इस घटना में कमला बाई सोनकर और उनके बेटे चुन्नू सोनकर की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी ममता सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों के साथ हुई इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के मुखिया सुखीराम सोनकर रात करीब 9:30 बजे अपने घर पहुंचे। घर के अंदर पत्नी कमला बाई सोनकर, बेटे चुन्नू सोनकर और बेटी ममता सोनकर की हालत देखकर वह घबरा गए। घर के भीतर का यह दर्दनाक मंजर देखकर उन्होंने तत्काल गांव के सरपंच और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए सरपंच ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और डोंगरगढ़ पुलिस की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। देखते ही देखते गांव में लोगों की भीड़ जुटने लगी और घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। इस घटना में कमला बाई सोनकर और उनके बेटे चुन्नू सोनकर की मौत हो गई, जबकि बेटी ममता सोनकर गंभीर रूप से घायल पाई गई। घायल ममता को तत्काल शासकीय अस्पताल डोंगरगढ़ पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हत्या की वजह स्पष्ट नहीं

ग्राम चौथना में हुई इस घटना के पीछे क्या कारण रहे और इसमें कौन शामिल है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच के तथ्यों और पुलिस की आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। पुलिस जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामले की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

गांव में शोक और दहशत का माहौल

घटना के बाद ग्राम चौथना सहित आसपास के क्षेत्र में भी इसकी चर्चा है। ग्रामीण इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध हैं। एक ही परिवार में दो लोगों की मौत और बेटी के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। अब पूरे मामले में पुलिस जांच और घायल ममता के स्वास्थ्य को लेकर लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं। घटना के कारणों, जिम्मेदार व्यक्तियों और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल डोंगरगढ़ पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस की आधिकारिक जानकारी और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना मिलने के बाद डोंगरगढ़ थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख और एसडीओपी केसरी नंदन नायक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले से जुड़े तथ्यों को जुटाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस के सामने अब घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने, दोनों की मौत के कारणों का खुलासा करने और गंभीर रूप से घायल ममता के साथ हुई घटना की कड़ियों को जोड़ने की चुनौती है। जांच के दौरान घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारियों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल फसल सर्वे में लापरवाही पर पांच पटवारी निलंबित

नोटिस का जवाब भी नहीं मिला संतोषजनक

महासमुंद/नवप्रदेश। डिजिटल फसल सर्वेक्षण और राजस्व कार्यों में लापरवाही बरतना जिले के पांच पटवारियों को भारी पड़ गया। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा राजस्व कार्यों की नियमित समीक्षा के बाद संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों ने पांच पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कार्रवाई से राजस्व अमले में हड़कंप मच गया है।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2026-27 के डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) के तहत शेष खसरों की पीवी एप के माध्यम से भौतिक सत्यापन कर गिरदावरी का कार्य 30 सितंबर 2026 तक पूरा किया जाना था। इसके लिए पटवारियों को खसरा नंबर आवंटित कर समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय तक कार्य शुरू नहीं करने और संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर संबंधित पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

इन पटवारियों पर हुई कार्रवाई

उदय प्रकाश राजपूत, पटवारी हल्का नंबर-02, तहसील बसना को डिजिटल फसल सर्वेक्षण के निर्धारित कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण निलंबित किया गया है। जितेंद्र सिंह बाघ, पटवारी, तहसील सरायपाली पर ग्राम पड़कीपाली में शासकीय भूमि को कथित रूप से मनमाने तरीके से दूसरे कृषक के नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने का आरोप है।

मुख्यालय तहसील कार्यालय तय

आदेश में कहा गया है कि संबंधित पटवारियों का कृत्य कदाचरण, अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही की श्रेणी में आता है। इसके चलते छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि में संबंधित पटवारियों का मुख्यालय तहसील कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

आंबेडकर स्कूल में 8 लाख से बनेगा पेवर ब्लॉक परिसर

नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू ने किया भूमिपूजन, बच्चों के लिए झूला-फिसलपट्टी से लेकर डिजिटल क्लास की भी तैयारी

महासमुंद/नवप्रदेश। नयापारा स्थित आंबेडकर स्कूल के बच्चों को अब बारिश में कीचड़ और जलभराव के बीच स्कूल आने-जाने की परेशानी नहीं होगी। नगर पालिका द्वारा स्कूल परिसर में 8 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कराया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने शनिवार को पार्षदों, शिक्षिकाओं और वार्डवासियों की मौजूदगी में निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

नपाध्यक्ष साहू ने बताया कि पूर्व में स्कूल के निरीक्षण के दौरान परिसर में मूलभूत सुविधाओं की कमी के साथ बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव की समस्या सामने आई थी। इससे विद्यार्थियों को आवागमन में परेशानी होती थी। समस्या को देखते हुए स्कूल परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने की घोषणा की गई थी, जिस पर अब काम शुरू हो गया है।

दो स्कूलों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किया चिन्हांकित

नपाध्यक्ष ने बताया कि नगर के आंबेडकर स्कूल और श्रीराम पाठशाला को नगर पालिका ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चिन्हांकित किया है। दोनों स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण किया जाएगा। पेवर ब्लॉक के साथ बेहतर बेंच व्यवस्था, परिसर का विकास और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बाद स्कूलों में कंप्यूटर, डिजिटल इक्विपमेंट और आधुनिक शिक्षण उपकरण उपलब्ध कराने की योजना है। उद्देश्य बच्चों को बेहतर और समयानुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है।

हर बच्चे को मिले अच्छी शिक्षा और बेहतर सुविधाएं

साहू ने कहा कि वे समय-समय पर शहर के शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हैं। आंबेडकर स्कूल और श्रीराम पाठशाला में सामने आई समस्याओं को दूर करने के लिए पालिका स्तर पर आवश्यक कार्य कराए जा रहे हैं। उनकी मंशा है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा के साथ स्कूल में जरूरी मूलभूत सुविधाएं मिलें और संसाधनों की कमी उसकी पढ़ाई में बाधा न बने।

छुरीडबरी में गूंजी कबड्डी की हुंकार, विधायक द्वारिकाधीश ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने प्रतियोगिताओं को बताया जरूरी

■ **बोले- खेलों से युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का होता है विकास**

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत घोटियापानी के ग्राम छुरीडबरी में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खल्लारी विधायक गयादव रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक यादव ने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेलों से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होने के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ग्रामीण अंचलों की पहचान हैं और इन्हें प्रोत्साहन देकर स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा सकता है। विधायक यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने की है। स्थानीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने तथा नियमित अभ्यास के जरिए अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, मेहनत और आपसी भाईचारा है। इस तरह के आयोजन युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के साथ गांव में आपसी एकता और सामाजिक सद्भाव को भी मजबूत करते हैं। विधायक ने आयोजन समिति और ग्रामीणों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में तुला राम ठाकुर, नाथू राम, मुकेश ठाकुर, बाबूलाल, नेहरू चक्रधारी, बृजलाल ठाकुर, ओंकार ठाकुर, त्रिपत राम और रूप सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

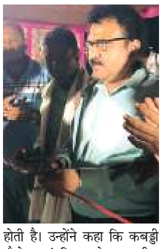

श्रद्धा-भक्ति : अंतिम दिन नाणीजधाम तीर्थ दर्शन, ऑनलाइन नामदीक्षा, रासलीला और विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

नामस्मरण, गुरु-शरण और सेवा का संदेश देकर श्रीकथा ज्ञान यज्ञ का समापन

महासमुंद/नवप्रदेश। भगवान जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से महासमुंद में आयोजित तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ का शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के बीच समापन हुआ। अंतिम दिन नाणीजधाम तीर्थक्षेत्र के दर्शन, ऑनलाइन नामदीक्षा, श्री लीलामृत ग्रंथ पर आधारित प्रवचन, रासलीला, संध्या आरती तथा विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

अंतिम दिवस की शुरुआत श्रद्धालुओं द्वारा तीर्थक्षेत्र नाणीजधाम के दर्शन से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी से ऑनलाइन नामदीक्षा (नामदान) ग्रहण की। इस दौरान उन्हें भक्ति, सदाचार, सेवा और नामस्मरण को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया गया। रामानंद संप्रदाय की परंपरा में नामदान को गुरु-शिष्य संबंध और भक्ति-साधना की महत्वपूर्ण शुरुआत माना जाता है। तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान की कथा, भक्ति और गुरु-शिष्य परंपरा का श्रवण किया। समापन दिवस की संध्या में रासलीला और आरती का आयोजन हुआ। रासलीला के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में भावविभोर नजर आए। इसके बाद आयोजित विशाल प्रसादी भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में रामानंद संप्रदाय छत्तीसगढ़ के उपपीठ प्रमुख घनश्याम माहेश्वरी, पीठ सदस्य सच्चिदानंद उपासने, पीठ सह प्रमुख मुन्नालाल मोटघरे एवं पीठ व्यवस्थापक प्रकाश अंगाडे सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, निरीक्षक, समिति सदस्य तथा छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों से आए श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नामभक्ति से बढ़ती है एकाग्रता और विवेक

जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी ने ऑनलाइन प्रवचन के माध्यम से नामभक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मन स्वभाव से चंचल होता है और इसी कारण मनुष्य कई बार अपने लक्ष्य से विचलित हो जाता है। भक्ति के माध्यम से अंतरमन और बहिरमन की एकाग्रता बढ़ती है। इससे निर्णय क्षमता, संयम, विवेक, साहस और सकारात्मक चिंतन का विकास होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को नियमित नामस्मरण, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

गुरु अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं

कथा व्यास प्रवचनकार रोहित मुड़े ने श्री लीलामृत ग्रंथ पर आधारित प्रवचन में सद्गुरु के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर आत्मज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। सद्गुरु की संगति और मार्गदर्शन से मनुष्य के भीतर आध्यात्मिक जागरण होता है तथा वह सत्य और प्रकाश के मार्ग पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु नरेंद्राचार्यजी के मार्गदर्शन में भक्ति, नामस्मरण, सेवा और सदाचार को जीवन का आधार बनाकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।

लोककल्याणकारी सेवा कार्यों की दी जानकारी

आयोजन के दौरान जगद्गुरु नरेंद्राचार्यजी की प्रेरणा से संचालित विभिन्न लोककल्याणकारी एवं मानवतावादी सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि सेवा कार्यों के तहत 1,56,129 से अधिक परिवारों की घर-वापसी, 250 देहदान और 219 अवयवदान किए जा चुके हैं। वहीं जनवरी 2026 में 15 दिनों के दौरान 1,71,150 यूनिट रक्तदान तथा 5 से 19 जुलाई 2026 के बीच 6,18,009 पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

नवरात्रि उत्सवः मां बम्लेश्वरी की सेवा, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राजनांदगांव पुलिस तैयार

20,000 रेडियम स्टिकर से सुरक्षित होगी पदयात्रियों की यात्रा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं सुव्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए राजनांदगांव पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए गए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज श्री अजय यादव के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में जिलेभर में व्यापक स्तर पर पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। नवरात्रि पर्व के दौरान 30 राजपत्रित अधिकारी, 50 निरीक्षक स्तर के अधिकारी तथा 1,100 से अधिक अन्य पुलिस अधिकारी एवं जवानों सहित कुल 1,100 से अधिक पुलिस बल श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात रहेगा। संपूर्ण छत्तीसगढ़ पुलिस का बल उत्साह, उमंग एवं सेवाभाव के साथ नवरात्रि ड्यूटी के लिए तैयार है। माँ बम्लेश्वरी मंदिर से मेला क्षेत्र तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था माँ बम्लेश्वरी ऊपर मंदिर, नीचे मंदिर, मेला क्षेत्र, दर्शन मार्ग, रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख आवागमन मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने, आवागमन सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें सक्रिय रहेंगी। अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों पर निगरानी के लिए क्राइम टीम तैनात रहेगी। रेलवे स्टेशन, प्रमुख प्रवेश मार्गों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिस अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सहायता एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डोंगरगढ़ के प्रत्येक पार्किंग स्थल पर सीसीटीवी कैमरों एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की व्यवस्था की गई है। इससे पार्किंग स्थलों की निगरानी, वाहनों की सुरक्षा तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में सहायता मिलेगी।

श्रद्धालुओं से अपील है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करें। नवरात्रि मेले के दौरान किसी भी विपरीत परिस्थिति, आपात स्थिति अथवा सहायता की आवश्यकता होने पर श्रद्धालु राजनांदगांव पुलिस कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त डोंगरगढ़ में शिरपानी डोम, ऊपर मंदिर एवं नीचे मंदिर परिसर में बनाए गए कंट्रोल रूम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। श्रद्धालु किसी भी समस्या की स्थिति में निकटतम पुलिस अधिकारी अथवा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को तत्काल सूचित करें।

पदयात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष पहल

नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात्रि में पदयात्रा कर माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। पदयात्रियों की सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राजनांदगांव पुलिस द्वारा 20,000 रेडियम स्टिकर वितरित किए जाएंगे। रेडियम स्टिकर से रात्रि के समय पदयात्रियों की दृश्यता बढ़ाने में सहायता मिलेगी, जिससे वाहन चालकों को सड़क पर चल रहे श्रद्धालुओं को पहचानने में आसानी होगी तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिलेगी।पदयात्रियों से अपील है कि वे सड़क के किनारे सुरक्षित ढंग से चलें, रात्रि में दृश्यता बढ़ाने वाले साधनों का उपयोग करें, समूह में अनुशासित ढंग से यात्रा करें तथा यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करें।

बल, हर परिस्थिति से निपटने की तैयारी

नवरात्रि मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए विशेष पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। पुलिस की विभिन्न टीमें भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, अपराध रोकथाम, कानून-व्यवस्था एवं आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए मुस्तैद रहेंगी। पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ दर्शन एवं आवागमन को यथासंभव सुगम बनाना है।

प्रमुख मार्गों पर विशेष यातायात व्यवस्था

नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डोंगरगढ़ आने वाले प्रमुख मार्गों पर विशेष यातायात प्रबंधन किया गया है। प्रमुख मार्ग निम्नानुसार हैं–

अंजोरा बायपास से डोंगरगढ़ मार्ग।
तुमड़ीबोड़ से डोंगरगढ़ मार्ग।
चिचोला-बिराटलाब-खैरागढ़ मार्ग।

इन मार्गों पर यातायात का सुचारु संचालन, आवश्यकतानुसार डायवर्जन, वाहनों की आवाजाही का नियमन तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा। वाहन चालकों से अपील है कि वे निर्धारित यातायात मार्गों एवं पुलिस द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें तथा अनावश्यक रूप से सड़क पर वाहन खड़ा न करें।

अंजोरा से चिचोला और खैरागढ़ मार्ग तक सुरक्षा का पहरा

डोंगरगढ़ नवरात्रि मेले में 1000 से 1200 पुलिस जवान तैनात

मां बम्लेश्वरी मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पुलिस की तैनाती, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था पर विशेष नजर

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। मां बम्लेश्वरी मंदिर में 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले क्वांर नवरात्रि मेले को लेकर पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 1000 से 1200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई है।

राजनांदगांव जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव और पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डोंगरगढ़ आने वाले प्रमुख मार्गों पर पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। इनमें अंजोरा से डोंगरगढ़, डोंगरगढ़ से चिचोला और डोंगरगढ़ से खैरागढ़ मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा प्रमुख धार्मिक स्थलों और मेला क्षेत्र में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रमुख मार्गों पर पुलिस की तैनाती नवरात्रि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। पुलिस जवानों की तैनाती से यातायात को व्यवस्थित रखने, भीड़ को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष निगरानी

मां बम्लेश्वरी मंदिर परिसर सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। मेला क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी, पेट्रोलिंग और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सक्रिय रहेगी। सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी सुरक्षा प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

क्वांर नवरात्रि मेले के दौरान डोंगरगढ़ में श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही को देखते हुए पुलिस विभाग सतर्क है। प्रमुख मार्गों से लेकर धार्मिक स्थलों तक पुलिस की मौजूदगी का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और मेले को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है।

नव प्रदेश की अपील : माता बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु यातायात नियमों का पालन करें, पुलिस जवानों के निर्देशों का सहयोग करें और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरतें।

नगर निगम ने किया क्वांर नवरात्रि पर्व के लिए व्यापक व्यवस्था

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर जिला राजनांदगांव द्वारा बैठक में दिये गये निर्देश के अनुक्रम में दिनांक 11 अक्टूबर 2026 से 19 अक्टूबर 2026 तक आयोजित क्वांर नवरात्रि पर्व पर नगर निगम द्वारा पद यात्रियों की सुविधा के लिये बने पंडालों एवं शहर में मूलभुत सुविधा उपलब्ध कराने निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने निगम के अधिकारियो व कर्मचारियों को दायित्व सौपा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुये नगर निगम आयुक्त श्री मरकाम ने बताया कि क्वांर नवरात्रि में डोंगरगढ़ दर्शनार्थियों/पद यात्रियों के लिये शहर में बने पंडालों एवं शहर में मूलभूत दायित्वों के निर्वहन के लिये अधिकारियों व कर्मचारियों को दायित्व सौपा गया है। जिसके लिये प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम (मो.नं. 83197-26288) को नोडल अधिकारी तथा प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू (मो.नं. 78285-23391) को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही सभी उप अभियंताओं को अलग अलग प्रभार सौपा गया है। आयुक्त मरकाम ने बताया कि 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक नवरात्रि पर्व में पद यात्री पंडालो मे प्रातः 6 बजे से दूसरे दिन सुबह 6 बजे तक तीन पालियों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल व्यवस्था एवं विद्युत व्यवस्था के लिये।

आज से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ, मंदिरों और दुर्गा पंडालों में तैयारी पूरी

जवारा ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारियां पूर्ण, गरबा और जसगीतों से नौ दिनों तक भक्तिमय रहेगा माहौल

बेमेतरा/नवप्रदेश। हमारे प्रतिनिधि शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ के साथ ही बेमेतरा जिले में मां दुर्गा की आराधना को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। भद्रकाली मंदिर, शीतला मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों में जवारा ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

वहीं शहर के अलग-अलग स्थानों पर दुर्गा पंडाल सजकर तैयार हो गए हैं। आकर्षक सजावट और विद्युत रोशनी से सजे पंडाल श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे। नवरात्रि को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मंदिरों में पूजा-अर्चना और देवी दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। वहीं, शहर के विभिन्न स्थानों पर रात्रिकालीन गरबा आयोजन की भी तैयारी पूरी कर ली गई है। मंडी क्षेत्र में भी गरबा का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी पिछले वर्षों की तरह गरबा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस साल शारदीय नवरात्रि 11 से 19 अक्टूबर तक है नौ दिनों तक जिले का माहौल देवी भक्ति में डूबा रहेगा। मंदिरों में पूजा-पाठ और देवी जसगीतों की गूंज सुनाई देगी, वहीं दुर्गा पंडालों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ गरबा की धूम रहेगी। नवरात्रि के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और उमंग का माहौल है।

देवी मंदिरों मे जगमगाएंगे आस्था के ज्योत जगह-जगह विराजित होंगी आदिशक्ति

खैरागढ़/नवप्रदेश। आज से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्रि पर शहर सहित इलाकें मे नवरात्रि की तैयारियां पूरी कर ली गई है । शहर के देवी मंदिरों को नवरात्रि के लिए आकर्षक रंगरोगन कर आकर्षक सजाया गया है । नवरात्रि पर्व को लेकर शहर के बाजार मे भी भीड़ भाड़ नजर आने लगा है । शहर के रियासत कालीन दंतेश्वरी मंदिर,ईतवारीबाजार के महामाया और शीतला मंदिर, पूराना बस स्टैण्ड स्थित बम्लेश्वरी मंदिर, धरमपूरा के शनिधाम स्थित दुर्गा मंदिर, दाउचौरा स्थित शीतला धाम में नवरात्रि की तैयारी पूरी हो चुकी है । इन मंदिरों में रंगरोगन के साथ आकर्षक साज सज्जा और लाइटिंग की गई है। इन देवी मंदिरों मे नौ दिनों तक भक्तों का तांता लगेगा । इसके लिए शहर सहित छग ,अन्य प्रदेशो और विदेशो मे भी रहने वाले भक्तों ने अपने नाम से ज्योति प्रज्वलित कराए है । जगह जगह विराजित होंगी आदि शक्ति शहर सहित अंचल मे शारदीय नवरात्रि पर जगह जगह आदि शक्ति दुर्गा की विभिन्न स्वरूपो की प्रतिमाओ की स्थापना होगी । शहर के सिविललाइन, बस स्टैण्ड, दंतेश्वरी मंदिर चौक, गोलबाजार, बांकेबिहारी मंदिर परिसर, बरेठपारा, बख्शीमार्ग, ईतवारीबाजार, तुरकारीपारा, धरमपूरा, अमलीपारा, सोनेसरार दाउचौरा, अमलीडीह, धनेली, लालपूर मोंगरा जैसे वार्डो मे भी दुर्गा सहित सरस्वती की प्रतिमाओ की स्थापना होगी ।

तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

मिराईकल रिसॉर्ट मनगटा में लाखों की चोरी का खुलासा

एसी, फ्रीज, गीजर, साउंड बॉक्स सहित अन्य सामान एवं चोरी में प्रयुक्त कार जब्त

राजनांदगांव/नवप्रदेश। दिनांक 29.09.2026 की शाम लगभग 03:00 बजे से दिनांक 03.10.2026 की शाम लगभग 04:00 बजे के मध्य ग्राम मनगटा स्थित मिराईकल रिसॉर्ट के कॉटेज नंबर 136, 129 एवं 131 से अज्ञात चोर द्वारा 05 नग एसी, 02 फ्रिज, 01 साउंड बॉक्स, 04 गीजर, 03 नल एवं 01 सिलेंडर, कुल अनुमानित कीमत 78,900 रुपये, चोरी कर लिया गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सोमनी में अपराध क्रमांक 242/2026, धारा 331(4), 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी, तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर संदेहियों की निगरानी कर लगातार पतासाजी की गई। इसी दौरान संदेही युवराज खुटेल उर्फ लोचन, पिता सुरेश खुटेल, उम्र 20 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 10, मुढ़ीपार, थाना सोमनी, जिला राजनांदगांव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

मशरूका की जब्ती एवं गिरफ्तारी

आरोपियों के कब्जे से चोरी के 05 नग एसी, 02 फ्रिज, 04 गीजर, 02 नल तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक सीजी 04 एमए 5814 जब्त की गई। जब्त मशरूका एवं वाहन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2,58,900 रुपये है। प्रकरण में संलिप्त पाए जाने पर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। प्रकरण में अन्य फरार आरोपी की पतासाजी जारी है।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्रवाई में पीएसआई संजीत जायसवाल, प्रधान आरक्षक डूलेश्वर साहू, तोरण पटेल, बद्रीनाथ दिनकर तथा आरक्षक विनोद महिलांगे, भास्कर प्रधान, प्रदीप जायसवाल, ललित सिंह, लीलाराम साहू एवं तुषार मरकाम, थाना सोमनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस की कार्रवाई

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदया अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री के.पी. मरकाम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी शुरू की गई।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत बलदेव प्रसाद मिश्रा स्कूल में वार्डों के लिए मैगा कैम्प

नागरिकों की समस्या का समाधान करने एवं शासन की योजना का लाभ देने वार्ड नं. 37 से 46 व 48 के लिए शिविर का आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा सेतु कार्यक्रम सरकार आपके द्वार के तहत महापौर श्री मधुसूदन यादव के मार्गदर्शन मे वार्डो में 1 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में नागरिको की समस्या का समाधान करने के अलावा शासन की विभिन्न योजनाओ का लाभ दिया जाएगा। शिविर के संबंध में निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने बताया कि शासन निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत नागरिको की समस्या का समाधान करने तथा उन्हें शासन की योजना का लाभ देने सेवा सेतु कार्यक्रम सरकार आपके द्वार के तहत वार्डो में शिविर आयोजित किये जा रहे है। 1 अक्टूबर को चिखली स्कूल में एवं 5 अक्टूबर को नगर निगम परिसर में वार्डो के लिए शिविर आयोजित किया गया था। शिविर के तृतीय चरण में 12 अक्टूबर 2026 सोमवार को बल्देव प्रसाद मिश्र स्कूल में प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक मैगा कैम्प का आयोजन होगा।

जिसमें वार्ड नं. 37 से 46 तक एवं वार्ड नं. 48 के वार्डो के नागरिको की मांग एंव शिकायत संबंधी आवेदन लेकर शासन की योजनाओ का लाभ लेने जानकारी दी जावेगी। आयुक्त ने अपनी समस्या समाधान के लिए आवेदन करने एवं शासन की योजनाओ का लाभ लेने शिविर में उपस्थित होकर सेवा सेतु अभियान का लाभ उठाने नागरिको से अपील की है।

2 लाख रूपये गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। साइबर सेल व थाना बेरला की संयुक्त पुलिस टीम ने मादक पदार्थो की अवैध बिक्री में संलिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए तीन आरोपी सुरज कुमार साहू, साहिल साहू निवासी खर्रा, थाना बेरला जिला बेमेतरा एवं युधिष्ठिर बहेरा निवासी सलडी थाना साकरा जिला महासमुंद को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 16 किलो 180 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन 1,95,000 रूपये एवं कार कीमती करीबन 5,00,000 रूपये, नगदी रकम 13,000 रूपये, विभिन्न कंपनी का टच स्क्रीन 03 नग मोबाईल कीमती करीबन 60,000 रूपये,कुल जुमला कीमती लगभग 7,68,000 रूपये को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया हैं । जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 03 आरोपियों के विरूद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

पीएम जनमन योजना की कलेक्टर ने की समीक्षा

बैगा हितग्राहियों के आधार, आयुष्मान कार्ड 15 नवंबर तक बनाने के निर्देश

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में संचालित पीएम जनमन योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में योजना के अंतर्गत संचालित दीर्घकालिक एवं त्वरित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शेष कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

आदिवासी विकास विभाग सहायक आयुक्त ने आवास निर्माण, संपर्क सडक़, पेयजल, बहुउद्देशीय केंद्र, आंगनबाड़ी भवन, मोबाइल मेडिकल यूनिट, विद्युत सुविधा, सौर ऊर्जा, दूरसंचार सेवाएं एवं छात्रावास निर्माण की जानकारी दी। कलेक्टर चंद्रवाल ने योजना के शेष कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए । कलेक्टर ने बैगा हितग्राहियों के आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड के बचे प्रकरणो पर 15 नवंबर तक कार्यवाही पूर्ण करने , पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शेष अपूर्ण आवास, संपर्क सडक़, हर घर जल एवं जनमन छात्रावास भवन के निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा नियमित निगरानी करने कहा। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने मोबाइल मेडिकल यूनिट के सुचारू संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बैगा जनजाति की महिलाओं एवं बच्चों की एनीमिया, सिकल सेल सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच नियमित रूप से कराने तथा जांच से संबंधित जानकारी का व्यवस्थित डेटा संकलित कर मेडिकल डाटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल में एड्स जागरुकता व रैली का आयोजन

बेमेतरा/नवप्रदेश। शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, बेमेतरा में एचआईवी/ एड्स जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नोडल अधिकारी (एड्स) डॉ. चंद्रप्रकाश द्वारा एचआईवी फैलने के चार प्रमुख कारणों एवं इस सघन प्रचार प्रसार,जन-जागरूकता कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई। आईसीटीसी काउंसलर पुरानिक नायक द्वारा एचआईवी फैलाव रोकने में युवाओं के योगदान के बारे में बताया गया एवं अधिक जानकारी के लिए निःशुल्क टोल फ्री नंबर 1097 की जानकारी दी गई। विकास गौतम, प्रोजेक्ट मैनेजर, जीवन रेखा फाउंडेशन द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए एचआईवी पीड़ित व्यक्तियों से भेदभाव न रखने एवं HIV/AIDS ACT-2017 के बारे में जानकारी दी गई। विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा HIV/AIDS जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जानकारी देने के लिए टीम आई है, इसे गंभीरता से सुनें, अपने जीवन में इसका पालन करें, सुरक्षित रहें और अपने समाज को भी सुरक्षित रखें। उपरांत रैली निकली गई। विद्यार्थियों ने बैनर-पोस्टर की तख्ती लिए विधायक निवास, बिजली ऑफिस, स्टेट बैंक, परशुराम चौक एवं जयस्तंभ कचहरी चौक से होते हुए वापस स्कूल परिसर में समाप्त हुई।

पेयजल किल्लत से जूझ रहे अटल आवास की महिलाओं ने किया पालिका का घेराव

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के केन्द्रीय विद्यालय मार्ग स्थित अटल आवास मे पखवाड़े भर से पेयजल की दिक्कत से परेशान आवासीय महिलाओ ने शुक्रवार शाम पालिका कार्यालय पहुँच जमकर हंगामा किया और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की मांग की । पालिका सीएमओ की अनुपस्थिति मे महिलाओ ने जमकर नारेबाजी करते पेयजल दिक्कत को लेकर जमकर भड़ास निकाली । प्रदर्शन के बीच पहुँचे सीएमओ पुनीत वर्मा को वार्ड मे हो रही परेशानियों को बताते त्वरित रूप से पेयजल आपूर्ति सूचारू रूप से संचालित करने की मांग करते कार्यवाही किए जाने कहा । अटल आवास कालोनी की महिलाओ ने बताया कि आवासीय परिसर मे बनाए गए पंप हाऊस का पंप पिछ्ले पखवाड़े भर से खराब पड़ा है ।

इसी पंप हाऊस से पूरे कालोनी मे पेयजल आपूर्ति होती है । परिसर मे 50 से अधिक परिवार निवास करते है । पखवाड़े भर पहले ही पंप खराब होने और पेयजल आपूर्ति संबंधी शिकायतों को लेकर नगरपालिका को विधिवत सूचना देते बिगड़े पंप और मशीनरी की सुधार की मांग की गई थी । लेकिन पालिका प्रशासन ने परिवारो की दिक्कतो को ध्यान नही दिया । जलापूर्ति नही होने से आवास मे रह रहे परिवारो को पेयजल के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है । दूरदराज से पानी की व्यवस्था बनाने की जुगत लगानी पड़ रही है । पालिका द्वारा टेंकर भेजे जाने पर भी व्यवस्था नही बन पाने का हवाला देते महिलाओ ने बताया कि टेंकर से नियमित सप्लाई नही कराई जा रही है मनमाफिक समय पर पालिका द्वारा टेंकर भेजे जाने से लोगो को कोई राहत नही मिल पाई हे ।

हाऊसिंग बोर्ड ने कराया था निर्माण, पालिका के हवाले होते ही बेहाल

केन्द्रीय विद्यालय मार्ग पर 50 से अधिक अटल आवास का निर्माण हाऊसिंग बोर्ड द्वारा कराया गया था । हाऊंसिंग बोर्ड की देखरेख मे वहाँ पेयजल आपूर्ति के लिए पंप हाऊंस का निर्माण करा सुबह शाम सप्लाई कराई जाती थी । पालिका को हैंड ओवर किए जाने के बाद वहाँ की व्यवस्था संभालने पालिका के पसीने छूट रहे है । पेयजल आपूर्ति के लिए पंप संचालन कार्य मे किसी प्रकार की दिक्कत आने पर पालिका द्वारा ज्यादा समय लगाने से पूरे आवासीय परिसर के रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । महिलाओ ने पेयजल समस्या का त्वरित निदान नही होने पर पालिका प्रशासन के खिलाफआंदोलन की चेतावनी दी है ।महिलाओ की मांग पर पालिका सीएमओ पुनीत वर्मा ने जल्द कार्यवाही का भरोसा देते कहा कि पेयजल व्यवस्था सुधारी जाएगी।

जीएसटी 2.0 व्यापारियों को राहत देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : संजय बंगानी

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। जीएसटी 2.0 के माध्यम से देश के करोड़ों व्यापारियों को राहत देने की पहल का स्वागत करते हुए आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं महासमुंद जिला प्रभारी संजय बंगानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और व्यापार हितैषी बनाने की दिशा में लिए गए निर्णय देश के व्यापार एवं उद्योग जगत को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

संजय बंगानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प के अनुरूप जीएसटी व्यवस्था में सुधार व्यापारियों के लिए सकारात्मक कदम है। रिफंड प्रक्रिया में तेजी, ईमानदार व्यापारियों के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की सुरक्षा, छोटे व्यापारियों को आपराधिक कार्रवाई से राहत तथा जीएसटी पंजीयन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने जैसे प्रावधान व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। व्यापारियों को सरल नियम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और अनावश्यक जटिलताओं से राहत मिलने से व्यापारिक माहौल मजबूत होगा तथा आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

बंगानी ने छत्तीसगढ़ सहित देशभर के व्यापारियों की ओर से केंद्र सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति धन्यवाद एवं साधुवाद व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के उपाध्यक्ष बनने पर कमल किशोर साहू का सम्मान

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के उपाध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता कमल किशोर साहू को दायित्व मिलने पर टैक्स बार एसोसिएशन राजनांदगांव द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता हिरेंद्र देवांगन, छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष सुरेश एच लाल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता बृजकिशोर सूरजन ने कमल किशोर साहू को सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

यह उपलब्धि टैक्स बार एसोसिएशन राजनांदगांव के लिए गौरव का विषय है क्योंकि राजनांदगांव के दो सदस्यों को छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। अधिवक्ता कमल किशोर साहू को उपाध्यक्ष तथा अधिवक्ता सत्यप्रकाश मिश्रा को सहसचिव का दायित्व सौंपा गया है। इससे राजनांदगांव के कर अधिवक्ताओं को राज्य स्तर पर अपनी भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव मयंक शर्मा, उपाध्यक्ष सुधीर राठी, कोषाध्यक्ष मनमोहन साहू, सहसचिव यशवंत देशमुख एवं तिलेश्वरी देवांगन ने भी कमल किशोर साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

मेसर्स शौर्य कृषि केंद्र में अनियमितता पाए जाने पर लगा प्रतिबंध

बेमेतरा/नवप्रदेश। कृषकों को गुणवत्तायुक्त एवं मानक कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा कीटनाशकों के अवैध एवं अनियमित विक्रय पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने जिले में संचालित विकासखंड साजा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स शौर्य कृषि केंद्र ग्राम चेनानमेटा (बिरनपुर) कीटनाशकों के भंडारण एवं विक्रय से संबंधित अभिलेखों तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान कीटनाशकों के भंडारण एवं विक्रय हेतु अनुमोदित स्रोत प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होना तथा स्टॉक पंजी एवं मूल्य सूची का नियमानुसार संधारित एवं प्रदर्शित नहीं होना जैसी अनियमितताएं पाई गईं। उक्त अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कृषि केंद्र में उपलब्ध बिना अनुमोदित स्रोत के कीटनाशक दवाओं के विक्रय, वितरण एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही संबंधित संस्थान को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित समय-सीमा में अपना स्पष्टीकरण एवं आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उप संचालक कृषि, जिला बेमेतरा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि कृषि आदान विक्रेताओं को कीटनाशकों के क्रय, भंडारण एवं विक्रय के संबंध में प्रचलित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। बिना वैध प्राधिकार एवं आवश्यक दस्तावेजों के कीटनाशकों का विक्रय किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नोटिस के संबंध में प्राप्त स्पष्टीकरण एवं अभिलेखों के परीक्षण के पश्चात नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एलीट फुटबॉल एकेडमी की अंतरशालेय प्रतियोगिता में 8 स्कूलों ने लिया हिस्सा

सफलता घर बैठे नहीं मिलती, इसके लिए तपना पड़ता है: विधायक दीपेश

बेमेतरा/नवप्रदेश। एलीट फुटबॉल एकेडमी बेमेतरा द्वारा दो दिवसीय अंतरशालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के आठ स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान एलान्स पब्लिक स्कूल और प्रेरणा विद्यालय के बीच रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें एलान्स पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 से जीत दर्ज की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक दीपेश साहू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों में केवल जीत ही महत्वपूर्ण नहीं होती, बल्कि प्रतियोगिता में भाग लेना भी अपने आप में बड़ी बात है। बेमेतरा जिले में सैकड़ों स्कूल होने के बावजूद केवल आठ स्कूलों का प्रतियोगिता में शामिल होना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल में समय बिताने के बजाय खेलों में भाग लेना चाहिए, ताकि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रह सकें।

विधायक ने कहा कि फुटबॉल जैसे खेलों में काफी ऊर्जा, मेहनत और अनुशासन की आवश्यकता होती है। सफलता घर बैठे नहीं मिलती, बल्कि इसके लिए तपना पड़ता है। जीत हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास और लगन जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और खेलों के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने की अपील की। साथ ही आश्वस्त किया कि वे खिलाड़ियों और खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

खेल सुविधाओं के विकास के लिए करोड़ों की स्वीकृति

विधायक दीपेश साहू ने बताया कि क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए सात करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति मिल गई है साथ ही फिटनेश सेंटर, योग,जुम्बा के लिए 3 करोड़ स्वीकृत कराया गया है। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज के प्राचार्य डी.आर. साहू, रोहित साहू, आनंद साहू, सुमित तिवारी, सौरभ तिवारी खेल एकेडमिक के सचिव मुशर्रफ़ सुलताना सहित सदस्य उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरुकता शिविर

बेमेतरा/नवप्रदेश। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक तनाव से बचाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान तथा ऐसे परिस्थितियों में उचित सहायता प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों एवं भेदभाव को दूर करने और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की ओर से मानसिक स्वास्थ्य से प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को विधिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक समस्याओं के संबंध में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय एवं विधिक सहायता प्राप्त करने के प्रति जागरूक करना रहा।

तहसील साहू संघ धरसींवा का सामाजिक बैठक संपन्न

धरसींवा/नवप्रदेश। तहसील साहू संघ धरसींवा का सामाजिक बैठक अध्यक्ष लेखराम साहू एवं परिक्षेत्र अध्यक्षों के नेतृत्व में ग्राम देवरी में आयोजित किया गया। बैठक में परिक्षेत्रों एवं ग्राम ईकाई के पदाधिकारी एवं स्वजातीय भाई तथा माता बहनों की भी भारी संख्या में उपस्थिति रही। उक्त बैठक में रायपुर जिला साहू संघ (ग्रामीण) के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया तहसील अध्यक्ष लेखराम साहू द्वारा सभा को संबोधित करते हुए समाज में पुराने रूढ़िवादी को खत्म करने मृत्यु भोज में सादा भोजन कराने, शादी गोधूली बेला में करने, दशगात्र में तालाब का कार्यक्रम समयावधि में सम्मन्न करने तथा समाज के संगठन एवं एकता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। रायपुर जिला ग्रामीण के अध्यक्ष हीरामन साहू के द्वारा भी सभा को सम्बोधित भाषण में प्रदेश के नियमों का पालन करने अर्न्तजातिय, अर्न्तधर्म एवं संगोत्रीय विवाह को खत्म करने एवं पूरे समाज को इस पर गंभीरता से विचार करने का सलाह दिया गया। अन्त में राष्ट्रगान से सभा का समापन किया गया। इस अवसर पर रायपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष केजू राम साहू, निर्वाचित अध्यक्ष हीरामन साहू, उपाध्यक्ष पोषण साहू, संगठन सचिव योगेश साहू, तहसील अध्यक्ष लेखराम साहू, उपाध्यक्ष फूलचंद साहू, महिला उपाध्यक्ष मंजू साहू, महिला संगठन सचिव खोमबाई साहू, संरक्षक बंशीलाल साहू, सचिव मुरली साहू, कोषाध्यक्ष गणेश राम साहू, ग्राम देवरी के अध्यक्ष हृदयराम साहू, राजेश साहू, न्याय प्रकोष्ठ के संयोजक विष्णु साहू, बलदाऊ साहू, घनाराम साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष रामकुमार साहू, टीकाराम साहू, गणेशराम साहू, मंगला साहू, होरीलाल साहू, तहसील तिल्दा अध्यक्ष मनीराम साहू एवं ग्राम देवरी के सामाजिक भाईयों द्वारा इस बैठक में विशेष रूप से सहयोग किया गया।

आबकारी एक्ट के तहत पांच मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। थाना बेमेतरा, नांदघाट, नवागढ, साजा एवं चौकी देवकर पुलिस टीम को सूचना मिली की जिले के विभिन्न स्थानों पेट्रोल पंप के पास बेमेतरा, टेमरी मरघट के पास, साल्हेघोरी रोड नवागढ, कॉलेज मैदान अमलीडीह के पास, आकाश चाय दुकान के सामने दुर्ग बेमेतरा मेन रोड के पास में 5 आरोपियों को अवैध रूप से शराब रखकर परिवहन एवं बिक्री करते पाया गया। जिसमें थाना बेमेतरा, नांदघाट, नवागढ, साजा एवं चौकी देवकर में 5 प्रकरण में 5 आरोपी 1. मिथलेश ठाकुर पिता गणेश ठाकुर उम्र 40 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 18 बेमेतरा, 02. तोरन यादव पिता गणेश यादव उम्र 28 वर्ष, निवासी नांदघाट, थाना नांदघाट, 3. इंद्रकुमार टंडन पिता ऋषि टंडन उम्र 34 वर्ष, निवासी सिघनपुरी, थाना चंदनू जिला बेमेतरा,04. उबारन दास पिता बुधारूदास जांगडे उम्र 35 वर्ष, निवासी करमतरा थाना साजा, 05. धनेश्वरी उम्र 39 वर्ष, निवासी सिरसा चौकी देवकर थाना साजा जिला बेमेतरा के कब्जे से 76 पौवा शराब कीमती 7,160 रूपये एवं व बिक्री रकम 1,100 रूपये, 2 प्रयुक्त मोटर सायकल, स्कुटी कीमती करीबन 65,000 रूपये सहित कुल जुमला लगभग 73,260 रूपये जप्त को जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का मिले लाभ: कलेक्टर शर्मा

'बस्तर मुन्ने' में शामिल शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ली बैठक

गरियाबंद/नवप्रदेश। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज कलेक्टोरेट कक्ष में 'बस्तर मुन्ने' में शामिल शासकीय योजनाओं के संबंध में बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, प्रमाण पत्रों तथा जनकल्याणकारी सेवाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक शासकीय सुविधाओं का लाभ पहुंचाने और विभिन्न सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पोर्टल में एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर शर्मा ने व्यक्तिगत एवं परिवारमूलक श्रेणी की कुल 31 योजनाओं की समीक्षा की। व्यक्तिगत श्रेणी में आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, आधार कार्ड, आयुष्मान भारत, इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना, जन-धन खाता, जननी सुरक्षा योजना, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता पेंशन योजना, निवास प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदना योजना, विधवा पेंशन योजना, विवाह प्रमाण पत्र, शिक्षा संबंधी सेवाएं तथा श्रमिक कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसी प्रकार परिवार मूलक श्रेणी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड, वन अधिकार पट्टा तथा स्वच्छ भारत मिशन को शामिल किया गया है।

इन योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, आजीविका, कृषि, आवास, पेयजल तथा स्वच्छता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहायता प्रदान की जाती है। इसी प्रकार जाति, निवास, आय, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हैं।

चिंगली में मुक्तिधाम निर्माण कार्य का भूमिपूजन

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लॉक के ग्राम पंचायत चिंगली में सर्वसुविधायुक्त मुक्तिधाम के निर्माण कार्य का भूमिपूजन जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह के मुख्य आतिथ्य मे हुआ । कार्यक्रम मे जिला पंचायत सदस्य जमुना कुर्रे, पीलाबाई वर्मा मौजूद रही। भूमिपूजन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि चिंगली निवासी लंबे समय से मुक्तिधाम निर्माण की मांग कर रहे थे। अंतिम संस्कार जैसी व्यवस्था में सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। इस निर्माण कार्य के पूर्ण हो जाने से विशेषकर बरसात के मौसम में ग्रामीणों को होने वाली भारी दिक्कतों और असुविधाओं से पूरी तरह निजात मिल जाएगी। सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं का विस्तार करना ही पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम में विकेश गुप्ता, देवकुमार सेन, हरप्रसाद वर्मा, नरेश कुर्रे, प्रेमसागर गुप्ता, गणेश वर्मा, उत्तम वर्मा, ज्ञानेंद्र चन्देल, युवराज साहू, योगेश वर्मा, चित्ररेखा वर्मा, तरुण गुप्ता, कमलेश वर्मा, सन्तु वर्मा, लता वर्मा, मालती वर्मा, सरस्वती वर्मा, सरिता वर्मा, तामेश्वर सेन, रविलाल वर्मा, उषा वर्मा, थानसिंग वर्मा सहित पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रथम पेज का शेष

छत्तीसगढ़ में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं...

ने इस अवसर पर क्लब के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक पुलेला गोपीचंद का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय बैडमिंटन को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनके मार्गदर्शन में अनेक खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। नवा रायपुर में उनकी बैडमिंटन अकादमी की शुरुआत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण भी करते हैं। खेलों में निवेश वास्तव में हमारी युवा पीढ़ी और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य में निवेश है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दे रही है।

बस्तर में खुल रहे विकास के नए द्वार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता उनकी सरकार के लगभग पौने तीन वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। चार दशकों से अधिक समय तक नक्सलवाद ने बस्तर सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों के विकास को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक दिशा मिली है।

सीईसी पर बढ़ा 'सियासी...

करते हुए आरोप लगाया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान महिला अधिवक्ताओं समेत कई वकीलों को हिरासत में लिया गया और पुलिस ने जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया।

दिल्ली में मेट्रो-रेल सहित...

दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अधिकारियों ने पालन नहीं किया। यह मामला 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्देशों से जुड़ा है। कोर्ट ने दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों से पहले मेट्रो और रेलवे सेवाओं पर लगाई गई पूरी पाबंदियां हटाने का निर्देश दिया था।

सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह बंद नहीं कर सकतेः सुप्रीम कोर्ट

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वे शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर मेट्रो और रेलवे सेवाओं पर लगी पूरी पाबंदी हटाएं। कोर्ट ने साफ कहा था कि सुरक्षा के नाम पर सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह बंद नहीं किया जा सकता। इससे दिल्ली के लाखों लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट का कहना था कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, लेकिन इसके कारण आम लोगों की आवाजाही और सार्वजनिक सुविधाओं तक उनकी पहुंच बाधित नहीं होनी चाहिए।

रोकना और नियंत्रित करना दो अलग-अलग बातें

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा था कि अधिकारी गैर-कानूनी जमावड़े को रोकने के लिए ट्रेन संचालन को नियंत्रित कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए पूरे परिवहन सिस्टम को ठप नहीं किया जा सकता। बेंच ने कहा, 'किसी चीज को रोकना और उसे नियंत्रित करना दो अलग-अलग बातें हैं। किसी चीज को नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन हर चीज पर रोक लगा देना बिल्कुल अलग बात है... आप सब कुछ नहीं रोक सकते।'

124 पूर्व आईएएस-आईपीएस...

शामिल होने की कोशिश के दौरान कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया। इनमें चार पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल थे।

चुनाव आयोग के समर्थन में क्यों आए पूर्व अधिकारी?

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पूर्व अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने अपने करियर के दौरान चुनाव कराने, मतदाता सूची तैयार करने और चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करने जैसे महत्वपूर्ण काम किए हैं। उन्होंने ईवीएम को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था का भी जिक्र किया। समूह ने पत्र में स्पष्ट किया कि उनका किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं है। चुनावों में धांधली के आरोप बिना ठोस प्रमाण के लगाए जाने और उन्हें लगातार दोहराए जाने से लोकतंत्र में नागरिकों का भरोसा प्रभावित होता है। पत्र में लिखा गया, 'हम किसी पार्टी से नहीं जुड़े हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार नहीं...

समाप्त कराने में मदद की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। उनके मुताबिक, हर युद्ध को रुकवाने के लिए एक पुरस्कार मिलना चाहिए था। उन्होंने पुरस्कार नहीं दिए जाने को अमेरिका के लिए ऐसा दाग बताया, जिसे मिटाना मुश्किल होगा।

ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की साख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों ने पुरस्कार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका इस बात को नहीं भूलेगा कि उसे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया गया।

नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर विवाद

नोबेल शांति पुरस्कार को उन व्यक्तियों और संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय शांति, सहयोग और संघर्षों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। पुरस्कार के चयन का निर्णय नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। ट्रंप ने पुरस्कार नहीं मिलने पर असंतोष जताते हुए इसे अमेरिका के लिए अपमानजनक बताया है।

मणिपुर में दंगाइयों का कोहराम...

ऑन ट्राइबल यूनिटी' ने कांगपोकपी ज़िले में शनिवार शाम 6 बजे से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया। यह हिंसा शुक्रवार रात तब भड़की जब चसाड पुलिस स्टेशन के पास गोलीबारी में 42 वर्षीय कुकी महिला और पांच बच्चों की मां, डोमखोनी टौथांग की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार सिविल पुलिस, इंडिया रिज़र्व बटालियन और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के सुरक्षाकर्मियों ने पुलिस स्टेशन के पास कथित अवैध बंकरों के निर्माण की खबरों के बाद उन्हें हटाने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया था।

इस दौरान जब अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाई और सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, तो कथित तौर पर स्थानीय महिलाओं ने इस ऑपरेशन में बाधा डालने की कोशिश की. पुलिस ने बताया कि टौथांग की गर्दन के पास बाईं ओर छाती के ऊपरी हिस्से में गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की...

बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

5 दिसंबर को होगा भारतीय ओलंपिक संघ का चुनाव

नई दिल्ली/ए.। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अपने नए कार्यकारी परिषद के चुनाव की तारीख घोषित कर दी है। चुनाव पांच दिसंबर 2026 को होंगे। मौजूदा कार्यकारी परिषद का कार्यकाल समाप्त होने से पांच दिन पहले नए पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आईओए ने चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए दिल्ली और चंडीगढ़ के पूर्व चुनाव आयुक्त संजय कुमार श्रीवास्तव को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। आईओए ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि चुनाव राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025, राष्ट्रीय खेल शासन नियम, 2026, आईओए के संशोधित संविधान और संबंधित चुनाव नियमों के अनुसार कराए जाएंगे। इस प्रक्रिया में एथलीट आयोग, विशिष्ट उपलब्धियों वाले खिलाड़ियों की श्रेणी और आईओए की कार्यकारी परिषद के चुनाव शामिल होंगे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने 2026 के चुनावों को संगठन में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक आंदोलन का उद्देश्य मजबूत, विश्वसनीय और खिलाड़ियों को केंद्र में रखने वाली संस्थाओं का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया ओलंपिक चार्टर और देश के राष्ट्रीय खेल शासन ढांचे के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी के रूप में अनुभवी पूर्व चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को स्वतंत्र, पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

तरंग शक्ति-2026 अभ्यास: जोधपुर एयरबेस पर गरजे लड़ाकू विमान

राजनाथ सिंह ने देखा भारतीय वायुसेना का दम

आठ देशों की वायुसेनाओं का साझा अभ्यास

जोधपुर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को राजस्थान के जोधपुर स्थित वायुसेना स्टेशन पहुंचे और बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' के मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। एयरबेस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने अभ्यास में हिस्सा ले रहे मित्र देशों की वायुसेनाओं के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। अभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'सारंग' हेलीकॉप्टर एरोबैटिक टीम ने हवाई करतब दिखाए। टीम के पायलटों ने सटीक उड़ान और जटिल फॉर्मेशन के जरिए अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान लड़ाकू विमानों की गर्जना और हेलीकॉप्टरों के करतबों ने कार्यक्रम को खास बना दिया। रक्षा मंत्री ने सारंग टीम के प्रदर्शन की सराहना की। इस प्रदर्शन के जरिए भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता और हवाई कौशल का प्रदर्शन किया गया।

रणनीतिक समन्वय और रक्षा सहयोग पर जोर

'तरंग शक्ति-2026' का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना, संयुक्त अभियान की क्षमता विकसित करना और आधुनिक हवाई युद्ध रणनीतियों का आदान-प्रदान करना है। अभ्यास के दौरान जटिल सामरिक परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है।

जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसके अलावा 32 से अधिक देशों के वरिष्ठ सैन्य प्रतिनिधि पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए हैं। इस अभ्यास के दौरान विभिन्न देशों की वायुसेनाएं अपनी हवाई मारक क्षमता, युद्ध कौशल और सामरिक समन्वय का प्रदर्शन कर रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग और वैश्विक सैन्य समन्वय को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

एलन मस्क पर राहुल गांधी की टिप्पणी से भड़के सीएम धामी

एलन मस्क के मुद्दे पर राहुल गांधी को घेरा

देहरादून/ए.। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एलन मस्क के संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार देश के उद्योग समूहों और कारोबारियों पर टिप्पणी कर उन्हें हतोत्साहित करने का काम करते हैं। धामी ने विदेशी कंपनियों के साथ कथित मिलीभगत का प्रश्न उठाते हुए कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और भारत में कारोबार करने वाली कंपनियों को यहां के लाइसेंस, प्रक्रियाओं और सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। इसके साथ ही उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर भी विपक्ष से सवाल उठाए। सीएम धामी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेशी कंपनियों और विदेशी लोगों के साथ कथित साठगांठ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहुल गांधी की एलन मस्क के संबंध में की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस मामले में अब कुछ छिपा नहीं है। उन्होंने अपनी बात रखने के लिए संस्कृत के कथन 'प्रत्यक्षं किम् प्रमाणं' का उल्लेख किया, जिसका आशय प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने वाली बात के प्रमाण से जुड़ा है।

भारत में किसी भी विदेशी कंपनी को कारोबार करने के लिए संबंधित लाइसेंस हासिल करने और निर्धारित प्रक्रियाएं पूरी करने की जरूरत होती है।

ड्रोन हमले की चपेट में आया तेल टैंकर जहाज पर सवार सभी 22 भारतीय सुरक्षित

नई दिल्ली। 9 अक्टूबर को शारजाह एंकरेज पर पनामा झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर ख्र तक्षक्ष ह्ह. 2 पर ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर 22 भारतीय नागरिक क्रू सदस्य सवार थे। केंद्रीय शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पुष्टि की कि सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। भारत स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और नाविकों की सुरक्षा के लिए जहाज प्रबंधन कंपनी के संपर्क में है। यह घटना क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री परिवहन की चुनौतियों को उजागर करती है।

सोनोवाल ने X पर शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है. सोनोवाल ने 9 अक्टूबर को हुए हमले में सभी 22 भारतीयों के सुरक्षित होने की जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जहाज प्रबंधन कंपनी के संपर्क में है। पनामा के झंडे वाला यह कच्चे तेल का टैंकर शारजाह एंकरेज पर मौजूद था, यहां इसे ड्रोन हमले का सामना करना पड़ा. फिलहाल सभी भारतीय क्रू सदस्यों के सुरक्षित होने की पुष्टि की गई है। सोनोवाल ने कहा, 'मुझे यह बताते हुए राहत मिल रही है कि जहाज पर सवार हमारे सभी 22 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं।' उन्होंने कहा कि भारत लगातार स्थिति पर निगरानी रख रहा है.

अमेरिका में तूफान इसायस का कहर, 7 लाख घरों की बिजली गुल

नई दिल्ली/ए.। अमेरिका के फ्लोरिडा पैनहैंडल और अलबामा में तूफान इसायस ने भारी तबाही मचाई है। तूफान के चलते 7.26 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित हो गई, जबकि कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं। तूफान के आगे बढ़ने के साथ ही अधिकारियों ने फ्लोरिडा, जॉर्जिया और कैरोलाइना के कुछ हिस्सों में बवंडर आने की भी आशंका भी जताई है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन और उसका नेशनल हरिकेन सेंटर पोस्ट-ट्रॉपिकल इसायस पर लगातार नजर रख रहे हैं। इसायस शुक्रवार रात को फ्लोरिडा के डेस्टिन के पास अटलांटिक तूफान सत्र के पहले हरिकेन के रूप में तट से टकराया। उस समय यह श्रेणी-2 का हरिकेन था। इसके बाद यह तेजी से उत्तर की ओर बढ़ा और अलबामा पहुंचने तक इसकी हवाओं की गति में काफी कमी आ गई। तूफान के दौरान खाड़ी तट के निचले इलाकों में तेज हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित किया। फ्लोरिडा के डेस्टिन में सड़कें पानी में डूब गई। वहीं, पेंसाकोला में पुलिस ने सड़कों पर बिखरे मलबे को देखते हुए लोगों से घरों में रहने और बाहर नहीं निकलने की अपील की। फ्लोरिडा पैनहैंडल के कुछ काउंटी में शुक्रवार रात खराब मौसम और खतरनाक परिस्थितियों के कारण आपातकालीन सेवाओं को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि तूफान से हुए नुकसान का आकलन तत्काल नहीं किया जा सका।

भारत में 6जी नेटवर्क आने में देरी संभव, 2030 तक लॉन्च की उम्मीद

नई दिल्ली/ए.। भारत में 6G नेटवर्क को लेकर तैयारियां चल रही हैं, लेकिन इसका पूर्ण पैमाने पर रोलआउट तय समय से आगे बढ़ सकता है। सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) के महानिदेशक एसपी कोचर के मुताबिक, 6त्र तकनीक के 2030 के आसपास आने की उम्मीद है, लेकिन इसका देशभर में पूरा विस्तार होने में अधिक समय लग सकता है। इसकी एक बड़ी वजह मौजूदा 5त्र नेटवर्क से पर्याप्त कमाई कराने वाले खास एप्लिकेशन की कमी है। इसके अलावा, टेलीकॉम कंपनियों के बढ़ते खर्च और घटते मुनाफे ने भी अगली पीढ़ी के नेटवर्क में निवेश को लेकर सवाल खड़े किए हैं। कोचर ने सरकार से शुल्क और स्पेक्ट्रम की कीमतों में राहत देने की मांग भी की है। भारत में 6त्र नेटवर्क के पूर्ण रोलआउट में देरी हो सकती है। COAI के महानिदेशक एसपी कोचर ने नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (ढ्ढरूष्) 2026 के दौरान कहा कि 6त्र तकनीक के 2030 के आसपास आने की उम्मीद है, लेकिन इसका पूर्ण रोलआउट कुछ समय आगे बढ़ सकता है। कोचर ने कहा कि यह 2030 तक लॉन्च होने का अनुमान है। इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि 2030 के आसपास तकनीक से जुड़ी शुरुआत हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसी समय तक पूरे नेटवर्क का विस्तार हो जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)

आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. **36184** रायपुर, दिनांक **09.10.2026**

वार्ड का नाम - **59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **59** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR653I00070** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **VIJAY PANDEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **BRIJ BIHARI PANDEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NITYANANAD PANDEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)

आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. **36183** रायपुर, दिनांक **09.10.2026**

वार्ड का नाम - **59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **59** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR653I0070A** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **VIJAY PANDEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **BRIJ BIHARI PANDEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RAJENDRA KUMAR PANDEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

Phone/Fax No. 07700-251887
E-mail-cmonagri84@gmail.com

क्र./919/न.पं./ राजस्व / 2026-27
नगरी, दिनांक 08/10/2026

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्री जोगेन्द्र सिंह पिता थानूराम नेताम निवासी ग्राम शोभा तह. मैनपुर जिला-गरियाबंद (छ.ग.) द्वारा नगर पंचायत नगरी क्षेत्रांतर्गत शहीद धर्मेन्द्र सिंह साव वार्ड क्र. 09 नगरी प.ह.नं. 23 परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 15001 रकबा 0.04 हेक्टे. पर काबिजदार हेमंत, देवचरण पिता रामदयाल के नाम स्थित दुकान भवन को रजिस्ट्री पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त दुकान भवन का निकाय के कर संग्रहण पंजी वार्ड कं. 09 की मांग संख्या 84 पर हेमंत, देवचरण पिता रामदयाल का नाम दर्ज है। जिसे रजिस्ट्री पत्र के माध्यम से क्रय कर क्रेता/आवेदक द्वारा विक्रेता का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत आवेदन के बाबत् यदि उक्त काबिज मलमा पर किसी भी व्यक्ति / संस्था का हितबद्ध हो, तो संबंधित पक्षकार अपना दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 09/11/2026 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 08/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

मुहर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्रं. 202610100700012 /अ-06/वर्ष 2026-27

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक/वसीयत प्राप्तकर्ता अशोक कुमार विश्वकर्मा पिता स्व. बलीराम विश्वकर्मा निवासी 21, हनुमान नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कातुलबोड़ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 47/98 रकबा 0.0140 हे./ 1500 वर्गफीट भूमि जो कि वसीयतकर्ता रामनारायण विश्वकर्मा पिता गयादीन विश्वकर्मा निवासी हनुमान नगर दुर्ग के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार/वसीयतकर्ता रामनारायण विश्वकर्मा पिता गयादीन विश्वकर्मा के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 07.04.2011 को पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। उक्त आवेदित भूमि के खातेदार वसीयतकर्ता की मृत्यु दिनांक 29.04.2013 को हो जाने पर पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 19.10.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 06.10.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

एशियन पेंट्स ने बेफिक्र उत्सव का दिया संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। विवाह या त्योहार का अवसर अक्सर घर को नया रूप देने और परिवार एवं मित्रों के स्वागत के लिए उसे तैयार करने का समय होता है। लेकिन घर को तैयार करने के साथ रंगों का चयन, समय-सीमा और रंग-रोगन की पूरी प्रक्रिया संभालना अन्य तैयारियों के बीच एक चुनौती बन सकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एशियन पेंट्स ने अपनी ब्यूटीफुल होम्स पेंटिंग सर्विसेज के माध्यम से एक नया अभियान शुरू किया है, जिसमें घर को सहज और बिना किसी परेशानी के नया रूप देने के अनुभव को दर्शाया गया है। घर में विवाह की तैयारियों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह अभियान परिवार के साथ बिताए जाने वाले पलों और किसी विशेष अवसर के लिए घर को तैयार करने के उत्साह को दर्शाता है। इन फिल्मों में दिखाया गया है कि घर के मालिक अलग-अलग सजावटी विकल्पों को देख सकते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रंग दृश्यांकन सुविधा के माध्यम से रंगों और दीवार पर लगाए जाने वाले कागजी आवरणों को पहले ही देखकर समझ सकते हैं तथा पूरी कार्य प्रक्रिया को समय पर पूरा कराने के लिए विशेषज्ञों पर भरोसा कर सकते हैं। एक फिल्म में सब्यसाची द्वारा तैयार किए गए दीवार सज्जा कागजी आवरणों को दर्शाया गया है और बताया गया है कि अलग-अलग संयोजन किस प्रकार परिवार की व्यक्तिगत पसंद और शैली को प्रतिबिंबित करते हैं। वहीं दूसरी फिल्म में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रंग दृश्यांकन सुविधा को प्रमुखता दी गई है, जिसकी सहायता से घर के मालिक काम शुरू होने से पहले यह देख सकते हैं कि उनके चुने हुए रंग या दीवार सज्जा कागजी आवरण उनके घर में किस प्रकार दिखाई देंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 3199/न.पा.नि. / 2026 — रायगढ़ दिनाँक 09.10.28

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
01	201392	GARDEN DEVELOPMENT WORK NEAR W.N. 27 FOREST OFFICE.	71.03	02.11.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

e-Procurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित सिस्टम निविदा क्रमांक 199529, निविदा सूचना क्रमांक 02/व.ले.लि./2026-27, दि. 18.09.2026, कार्य का नाम - राजीव समोदा निसदा व्यपवर्तन योजना (द्वितीय चरण) के मुख्य नहर के कि.मी. 49.99 से कि.मी. 61.30 तक शेष मिट्टी कार्य एवं 14 नग पक्के कार्यो के शेष कार्य एवं 01 नग ड्रेनेज साइफन तथा 7 नग प्रत्यक्ष जलद्वार का निर्माण कार्य, जिसका जी नंबर 262703402/3 दिनांक 21/09/2026 है, को तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. द्वितीय चरण कार्य संभाग, रायपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी-262703868/5

सरकारी तेल कंपनियों को अब रोजाना डॉलर की पूरी जरूरत के लिए मिलेगी खास सुविधा

नई दिल्ली/ए.। अंतर्राष्ट्रीय बाजार से कच्चा तेल खरीदने के लिए डॉलर की जरूरत पूरी करने में सरकारी तेल कंपनियों को अब भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष मदद मिलेगी। आरबीआई ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की रोजाना की डॉलर से जुड़ी जरूरत पूरी करने के लिए एक विशेष विदेशी मुद्रा विंडो खोलने का फैसला किया है। यह सुविधा 12 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी और अगले आदेश तक जारी रहेगी। आरबीआई का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब केंद्रीय बैंक ने मौजूदा मुद्रा और वित्तीय बाजार की स्थितियों की समीक्षा के बाद इस व्यवस्था की जरूरत महसूस की है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कोरबा, वनमण्डल - कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

Kosabadi Rajgamar Road, Korba, Email:- dfo_korba@yahoo.co.in, phone-7587012300

क्रमांक/राजस्व/ 6678 — कोरबा, दिनांक 06/10/2026

//नीलाम सूचना//

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोरबा वनमंडल के अंतर्गत जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा में रखी गई निम्न विवरण अनुसार वनोपज जलाऊ लकड़ी का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा वन परिक्षेत्र कार्यालय, कुदमुरा उत्पादन से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी
नीलाम दिनांक - 15.10.2026
नीलाम प्रारंभ - प्रातः 09:00 बजे से

वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपो का नाम	प्रजाति	पुराना वनोपज	नया वनोपज	योग
जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	4072 चट्टा	131 चट्टा	4203 चट्टा
	सागौन जलाऊ	61 चट्टा	01 चट्टा	62 चट्टा
	योग -	**4133 चट्टा**	**132 चट्टा**	**4265 चट्टा**
उपभोक्ता डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	50 चट्टा	-	50 चट्टा
नगरीय डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	36 चट्टा	-	36 चट्टा
निस्तार डिपो नोनबिर्रा	सतकठा जलाऊ	105 चट्टा	-	105 चट्टा
	कुल योग-	**4324 चट्टा**	**132 चट्टा**	**4456 चट्टा**

टीप :-

01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है।
04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

जी-262703879/3

वनमण्डलाधिकारी
कोरबा वनमण्डल, कोरबा

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया — Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India Undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018

परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]

अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रूप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी ने **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** लिया है, **"जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है"** के आधार पर दिनांक **28/10/2026** समय (**प्रातः 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक**) पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रू.)	आरक्षित मूल्य / अमानत राशि / बोली वृद्धि राशि
01	ऋणी- बाबा महंत दास मिताली दास पति बाबा महंत दास शाखाः घड़ी चौक, सुपेला (छ.ग.)	प्लॉट नं. ईडब्ल्यूएस- 115ए, वार्ड नं. 7, फरीद नगर, छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, कोहका, भिलाई (छ.ग.)	₹ 12,88,844.34 + 22.09.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 14.00 लाख / ₹ 1.40 लाख / ₹ 0.15 लाख
02	श्री दीपक कुमार पुत्र जनार्दन प्रसाद श्रीमती मीना पत्नी दीपक कुमार शाखा- भिलाई सुपेला	ख.नं. 303/15, 303/2, 303/10, ब्लॉक-ई, साई विलास एवं अपार्टमेंट, टाईप-1, तृतीय तल, मौजा- जांजगिरी, वार्ड नं. 24, प.ह.नं. 44/49, आरएनएम- अहिरवारा, तहसील- धमधा, जिला- दुर्ग छ.ग., क्षेत्रफल- 0.720 हेक्टेयर, निर्मित क्षेत्रफल- 350.02 वर्गफीट में स्थित फ्लैट नं. 305.	₹ 17.77 लाख + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 9.00 लाख / ₹ 0.90 लाख / ₹ 0.10 लाख
03	श्री डी शिव कुमार पुत्र लिंगामुर्ति श्रीमती मधुरिमा पत्नी डी शिव कुमार शाखा- भिलाई सुपेला	ख.नं. 252, खमरिया, भिलाई, जिला- दुर्ग छ.ग. निर्मित क्षेत्रफल- 590 वर्गफीट में स्थित छः मंजिला फ्लैट नं. एलआईजी- I/603.	₹ 9.99 लाख + 30.07.2022 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 8.00 लाख / ₹ 0.00 लाख / ₹ 0.10 लाख
04	श्री ब्रज भूषण पैंकरा, श्रीमती सुनीता पैंकरा, शाखा- प्रियदर्शिनी नगर	मौजा- पिरदा, प.ह.नं. 76, आरआईसी रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 398.77 वर्गफीट में स्थित आवासीय फ्लैट नं. 9/8 का ईडब्ल्यूएस।	₹ 4,51,556.82 + 21.06.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 5.50 लाख / ₹ 0.55 लाख / ₹ 0.06 लाख
05	श्रीमती सुनीता पैंकरा, श्री ब्रज भूषण पैंकरा, शाखा- प्रियदर्शिनी नगर	मौजा- पिरदा, प.ह.नं. 76, आरआईसी रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 398.77 वर्गफीट में स्थित आवासीय फ्लैट नं. 10/6 का ईडब्ल्यूएस।	₹ 4,52,139.09 + 21.06.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 5.50 लाख / ₹ 0.55 लाख / ₹ 0.06 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समयः 28/10/2026, दोपहर 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें **ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in** के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: **क्र. 01, 02 व 03 के लिए: श्री प्रदीप बारिक/मोब. 7077103753, क्र. 04 व 05: श्री गौरव मिश्रा/मोब. 7800002186,**

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांकः 10.10.2026, — प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

सात पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराई महानदी गंगा आरती

सेवा संकल्प अभियान के तहत त्रिवेणी संगम में भव्य गंगा आरती एवं सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन

गरियाबंद/राजिम/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को राजिम के पवित्र त्रिवेणी संगम स्थित महानदी तट पर भव्य महानदी गंगा आरती एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। नदी घाट स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश एक साथ देखने को मिला। शाम को महानदी तट पर सात पुरोहितों ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा आरती की। वहीं छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध युवा लोक कलाकार आरु साहू ने अपनी सांस्कृतिक टीम के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। उनके भक्तिमय छत्तीसगढ़ी लोकगीतों पर उपस्थित लोग झूमने लगे और पूरा घाट भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका राजिम के अध्यक्ष महेश यादव, नगर पंचायत कोपरा के अध्यक्ष रूपनारायण साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव, सभापति शिवांगी चतुर्वेदी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्वेता शर्मा, वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चंद्राकर एवं आशीष शर्मा उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर रणबीर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर ऋषा ठाकुर, जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता एस.के. बर्मन, एसडीएम विशाल महाराणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

आरु साहू के छत्तीसगढ़ी लोकगीतों पर झूमे दर्शक: गंगा आरती के बाद आयोजित सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ की युवा लोक कलाकार आरु साहू ने अपनी टीम के साथ आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उनके भक्तिमय छत्तीसगढ़ी लोकगीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक संस्कृति और भक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के दौरान उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, लोक संगीत और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया गया। महानदी तट पर धार्मिक आयोजन और लोक संस्कृति का यह संगम लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

वैदिक मंत्रोच्चार और दीपों की आभा से भक्तिमय हुआ महानदी तट

कार्यक्रम के लिए महानदी तट एवं घाट क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। इसके बाद शाम को आयोजित गंगा आरती में सात पुरोहितों ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ आरती संपन्न कराई। वैदिक मंत्रोच्चार, धूप और आरती की भक्ति भावना से त्रिवेणी संगम का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया। महानदी के तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने आरती में सहभागिता कर धार्मिक आस्था प्रकट की। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से नदियों की स्वच्छता, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस पहल ने लोगों को नदियों एवं घाटों को स्वच्छ रखने और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

युवा अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों में लगाएं

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे युवाओं को विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को युवा उड़ान का आयोजन जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार मे किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन, साइबर सिक्योरिटी के सम्बन्ध मे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि युवा पीढ़ी आने वाले भारत के भविष्य है ,विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों मे लगानी होगी। नकारात्मक माहौल बनाने वालों का कभी साथ न दें। देश के लिये क्या सही है उस दिशा मे आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जो सपने देखे हैं उसे पूरा करने के लिये पूरी ताकत लगा दें, माता-पिता और परिवार का विश्वास कभी न तोड़ें। उन्होंने कहा अपने परिश्रम से खेल के क्षेत्र मे संजू देवी और भुनेश्वरी यादव ने प्रदेश का नाम रोशन किया है।

न्यूज गैलरी

पीएम-आशा योजना के अंतर्गत जिले में नए उपार्जन केन्द्र प्रस्तावित

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में पीएम-आशा योजना अन्तर्गत अरहर, चना, मसूर और सरसों खरीदी हेतु जिले के 5 विकासखंडों में कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में 31 समितियों को खरीदी केन्द्र बनाए जाने हेतु प्रस्तावित है। किसानों की सुविधा के लिए जिले के सभी विकासखंडों की सहकारी समितियों का चयन किया गया है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान पीएम-आशा योजना के तहत जिले में अरहर, चना, मसूर और सरसों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों को स्थानीय स्तर पर विक्रय की सुविधा देने के लिए जिले के विभिन्न विकासखंडों के अंतर्गत 26 नए उपार्जन केंद्रों को खोलने का विस्तृत प्रस्ताव शासन को मंजूरी के लिए प्रेषित किया गया है। जिले में पूर्व से 5 उपार्जन केंद्र स्वीकृत हैं, जिन्हें मिलाकर अब जिले में दलहन-तिलहन खरीदी के लिए कुल केंद्रों की संख्या 31 हो जाएगी। पीएम-आशा योजना का विषय और मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान पी.एम.आशा केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के अन्नदाताओं की आय को सुरक्षित करना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। जानकारी के अनुसारइ विकासखंड पलारी में अमेरा, पलारी, वटगन, जर्वे, रोहांसी एवं देवसुन्द्रा समिति। विकासखंड कसडोल में कसडोल, बया, मुढ़ीपार, गोलाझर, नरधा एवं आमोदी समिति। विकासखंड सिमगा में सिमगा, विश्रामपुर, सुहेला, भटभेरा, डोंगरिया, दामाखेड़ा एवं जंगड़ा समिति। विकासखंड भाटापारा में धुर्राबांधा, देवरी, निपनिया एवं धनेली समिति। विकासखंड बलौदाबाजार में बलौदाबाजार, देवरी, लवन, अर्जुनी, अहिल्दा, सेमराडीह एवं डमरू समिति।

टोकन के माध्यम से किया जाएगा खाद विक्रय, बढ़ेगी पारदर्शिता

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्र ही किसानों को टोकन के माध्यम से उर्वरक विक्रय किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने देश भर में उर्वरकों के वितरण, बिक्री और मूल्य नियंत्रण को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल उर्वरक बिक्री रूपरेखा की घोषणा की है। इस नए फ्रेमवर्क का मुख्य उद्देश्य किसानों को सही समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी कालाबाजारी के गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना है। नए फ्रेमवर्क की मुख्य विशेषताएं- उर्वरक की बिक्री मुख्य रूप से श्पॉइंट ऑफ सेलश मशीनों के माध्यम से आधार या अन्य मान्यता प्राप्त पहचान पत्र के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही की जाएगी। समान और पारदर्शी वितरण-राज्यों और जिलों में उर्वरक की मांग और उपलब्धता की वास्तविक समय निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का उपयोग मजबूत किया जाएगा।

समाधान की ओर बढ़ता समाज महाअभियान के तहत निकली जागरुकता रैली

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। उच्चतम न्यायालय के तत्वावधान में संचालित सामुदायिक मध्यस्थता पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलौदाबाजार का चयन किया गया है। इस परियोजना के तहत जिले के चयनित 5 ग्रामों को सामुदायिक मध्यस्थता के माध्यम से विवादमुक्त ग्राम बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आज ग्राम मटिया में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलौदाबाजार द्वारा महाअभियान के अंतर्गत विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीत वार्नर एवं सचिव आलोक पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य यह था की न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सरल, सुलभ और सहज रूप में पहुंचे ।

गड़बड़ी: नवागढ़ रेंज के बीट क्रमांक 696 का मामला, गांव के नजदीक कटे फलदार वृक्ष

संरक्षित वन में हरे-भरे वृक्षों की कटाई, कार्रवाई क्यों नहीं

शिकायत के 5 दिन बाद दर्ज हुआ पीओआर

गरियाबंद/नवप्रदेश। वन मंडल गरियाबंद के अंतर्गत नवागढ़ वन परिक्षेत्र में संरक्षित वन क्षेत्र के हरे-भरे फलदार वृक्षों की अवैध कटाई की जानकारी और तस्वीरें सामने आई है। गांव-बस्ती से लगी वनभूमि पर पांच - छह से अधिक हरे-भरे फलदार वृक्षों को कुल्हाड़ी से काटे जाने के मामले में ग्रामीण रुपई बाई कुर्रे ने 6 अक्टूबर को वन परिक्षेत्र कार्यालय में नामजद लिखित शिकायत की थी। इसके बावजूद कार्रवाई में देरी हुई। अब जाकर वन विभाग ने मामले में पीओआर दर्ज किया है। हालांकि,शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई में पांच दिन का समय क्यों लगा और पीओआर में किन लोगों को जिम्मेदार माना गया है, यह सवाल महत्वपूर्ण बना हुआ है।

रेंजर ने कहा था कार्रवाई की जायेगी: 9 अक्टूबर को वन परिक्षेत्र अधिकारी बी.आर.सोरी से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने प्रशिक्षण में होने की जानकारी देते हुये बताया था कि मामला उनके संज्ञान में है और कार्रवाई की जायेगी। इसके बाद आज 10 अक्टूबर को संबंधित बीटगार्ड से मिली जानकारी के अनुसार, मामले में कार्रवाई की जा रही है। काटे गये वृक्षों की बाड़बंदी किये जाने की जानकारी भी सामने आई है। वन विभाग ने अब इस मामले में पीओआर दर्ज कर लिया है।

अब पीओआर में नाम और कार्रवाई का विवरण अहमः इस मामले में पीओआर दर्ज होने के बाद महत्वपूर्ण यह होगा कि वन विभाग ने किन व्यक्तियों की भूमिका को चिह्नित किया है, और आगे क्या वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जबकि शिकायत पत्र में चार लोगों के नाम उल्लेखित है।

साथ ही, 6 अक्टूबर को लिखित शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई में हुई देरी के कारणों की भी स्पष्टता जरूरी है। संरक्षित वन क्षेत्र में हरे-भरे वृक्षों की कटाई केवल स्थानीय विवाद का विषय नहीं, बल्कि वन संरक्षण और विभागीय जवाबदेही से जुड़ा मामला है। ऐसे में पीओआर दर्ज करने के बाद की कार्रवाई कितनी प्रभावी रहती है, इस पर भी सवालिया निशान हैं।

गांव के नजदीक कटे हरे-भरे वृक्ष

मामला नवागढ़ वन परिक्षेत्र के बीट क्रमांक 696 का है। संबंधित स्थल गांव के बिल्कुल नजदीक है। यहां शासकीय हाई स्कूल के लिये अतिरिक्त कक्ष का निर्माण हुआ है, जबकि पास में ही धान उपार्जन केंद्र भी स्थित है। इस कारण क्षेत्र में दिनभर ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद संरक्षित वन क्षेत्र में लगे फलदार वृक्षों की कटाई हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही कुछ रसूखदार लोगों ने पांच - छह से अधिक हरे-भरे वृक्ष कटवा दिये। घटना की जानकारी मिलने के बाद भी वन अमले ने तत्काल कार्रवाई नहीं की।

मोबाइल पर सूचना, फिर भी कार्रवाई में देरी

ग्रामीणों के मुताबिक, घटना की जानकारी कुछ वन कर्मियों को मोबाइल फोन के माध्यम से भी दी गई थी। इसके बाद 6 अक्टूबर को ग्रामीण रुपई बाई कुर्रे ने नवागढ़ वन परिक्षेत्र कार्यालय में नामजद लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं होने से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि मामले को गांव में ही आपसी सलाह-मशविरे से निपटाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन शिकायतकर्ता इसके लिये तैयार नहीं हुआ। हालांकि, इस संबंध में किसी दबाव या समझौते की कोशिश की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पितृ स्मृति में शिक्षिका ने कराया नेवता भोज

परंपरा, सेवा और संस्कार का अनूठा संगम बना नेवता भोज कार्यक्रम

हथबंद/नप्रदेश। छत्तीसगढ़ की परंपरा में दान, सेवा और सामाजिक सहभागिता का विशेष महत्व है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला हथबंद में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती सावित्री वर्मा ने अपने पति स्वर्गीय श्री खेमनारायण वर्मा की स्मृति में पितृ पक्ष के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए नेवता भोज का आयोजन किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को मुख्य भोजन के साथ बड़ा, पूड़ी, फल एवं बालूशाही जैसे स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। स्वादिष्ट भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और विद्यालय का वातावरण खुशियों से भर गया। यह आयोजन केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश भी मिला। विद्यार्थियों के बीच अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में सेवा कार्य करने की यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण है।

शिक्षा के साथ संस्कारों के संवर्धन में भी अग्रणी हैं सावित्री वर्मा

श्रीमती सावित्री वर्मा अपने विद्यालयीन दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, तन्मयता, तत्परता और लगन के साथ करती हैं। वे शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं मानतीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, संस्कार और सामाजिक चेतना को भी शिक्षा का अभिन्न अंग मानती हैं। विद्यालय में बच्चों के साथ उनका आत्मीय व्यवहार और विद्यार्थियों के हित में किए जाने वाले कार्य उनकी कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाते हैं। नेवता भोज के माध्यम से उन्होंने यह संदेश दिया कि बच्चों के साथ खुशियां बांटने और उन्हें अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने के लिए छोटी-सी पहल भी बड़ा सामाजिक संदेश दे सकती है।

छिपली में दो दिवसीय तहसील स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

नगरी/नवप्रदेश। तहसील नगरी के ग्राम छिपली में सीएफसी समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय तहसील स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। अमर शहीद विश्वनाथ सिंह बिसेन कप के नाम से आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 9 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 9 बजे से ग्रीन पार्क स्टेडियम, छिपली में होगा। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य नगरी प्रमोद कुंजाम विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य बोरसी एवं जनपद पंचायत नगरी के उपाध्यक्ष हृदय लाल साहू कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत छिपली की सरपंच लिकेश्वरी ग्राम छिपली के कुश बिसेन, उपसरपंच घनश्याम साहू, विनोद साहू, डोमार सिंह नवरंग, गुलाब देवांगन, तोमन साहू, ओमप्रकाश देव, टिकेश कुमार साहू, भुवन लाल साहू, आशीष नवरंग, कल्पनाथ नवरंग, त्रिभुवन बिसेन, रवि ध्रुव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं खेलप्रेमी शामिल होंगे।

जतमई धाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने श्रमदान

विधायक रोहित साहू ने लगाया रुद्राक्ष तो कलेक्टर रणबीर शर्मा ने रोपा वटवृक्ष

गरियाबंद/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत शनिवार को जतमई माता मंदिर परिसर में वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। गरियाबंद वनमंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर और वनमंडलाधिकारी मयंक पांडे सहित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सहभागिता निभाई।

अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हाथों में झाड़ू लेकर मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों की सफाई की।

सभी ने कचरा एकत्र कर धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक रोहित साहू ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया, जबकि कलेक्टर रणबीर शर्मा ने वटवृक्ष का पौधा रोपण किया। अन्य अतिथियों ने भी पौधरोपण कर हरित वातावरण विकसित करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया। पौधरोपण के बाद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने हाथों में झाड़ू लेकर मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई की। इस दौरान कचरे को एकत्र किया गया और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण, जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने जतमई माता मंदिर में दर्शन कर जिले की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीरा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे।

विकसित भारत के सपने को साकार करने में जनभागीदारी जरूरी: राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जनजागरूकता एवं जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जतमई धाम में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की है, लेकिन इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है।

गड़बड़ी: शिकायत के बाद भी अफसर नहीं दे रहे ध्यान, मिलीभगत का आरोप

बरसाटोला में कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग का खेल

दल्लीराजहरा/नवप्रदेश। नगर पंचायत चिखलाकसा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरसाटोला में स्थित खसरा नंबर 1356/1 से 1356/10 तक की लगभग 4.8320 हेक्टेयर कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर बिक्री करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि यह सब खेल अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है।

जानकारी के अनुसार उक्त कृषि भूमि पर हजारों की संख्या में कीमती इमारती लकड़ी के पेड़ लगे हुए थे, मगर अधिकारियों के प्रतिवेदन में गिनती के पेड़ दिखाकर रजिस्ट्री के परिवेदन में खानापूर्ति कर दी गई है। कागजों में पेड़ों की संख्या कम दिखाना और मौके पर हजारों पेड़ों का होना यह भी देखने वाला सबसे अहम मामला है।

वहीं दूसरी ओर यही छोटे किसान जब अपनी जमीन के लिए अधिकारियों के पास प्रतिवेदन बनवाने जाते हैं, तो उन्हें बहुत नियम-कानून बताकर इतना हरेस कर दिया जाता है कि वे अपनी जमीन बेच भी नहीं पाते। जबकि यही काम जमीन दलालों के साथ मिलीभगत करके अधिकारियों द्वारा जमीन की खरीदी-बिक्री करवाई जा रही है, सिर्फ अपना लाभ कमाने के लिए। यह भी बहुत गंभीर विषय है।

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर बालोद से मांग की है कि राजस्व अभिलेख, नक्शा, भूमि उपयोग, प्लाट विभाजन, अब तक हुई रजिस्ट्रियां और सबसे महत्वपूर्ण पेड़ों की कटाई व प्रतिवेदन की जांच तथा मौके का स्थल निरीक्षण कराया जाए। अब देखना होगा कि अधिकारियों की मिलीभगत और कीमती लकड़ियों के इस खेल पर प्रशासन क्या रुख अपनाता है, और छोटे किसानों को सताने वाले तथा दलालों को लाभ पहुंचाने वाले अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है, *अब देखना होगा अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं।

जांच के बाद होगी उचित कार्रवाई

बरसाटोला में कृषि भूमि पर कथित अवैध प्लाटिंग और पेड़ों से जुड़े मामले की जांच के बाद हमारे द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

आशीष कुमार,
एसडीएम दल्ली राजहरा

कार से 64 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद वाहन छोड़कर चालक फरार, अपराध दर्ज

गरियाबंद/नवप्रदेश। ऑपरेशन निश्चय अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर एवं अति. पुलिस अधीक्षक कर्ण कुमार उके के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं , जिस पर चौकी बिन्द्रानवागढ़ पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 09.10.2026 को मुखबिर के जरिए सूचना प्राप्त हुई कि नेशनल हाईवे 130-सी, मुरुधुनी नाला बिन्द्रानवागढ़ के समीप एक भूरे रंग की अर्टिगा कार (क्रमांक यूपी 24 बीटी 5466) लावारिस एवं क्षतिग्रस्त हालत में संदिग्ध अवस्था में खड़ी है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुणेश्वरी नेरटी के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि वाहन का दरवाजा खुला था एवं चालक मौके से फरार था। विधिवत तलाशी लेने पर वाहन के भीतर से दो सफेद रंग की प्लास्टिक बोरियों में भूरे रंग के सेलो टेप से लिपटे कुल 15 पैकेट संदिग्ध मादक पदार्थ गांजा बरामद किए गए। तौल कराने पर कुल 63.900 किलोग्राम अवैध गांजा पाया गया। पुलिस टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट के समस्त वैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए मौके से गांजा, वाहन एवं वाहन दस्तावेज जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। अज्ञात फरार चालक के विरुद्ध थाना मैनपुर में धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वाहन के पंजीयन विवरण के आधार पर वाहन स्वामी व फरार चालक की सघन पतासाजी की जा रही है।

दुर्ग का चंडी मंदिर 250 वर्ष पुराना 2700 आस्था ज्योत होंगी प्रज्वलित

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर का चंडी मंदिर ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों में से एक है। मान्यता है कि यह मंदिर राजाओं के जमाने का है और लगभग 200 से 250 वर्ष पुराना है। मंदिर को स्वयंभू माना जाता है, जिससे श्रद्धालुओं की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। यहां धार्मिक अवसर पर तेल की 2700 आस्था ज्योत प्रज्वलित की जाएंगी।

श्री गुजराती समाज का सर्वकल्याण नवरात्रि महोत्सव आज से

■ **मंदिर प्रांगण रोशनी और फूलों से सजा, 850 अखंड मनोकामना ज्योत प्रज्वलित**

भिलाई नगर/नवप्रदेश। श्री गुजराती समाज, भिलाई द्वारा मां वैष्णवी देवी के पावन पर्व पर सड़क-3, सेक्टर-4 स्थित मंदिर परिसर में भव्य 'सर्वकल्याण नवरात्रि महोत्सव' का आयोजन 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक भक्तिभाव और उत्साह के साथ किया जाएगा। महोत्सव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर परिसर और चाचर चौक को रंग-बिरंगी रोशनी तथा फूल-मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। वहीं, ज्योत कक्ष में घी एवं तेल की लगभग 850 अखंड मनोकामना ज्योत प्रज्वलित होंगी। महोत्सव को लेकर समाजजनों और क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। महोत्सव का शुभारंभ 11 अक्टूबर को होगा। इस दिन सुबह 9 से 11 बजे तक मूर्ति पूजन एवं घट स्थापना, सुबह 11:30 बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। श्रद्धालु माता रानी के दर्शन-पूजन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करेंगे। 18 को महाअष्टमी पूजन के अवसर पर सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक देव पूजन एवं देवी पूजन, दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक हवन का प्रथम चरण, शाम 4:30 से 5 बजे तक पूर्णाहुति, शाम 5 से 6 बजे तक कन्या पूजन, महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। 20 अक्टूबर को सुबह 8 बजे ज्योति विसर्जन के साथ महोत्सव के धार्मिक कार्यक्रमों का समापन होगा। श्री गुजराती समाज, भिलाई ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मां वैष्णवी देवी के दर्शन-पूजन करने, अखंड ज्योत के दर्शन करने तथा महोत्सव में सहभागी बनकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

न्यूज गैलरी

मछुवा संघ के सहयोग से व्यापक साफ-सफाई, जलस्रोतों के संरक्षण पर जोर

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के तालाबों को स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के लिए लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मछुवा संघ के सहयोग से तालाबों में जमी जलकुंभी एवं अन्य जलकचरे को हटाया जा रहा है। निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देशानुसार विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर आवश्यकता के अनुसार सफाई कार्य कराया जा रहा है। मछुवा संघ के सदस्य जलकुंभी को निकालकर तालाब किनारे एकत्रित कर रहे हैं, जिसके बाद उसे हटाया जा रहा है। इससे तालाब का जल क्षेत्र खुला रहने के साथ जल की गुणवत्ता और प्राकृतिक स्वरूप में भी सुधार होगा। निगम का उद्देश्य तालाबों की सतही सफाई के साथ जलस्रोतों को लंबे समय तक स्वच्छ एवं उपयोगी बनाए रखना है। तालाबों में पूजा सामग्री, प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नहीं डालने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि तालाबों की सफाई नियमित रूप से जारी रहेगी तथा जलकुंभी की रोकथाम के साथ आसपास के क्षेत्रों की भी सफाई की जाएगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि जलस्रोतों में कचरा, प्लास्टिक एवं पूजन सामग्री न डालें और स्वच्छ तालाब, सुंदर भिलाई एवं सुरक्षित पर्यावरण के संकल्प में सहयोग करें।

सेल एम्पलाइज टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के लिए बीएसपी टीम की चयन स्पर्धा 12 को

भिलाई/नवप्रदेश। सेल एम्पलाईज टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप 2026-27 में भाग लेने वाली भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम के चयन के लिए क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 12 अक्टूबर को बीएसपी स्टील क्लब, सेक्टर-8, भिलाई में चयन स्पर्धा आयोजित की जाएगी। स्पर्धा शाम 6 बजे से शुरू होगी। इस्को इस्पात संयंत्र, बर्नपुर द्वारा 29 से 31 अक्टूबर तक बर्नपुर में आयोजित होने वाली चैम्पियनशिप के लिए बीएसपी टीम का चयन इसी स्पर्धा के माध्यम से किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के नियमित पुरुष एवं महिला कार्मिक, जो चयन स्पर्धा में शामिल होना चाहते हैं, वे 12 अक्टूबर को शाम 6 बजे तक बीएसपी स्टील क्लब में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। चयन स्पर्धा के प्रभारी उप प्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) अभिजीत भौमिक रहेंगे।

कुम्हारी में सेवा सेतु शिविर, 44 आवेदनों का मौके पर निराकरण

कुम्हारी/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद कुम्हारी में वृहद 'सेवा सेतु शिविर' आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर की उपस्थिति में आयोजित शिविर में 16 विभागों के स्टॉल लगाए गए। नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, राशन कार्ड, पेंशन, नल-जल, आधार, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी और सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए और सभी 44 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर सहित सभी वार्डों के पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं और आवेदनों के निराकरण की जानकारी ली। कृषि, स्वास्थ्य, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण और वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भी नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी।

ब्रह्माकुमारीज की चैतन्य नौ देवियों की सुसज्जित झांकी, 15 से प्रर्दशिनी

भिलाई/नवप्रदेश। शरदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से सेक्टर-7 स्थित अंतर्दिशा भवन परिसर में 15 अक्टूबर से नौ देवियों की भव्य चैतन्य झांकी सजाई जाएगी। 140 से अधिक देशों में सेवाएं दे रही संस्था की 90 वर्ष की सेवा यात्रा के तहत आयोजित इस झांकी में पहाड़ों, गुफाओं और धरती के गर्भ से प्रकट होती नौ चैतन्य देवियों को लाइट एंड साउंड से सुसज्जित रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। श्रद्धालु प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से रात 10 बजे तक झांकी के दर्शन कर सकेंगे। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने बताया कि शक्तियों की स्थापना और पूजन से वातावरण सकारात्मक एवं शक्तिशाली बनता है। श्रद्धालु शिव शक्तियों का आह्वान कर जीवन से बुराइयों, व्यर्थ विचारों और व्यसनों को समाप्त करने का संकल्प लें, तो सकारात्मक वातावरण में सहज परिवर्तन संभव है। ब्रह्माकुमारीज भिलाई द्वारा इस चैतन्य देवी झांकी का प्रदर्शन प्रयागराज महाकुंभ, उज्जैन सिंहस्थ कुंभ और कोटा में भी किया जा चुका है। इन आयोजनों में देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने झांकी के दर्शन कर इसकी सराहना की थी।

राजस्व वसूली में लापरवाही पर महापौर-आयुक्त सख्त

■ **कमजोर प्रदर्शन पर कर्मचारियों को वसूली कार्य से हटाने के निर्देश, बड़े बकायादारों पर होगी कार्रवाई**

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम दुर्ग में राजस्व वसूली को गति देने और निगम की आय बढ़ाने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर और बाजार एवं राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चंद्राकर मौजूद रहे। महापौर ने राजस्व वसूली में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कमजोर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को वसूली कार्य से पृथक करने की कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में अप्रैल से सितंबर 2026 तक सभी वार्डों में सहायक राजस्व निरीक्षकों द्वारा की गई वसूली की समीक्षा की गई। इस दौरान जिन कर्मचारियों की वसूली कम पाई गई, उनके प्रदर्शन पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर को निर्देशित किया कि लगातार कमजोर प्रदर्शन करने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को वसूली कार्य से हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर एवं कमिश्नर ने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों और राजस्व उपनिरीक्षकों को नियमित रूप से फील्ड में रहकर करदाताओं से संपर्क करने तथा बड़े बकायादारों सहित अन्य करदाताओं से बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम के निर्धारित राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं।

महापौर ने निर्देश दिए कि जिन वार्डों में आवासीय भवनों का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, ऐसे भवनों को चिह्नित कर उनका पुनर्मूल्यांकन (री-असेसमेंट) किया जाए। नियमानुसार कर का निर्धारण कर आवश्यकतानुसार संपत्ति कर में संशोधन किया जाए, ताकि निगम को निर्धारित नियमों के अनुरूप राजस्व प्राप्त हो सके।

बैठक में बड़े बकायादारों द्वारा बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद कर जमा नहीं करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर बकाया कर जमा नहीं करने वालों के नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को बकाया राशि की वसूली के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा।

फर्जी चुनाव अधिकारी बनकर डीजीएम से 6.25 लाख की ठगी

दुर्ग/नवप्रदेश। मतदाता सूची में नाम सुधारने की प्रक्रिया के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को चुनाव आयोग का अधिकारी बताकर लायड्स कंपनी में डीजीएम के पद पर कार्यरत विकास गोपाल नारायण सहगल को निशाना बनाया।

आरोपी ने एसआईआर में उनके पिता का नाम गलत दर्ज होने की बात कहकर व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा और उसके जरिए फॉर्म भरने को कहा। शिकायत के मुताबिक, प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके बैंक खाते से 6 लाख 25 हजार निकल गए। पीड़ित के आवेदन पर भिलाई-3 थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विकास सहगल के मुताबिक 7 अक्टूबर 2026 को उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को चुनाव आयोग का अधिकारी बताया और पिता के नाम में सुधार के लिए लिंक भेजा। पीड़ित ने इस प्रक्रिया को सामान्य समझकर फॉर्म भर दिया, जिसके बाद खाते से रकम निकलने का आरोप है।

बैंक रिकॉर्ड में लेनदेन का माध्यम आईएमपीएस दर्ज है। रिकॉर्ड में इन्फीबीम एवेन्यूज लिमिटेड और सीसी एवेन्यू के नाम भी सामने आए हैं, हालांकि रकम किस खाते में पहुंची और इन कंपनियों की भूमिका क्या रही, यह स्पष्ट नहीं है। 9 अक्टूबर को भिलाई-3 थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिया और रकम वापस दिलाने की मांग की। पुलिस मोबाइल नंबर, बैंक खातों और लेनदेन के विवरण के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

रूंगटा पब्लिक स्कूल की प्रदर्शनी में साकार हुई भारत की ज्ञान-गाथा

भिलाई/नवप्रदेश। इतिहास की गौरवशाली विरासत, विज्ञान की अद्भुत खोजों, साहित्य की सृजनशीलता और भारतीय संस्कृति के विविध रंगों को एक मंच पर प्रस्तुत करती शैक्षणिक प्रदर्शनी 'भारत : ज्ञान की शाश्वत यात्रा' का आयोजन संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित रूंगटा पब्लिक स्कूल, भिलाई में किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने आकर्षक मॉडल, रचनात्मक परियोजनाओं और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता, वैज्ञानिक उपलब्धियों और विकास यात्रा को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और भारतीय विरासत के प्रति समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर तथा विशिष्ट अतिथि प्राचार्य के. रमेश कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अरविन्द जैन एवं चतुर्भुज राठी भी उपस्थित रहे। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन संजय रूंगटा, डायरेक्टर रजनी रूंगटा, डॉ. साकेत रूंगटा, हर्षा रूंगटा सहित अन्य अतिथि और अभिभावक मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत हरित पौधे भेंट कर किया गया। दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। संबोधन में चेयरमैन संजय रूंगटा ने विद्यार्थियों में जिज्ञासा, स्वतंत्र चिंतन, आत्मविश्वास और नवाचार की भावना विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मकता और विभिन्न विषयों पर आधारित परियोजनाओं की सराहना की। प्राचार्या दीप्ति सिंह ने स्वागत उद्बोधन में प्रदर्शनी की संकल्पना और अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में एफडीपी का समापन, एआई के जिम्मेदार उपयोग पर जोर

भिलाई/नवप्रदेश। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई में आईसेक्ट ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) एकेडमी, नई दिल्ली के सहयोग से प्रबंधन एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का 10 अक्टूबर 2026 को समापन हुआ। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स फॉर मैनेजरियल डिसीजन मेकिंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और तकनीक के नैतिक उपयोग पर विचार साझा किए। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. स्मिता सेलट, कुलपति श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने एआई के संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. रक्षा सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश ने एआई के उपयोग में पारदर्शिता, सुरक्षा, जवाबदेही और निष्पक्षता को आवश्यक बताया। उन्होंने आवाज और तस्वीरों के दुरुपयोग से होने वाली धोखाधड़ी के प्रति भी जागरूक रहने की अपील की। प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने कहा कि एआई का उपयोग मानवता और समाज के बेहतर भविष्य के लिए करना चाहिए। उद्घाटन सत्र में प्रो. राजीव प्रकाश कुलपति आईआईटी भिलाई ने एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला। आई.पी. मिश्रा अध्यक्ष श्री गंगाजली शिक्षण समिति ने एआई की उपयोगिता बताई। डॉ. साकेत रंजन प्रवीर, प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु ने एआई एवं मशीन लर्निंग पर व्याख्यान दिया। प्रो. सौरद्युत पॉल, प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी भिलाई ने मशीन लर्निंग और व्यावसायिक निर्णय, जबकि डॉ. सोरेन सरकार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग एसटीसी ने बिजनेस एनालिटिक्स पर जानकारी दी।

नशीली दवाओं की तस्करी में तीन दोषियों को 10-10 साल की जेल

■ **सेलूद में 263.68 ग्राम नशीली दवाएं बरामद**

भिलाई/नवप्रदेश। सेलूद धान मंडी के पास नशीली टैबलेट बेचने के मामले में विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने तीन आरोपियों को 10-10 साल के कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश पीएस मरकाम ने 9 अक्टूबर 2026 को यह फैसला सुनाया। जुर्माना नहीं भरने पर दोषियों को तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी। वहीं, रायपुर निवासी मोहम्मद कैश को पर्याप्त सबूत नहीं मिलने पर दोषमुक्त कर दिया गया।

अभियोजन के अनुसार 9 जनवरी 2026 को उतई पुलिस को सूचना मिली थी कि नीले रंग की बाइक पर कुछ युवक सेलूद धान मंडी के पास नशीली टैबलेट बेचने के लिए खड़े हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर त्रिलोकी यादव (27), निवासी सतनामी पारा, सेलूद, थाना उतई, जिला दुर्ग तथा चेमन विश्वकर्मा (20) और हकीम खान (24), दोनों निवासी इंदिरा नगर, कुरूद, जिला धमतरी को पकड़ा। तलाशी में त्रिलोकी के पास से 48 और चेमन व हकीम के कब्जे वाली प्लास्टिक की बोरी से 364 कैप्सूल मिले। कुल 412 कैप्सूल का वजन 263.68 ग्राम था। पुलिस ने नशीली दवाओं के साथ यामाहा बाइक, रियलमी और वनप्लस मोबाइल फोन, नकदी व अन्य सामान भी जब्त किया था। जब्त सामग्री की कुल कीमत 1 लाख 37 हजार 200 रुपए बताई गई। कोर्ट ने त्रिलोकी यादव, चेमन विश्वकर्मा और हकीम खान को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) सहपठित धारा 29 के तहत दोषी ठहराया। वहीं मोहम्मद कैश के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उसे बरी किया। कोर्ट ने जब्त नशीली दवाओं के निपटारे, नकदी व मोबाइल फोन की राजसाती और बाइक के अधिहरण के संबंध में भी आदेश दिए।

सेवा संकल्प शिविर में मांग ज्यादा, शिकायतें कम

रिसाली/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रिसाली के 10 वार्डों के लिए आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में सेवा संकल्प शिविर आयोजित किया। शिविर में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 68 मांग और 10 शिकायतों से संबंधित थे। इनमें से 52 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 26 आवेदन शेष रहे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने शिविर के विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण कर नागरिकों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए।

भव्य चुनरी यात्रा महोत्सव: दाऊ आनंद ताम्रकार और राहुल चंदेल के नेतृत्व में युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच का आयोजन, पटपर झांकियों ने मोहा मन

उमड़ा भक्ति का महासैलाब, 35 हजार दर्शकों की मौजूदगी में रचा इतिहास

नंदिनी-अहिवारा/नवप्रदेश। नंदिनी नगर के दशहरा मैदान में युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच द्वारा आयोजित भव्य चुनरी यात्रा महोत्सव के 10वें गौरवशाली वर्ष 'धुरंधर-10' के प्रथम चरण ने भव्यता और जनभागीदारी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। मंच के प्रदेश अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता तथा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दाऊ आनंद ताम्रकार और मंच के अध्यक्ष राहुल चंदेल के नेतृत्व में आयोजित इस महोत्सव में 35 हजार से अधिक दर्शकों की उपस्थिति रही। धार्मिक आस्था, भक्ति और रोमांच से भरपूर इस आयोजन में पटपर झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, क्षेत्र के पारंपरिक मंडई और दशहरा उत्सवों में भी इतनी बड़ी भीड़ कम ही देखने को मिली है।

महोत्सव के प्रथम चरण में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल शामिल हुए। उन्होंने आयोजन की भव्यता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए दाऊ आनंद ताम्रकार और राहुल चंदेल के नेतृत्व की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथियों में साजा के पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, अहिवारा के पूर्व विधायक राजमहंत सांवला राम डाहरे, भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, नपा अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, तहसीलदार राधेश्याम वर्मा, पार्षद इंद्रजीत राउत, अनुज साहू, इंदिरा बंजारे, कीर्ति राजा शिवारे और एल्डरमैन ममता जंघेल सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। समिति के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभालीं। मंच संचालन महंत डॉ. लीलाधर दास ने किया।

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण पटपर झांकियों की जीवंत और प्रभावशाली प्रस्तुतियां रहीं। भव्य काली और मरघटनी काली के रौद्र स्वरूप ने दर्शकों को रोमांचित किया। वहीं, महाभारत के प्रसंग द्रौपदी चीरहरण की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करती गौरा-गौरी की झांकी ने भी लोगों का मन मोह लिया। धार्मिक प्रसंगों और लोक संस्कृति के अनूठे संगम ने पूरे दशहरा मैदान को भक्तिमय बना दिया। दर्शक देर तक झांकियों का आनंद लेते रहे।

महोत्सव की सफलता में दाऊ आनंद ताम्रकार और राहुल चंदेल की संगठनात्मक क्षमता और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से तैयारियां की थीं। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने आयोजन को क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल कर दिया।

करीब 35 हजार दर्शकों की मौजूदगी के बीच सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पुलिस एवं आयोजन समिति के लिए महत्वपूर्ण चुनौती रही। टीआई अनिल पटेल ने पूरे समय सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। पुलिस की मुस्तैदी और समिति के स्वयंसेवकों के अनुशासन के चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

प्रमुख शक्तिपीठ और उनकी विशेषताएं

मां दंतेश्वरी मंदिर : दंतेवाड़ा

बस्तर अंचल का प्रमुख शक्तिपीठ और बस्तर राजपरिवार की आराध्य देवी का स्थल। धार्मिक मान्यता है कि यहां माता सती का दांत गिरा था। इसी कारण इसे 52 शक्तिपीठों में गिना जाता है। शंखिनी और डंकिनी नदियों के संगम के पास स्थित यह मंदिर बस्तर दशहरा तथा नवरात्रि की परंपराओं से विशेष रूप से जुड़ा है।

मां बम्लेश्वरी मंदिर : डोंगरगढ़

डोंगरगढ़ की लगभग 1,600 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित बड़ी बम्लेश्वरी और नीचे स्थित छोटी बम्लेश्वरी प्रसिद्ध हैं। नवरात्रि में विशाल मेला, मनोकामना ज्योति कलश, पहाड़ी चढ़ाई और रोपवे इसकी विशेष पहचान हैं। राजा वीरसेन से जुड़ी लोककथा भी प्रचलित है।

मां महामाया मंदिर : रतनपुर, बिलासपुर

प्राचीन कलचुरी राजधानी रतनपुर में स्थित इस मंदिर का निर्माण राजा रत्नदेव प्रथम से जोड़ा जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां सती का दाहिना स्कंध गिरा था और यह कौमारी शक्तिपीठ कहलाया। देवी के महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती स्वरूपों तथा नवरात्रि के हजारों ज्योति कलशों के कारण प्रसिद्ध है।

मां महामाया मंदिर : सरगुजा

सरगुजा की आराध्य देवी मां महामाया को अंबिका देवी भी कहा जाता है। मान्यता है कि अंबिकापुर का नाम इन्हीं के नाम पर पड़ा। एक स्थानीय परंपरा में रतनपुर की महामाया को देवी का मस्तक और अंबिकापुर की महामाया को धड़ का स्वरूप माना जाता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में विशेष श्रद्धा रहती है।

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध देवी धाम और सिद्धपीठ

मां चंद्रहासिनी देवी, चंद्रपुर (सक्ती)

महानदी के तट पर स्थित मां चंद्रहासिनी देवी का मंदिर छत्तीसगढ़ के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल है। मां चंद्रहासिनी को क्षेत्र की आराध्य देवी के रूप में पूजा जाता है। नवरात्रि के अवसर पर यहां भव्य धार्मिक आयोजन और मेले लगते हैं। छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक मान्यताओं के कारण यह मंदिर विशेष प्रसिद्ध है।

मां कुदरगढ़ी (बागेश्वरी), ओडगी (सूरजपुर)

सूरजपुर जिले के वनांचल में पहाडि़यों के बीच स्थित मां कुदरगढ़ी का मंदिर प्रसिद्ध देवी धाम है। मां कुदरगढ़ी को बागेश्वरी देवी के रूप में भी पूजा जाता है। यहां मनोकामना पूरी होने पर चुनरी अर्पित करने की विशेष परंपरा प्रचलित है। चैत्र नवरात्रि में विशाल मेला लगता है, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। जनजातीय संस्कृति, प्राचीन मान्यताओं और प्राकृतिक वातावरण के कारण इसकी अलग पहचान है।

मां खल्लारी, महासमुंद

महासमुंद जिले की पहाडि़यों पर स्थित मां खल्लारी का मंदिर प्राचीन आस्था और लोकमान्यताओं का प्रमुख केंद्र है। इस स्थान का संबंध पांडवों के अज्ञातवास और भीम के पदचिह्नों से जुड़ी लोककथाओं से बताया जाता है। ऊंची पहाड़ी पर विराजित देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को सीढि़यां चढ़नी पड़ती हैं। चैत्र पूर्णिमा और नवरात्रि के दौरान यहां धार्मिक आयोजन होते हैं। धार्मिक इतिहास, लोकविश्वास और पहाड़ी प्राकृतिक सौंदर्य इस धाम को प्रसिद्ध बनाते हैं।

मां चंडी मंदिर, बिरकोनी (महासमुंद)

महासमुंद जिले के बिरकोनी में स्थित मां चंडी मंदिर स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां देवी चंडी की पूजा शक्ति, साहस और मंगलकामना के प्रतीक के रूप में की जाती है। ग्रामीण अंचल में देवी उपासना की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। नवरात्रि और अन्य धार्मिक अवसरों पर श्रद्धालु विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। यह मंदिर ग्रामीण संस्कृति, धार्मिक विश्वास और सामुदायिक आस्था का प्रतीक है।

मां जतमई, छुरा (गरियाबंद)

गरियाबंद जिले के छुरा क्षेत्र में स्थित मां जतमई का मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था के लिए प्रसिद्ध है। घने जंगलों, चट्टानों और जलधाराओं के बीच देवी का यह धाम श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां चट्टानों से बहता जलप्रपात मंदिर परिसर की सुंदरता को और बढ़ाता है। नवरात्रि और वर्षा ऋतु में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। धार्मिक आस्था और प्रकृति के अद्भुत संगम के कारण जतमई की विशेष पहचान है।

मां घटारानी, गरियाबंद

गरियाबंद जिले में स्थित मां घटारानी का मंदिर धार्मिक आस्था और प्राकृतिक पर्यटन का लोकप्रिय केंद्र है। यहां देवी मंदिर के निकट बहता आकर्षक जलप्रपात इस स्थान की प्रमुख विशेषता है। चारों ओर हरियाली, पहाडि़यां और जलधाराएं श्रद्धालुओं को मनोहारी अनुभव प्रदान करती हैं। वर्षा ऋतु में यहां का प्राकृतिक सौंदर्य विशेष रूप से निखर उठता है। देवी दर्शन के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

मां मड़वारानी, कोरबा

कोरबा जिले में कोरबा-चांपा मार्ग के समीप पहाड़ी पर स्थित मां मड़वारानी का मंदिर प्रमुख आस्था केंद्र है। इस धाम से कलमी पेड़ और प्राकृतिक रूप से ज्वारा उगने की प्रसिद्ध लोकमान्यता जुड़ी हुई है। देवी मड़वारानी को क्षेत्र की रक्षक और मनोकामना पूर्ण करने वाली माता माना जाता है। नवरात्रि के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजन होते हैं। पहाड़ी पर स्थित मंदिर और उससे जुड़ी लोककथाएं इसकी प्रसिद्धि का प्रमुख आधार हैं।

मां सर्वमंगला, कोरबा

कोरबा नगर में स्थित मां सर्वमंगला देवी का मंदिर जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। देवी सर्वमंगला को शक्ति और मंगलकारी स्वरूप में पूजा जाता है। यह मंदिर स्थानीय निवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष पूजा-अर्चना और देवी आराधना के आयोजन होते हैं। प्राचीन धार्मिक मान्यताओं और श्रद्धालुओं के अटूट विश्वास के कारण यह मंदिर प्रसिद्ध है।

मां आदिशक्ति दुर्गा, धनपुर (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही)

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के धनपुर में स्थित मां आदिशक्ति दुर्गा का धार्मिक स्थल प्राचीन विरासत और मूर्तिकला के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में देवी उपासना की पुरानी परंपरा और पुरातात्विक अवशेषों का विशेष महत्व है। स्थानीय लोकमान्यताओं में इस स्थान का संबंध पांडवों के अज्ञातवास से भी जोड़ा जाता है। प्राचीन प्रतिमाएं और ऐतिहासिक अवशेष क्षेत्र के सांस्कृतिक महत्व को दर्शाते हैं।

आस्था के शक्तिधाम: कहीं सती के दांत तो कहीं कंधा गिरने की मान्यता, विदेशी भक्त भी जलवाते हैं ज्योति

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

नवप्रदेश विशेष

रायपुर/नवप्रदेश। शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व 11 अक्टूबर यानी रविवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। भक्त इन नौ दिनों में व्रत रखते हैं, माता की आराधना करते हैं और घर-परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। हर दिन मां के एक विशेष स्वरूप को समर्पित होता है और उस स्वरूप की अपनी अलग-अलग धार्मिक मान्यता है। छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन शक्तिपूजा परंपरा, देवी मंदिरों, लोक आस्था और ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी से लेकर डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी, रतनपुर की मां महामाया और चंद्रपुर की मां चंद्रहासिनी तक अनेक प्रमुख देवी धाम स्थित हैं। कहीं सती के दांत तो कहीं कंधा गिरने की मान्यता प्रचलित हैं। छत्तीसगढ़ में कुछ स्थलों को सती के अंग गिरने की मान्यता के कारण शक्तिपीठ कहा जाता है, जबकि अन्य स्थान लोक आस्था, ऐतिहासिक परंपरा और सिद्धपीठ की मान्यता के कारण प्रसिद्ध हैं। आस्था के इन धामों में विदेशी भक्त भी आस्था और मनोकामना के ज्योत जलवाते हैं। नवरात्रि पर इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

शारदीय नवरात्रि : किस दिन किस देवी की करें पूजा, जानें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का महत्व

◻ पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को पर्वतराज हिमालय की पुत्री माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उनकी पूजा करने से भक्तों को शक्ति, स्थिरता और आत्मविश्वास का आशीर्वाद मिलता है। नवरात्रि की शुरुआत भक्त मां शैलपुत्री की आराधना से करते हैं।

◻ दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। मां का यह स्वरूप तप, त्याग और संयम का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से व्यक्ति को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है।

◻ तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र सुशोभित होने के कारण उन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। धार्मिक मान्यता में मां का यह स्वरूप साहस और शक्ति से जुड़ा है। उनकी आराधना से भय और परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

◻ चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा

चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को ऊर्जा और सृजनशक्ति का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि उनकी पूजा से घर में सुख-समृद्धि, खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

◻ पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा

नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। उन्हें भगवान कार्तिकेय की माता माना जाता है। भक्त मां स्कंदमाता से बुद्धि, शांति और संतान सुख की कामना करते हैं। मां का यह स्वरूप ममता और वात्सल्य का प्रतीक भी माना जाता है।

◻ छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। मां कात्यायनी को शक्ति और साहस का स्वरूप माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार उनकी पूजा से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मिलता है।

◻ सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना की जाती है। मां का यह स्वरूप देखने में उग्र माना जाता है, लेकिन भक्तों के लिए वे कल्याणकारी हैं। मान्यता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने से भय दूर होता है और व्यक्ति को साहस मिलता है।

◻ आठवें दिन मां की पूजा

अष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा होती है। मां महागौरी को शांति, पवित्रता और सौम्यता का स्वरूप माना जाता है। इस दिन कई घरों में कन्या पूजन भी किया जाता है। भक्त मां से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

◻ नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा

नवरात्रि के नौवें और अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मां सिद्धिदात्री को सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी माना गया है। नवमी के दिन कई परिवारों में कन्या पूजन और हवन किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की उपासना करने से भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति और कार्यों में सफलता का आशीर्वाद मिलता है। इस तरह नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करके भक्त शक्ति, धैर्य, साहस, सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं।

आस्था ऐसी कि नवरात्र में छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश तक उमड़ते हैं हजारों श्रद्धालु

घने जंगल में मां मरही का दरबार रेल गुजरते ही गूंजता है जयकारा

बिलासपुर/नवप्रदेश। घने जंगलों के बीच सुनसान रेलमार्ग, चारों ओर ऊंचे पहाड़ और प्रकृति की खामोशी, लेकिन जैसे ही ट्रेन भंवरटंक स्थित मरही माता मंदिर के करीब पहुंचती है, यात्रियों के जयकारों से वातावरण गूंज उठता है। बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग पर खोंगसरा और खोडरी रेलवे स्टेशन के बीच स्थित यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि लोकविश्वास, आदिवासी परंपरा और एक दर्दनाक रेल हादसे से जुड़ी कहानी का भी साक्षी है। मान्यता है कि मां मरही रेल यात्रियों की रक्षा करती हैं। यही विश्वास है कि नवरात्र के दिनों में यहां छत्तीसगढ़ ही नहीं, मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मैकाल पर्वत क्षेत्र और अचानकमार के वनांचल के बीच बसे इस धाम की पहचान इसकी अनूठी परंपराओं से है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहां एक सदी से भी पहले नीम के पेड़ के नीचे छोटा-सा चौरा था, जहां आदिवासी समुदाय के लोग अपनी कुलदेवी के रूप में माता की पूजा करते थे। समय के साथ इस स्थान से रेलवे कर्मचारियों की आस्था भी जुड़ती गई और देखते ही देखते यह स्थल मरही माता के प्रसिद्ध धाम के रूप में पहचान बनाने लगा।

लाल कपड़े में नारियल बांधकर मांगते हैं मन्नत

मरही माता मंदिर की सबसे खास परंपराओं में लाल कपड़े में नारियल बांधकर मनोकामना मांगना शामिल है। श्रद्धालु अपनी मन्नत माता के सामने रखते हैं और मनोकामना पूरी होने पर वापस आकर नारियल की गांठ खोलते हैं। मंदिर परिसर में जगह-जगह बंधे नारियल इस लोकपरंपरा और भक्तों की आस्था की कहानी कहते हैं। स्थानीय विश्वास है कि माता की कृपा से रेल यात्रियों की रक्षा होती है। यही कारण है कि इस मार्ग से गुजरने वाले कई यात्री मंदिर के निकट पहुंचकर माता का जयकारा लगाते हैं। ट्रेन की गति कम होने और हादसों से सुरक्षा संबंधी बातें भी स्थानीय मान्यताओं में प्रचलित हैं, हालांकि इन्हें प्रमाणित रेल सुरक्षा तथ्यों से अलग समझना जरूरी है।

एक रेल हादसा, जिसने बढ़ा दी आस्था

मरही माता मंदिर की कहानी वर्ष 1984 में हुए रेल हादसे से भी जुड़ी हुई है। स्थानीय मान्यता के मुताबिक, नर्मदा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी की टक्कर में कई लोगों की जान चली गई थी। हादसे के बाद घटनास्थल के पास एक पेड़ पर चुनरी बंधी मिली। स्थानीय आदिवासियों ने इसे मरही माता का स्थान बताया। इसके बाद रेलवे और वन विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से यहां माता की प्रतिमा स्थापित कर मंदिर का निर्माण कराया गया। इस घटना के बाद मंदिर के प्रति लोगों की आस्था और गहरी होती चली गई। मंदिर परिसर में आज भी अखंड ज्योति जलाने की परंपरा निभाई जाती है।

दोनों नवरात्रि में जलते हैं मनोकामना ज्योति कलश

चैत्र और शारदीय नवरात्र में मरही माता मंदिर में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। इन दिनों मंदिर में भक्तों की आवाजाही बढ़ जाती है। श्रद्धालु माता के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सुरक्षा की कामना करते हैं। घने जंगलों के बीच स्थित इस मंदिर तक पहुंचना अपने आप में एक अलग अनुभव है। यहां पूजा की परंपरा स्थानीय बैगा परिवार से जुड़ी हुई है। वन क्षेत्र में रात के समय जंगली जानवरों की मौजूदगी के कारण लोग आमतौर पर रुकने से परहेज करते हैं।

आस्था, परंपरा और इतिहास का अनूठा संगम

भंवरटंक का मरही माता मंदिर इस बात का उदाहरण है कि किस तरह किसी स्थान से जुड़ी लोककथाएं, जनविश्वास और धार्मिक परंपराएं पीढ़ियों तक लोगों को जोड़कर रखती हैं। रेलमार्ग के किनारे घने जंगलों के बीच स्थित यह धाम नवरात्र में विशेष धार्मिक महत्व हासिल कर लेता है। मां मरही के दरबार में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ और रेल गुजरते समय गूंजने वाले जयकारे इस स्थान की विशिष्ट पहचान बन चुके हैं।

आस्था-अध्यात्म का प्रमुख केंद्र मुंगेली का डोंगरीगढ़

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले से 43 किमी दूर लोरमी तहसील अंतर्गत खुड़िया मार्ग पर स्थित प्रकृति की गोद में बसा डोंगरीगढ़ आज आस्था और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र है। जमीन से लगभग 1700 फीट ऊंचे पहाड़ की चोटी पर स्थित यह पवित्र धार्मिक स्थल मां भुवनेश्वरी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। अक्सर लोग इसे राजनांदगांव जिले के प्रसिद्ध डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी समझ लेते हैं, लेकिन लोरमी का यह डोंगरीगढ़ उससे पूरी तरह अलग और मुंगेली जिले की सुरम्य पहाड़ियों के बीच स्थित है। स्थानीय मान्यताओं और लोककथाओं के अनुसार, डोंगरीगढ़ की इस पहाड़ी पर विराजमान मां भुवनेश्वरी देवी को राजनांदगांव के डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी का ही एक स्वरूप माना जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि मां भुवनेश्वरी ने स्वप्न में आकर अपने होने का प्रमाण दिया था। इतिहास के पन्नों को पलटें तो इस प्राचीन स्थान का सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा है। कभी घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ों से घिरे इस क्षेत्र में माता एक साधारण स्थान पर विराजमान थीं। समय के साथ जैसे-जैसे माता के चमत्कारों और मन्नतें पूरी होने की किंवदंतियां फैलीं। विशेषकर निःसंतान दंपत्तियों की मनोकामनाएं पूरी होने की आस्था ने जोर पकड़ा, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं का तांता यहां लगता गया। कभी इस पहाड़ी पर पहुंचना बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण हुआ करता था, लेकिन आज श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पहाड़ की चोटी पर स्थित मुख्य मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 500 से 600 सीढ़ियों की खड़ी चढ़ाई का मार्ग तैयार किया गया है।

यह मंदिर चारों तरफ से हरी-भरी पहाड़ियों और जंगलों से घिरा होने के कारण पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है, जो खुड़िया बांध (राजीव गांधी जलाशय) के बेहद करीब स्थित है। हर साल चैत्र और शारदीय (क्वार) नवरात्रि के पावन अवसरों पर यहां का नजारा देखते ही बनता है। इस दौरान लगने वाले भव्य मेले में छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य पड़ोसी राज्यों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और माता के दरबार में ज्योति कलश प्रज्वलित कर मन्नतें मांगते हैं। दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसा यह धाम आज छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक पर्यटन मानचित्र पर एक चमकता हुआ सितारा बन चुका है, जो आने वाले पर्यटकों और भक्तों को अलौकिक शांति का अनुभव कराता है।

शारदीय नवरात्रि: 9 दिन भक्तों से गुलजार रहेगा चंडी माता मंदिर, 24 घंटे दर्शन, हर दिन भोग-भंडारा, रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम

जंगल के बीच मां का दरबार, 8500 ज्योति से जगमगाएगा घुंचापाली

महासमुंद/नवप्रदेश। घना जंगल... पहाड़ी पर मां का भव्य दरबार... प्रवेश द्वार पर स्वागत करते विशालकाय हाथी... चारों ओर रंग-बिरंगी रोशनी और हजारों दीप-ज्योतियों से जगमगाता मंदिर। शारदीय नवरात्रि में घुंचापाली का चंडी माता मंदिर कुछ ऐसा ही अलौकिक नजारा पेश करने जा रहा है। जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित यह आस्था का केंद्र नौ दिनों तक श्रद्धा और भक्ति का बड़ा केंद्र बनेगा। इस बार मां के दरबार में साढ़े 8 हजार मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित होंगी। वहीं शाम ढलते ही जंगल से जंगली भालुओं की दस्तक को देखते हुए वन अमला भी सुरक्षा के लिए मुस्तैद रहेगा।

शाम होते ही जंगल से भालुओं की दस्तक

चंडी माता मंदिर जंगल क्षेत्र से घिरा होने के कारण यहां वन्यजीवों की मौजूदगी भी रहती है। बताया जाता है कि शाम के समय जंगली भालू मंदिर क्षेत्र के आसपास पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वन विभाग का अमला विशेष निगरानी रखेगा। वन विभाग ने श्रद्धालुओं को भालुओं को किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ नहीं देने की सख्त हिदायत दी है। वन्यजीवों को भोजन देने से उनके व्यवहार में बदलाव और मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए श्रद्धालुओं से वन विभाग के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

24 घंटे दर्शन, शाम साढ़े 7 बजे आरती

नौ दिनों तक श्रद्धालुओं को 24 घंटे माता के दर्शन की सुविधा मिलेगी। प्रतिदिन सुबह और शाम साढ़े 7 बजे आरती होगी। इसके अलावा रात में माता के चरणों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सुबह से रात तक मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहेगा।

हजारों भक्तों के लिए सुबह-शाम भंडारा

मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। पेयजल, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। नौ दिनों तक सुबह-शाम आम भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु माता की प्रसादी ग्रहण करेंगे।

17 एसी कमरे और दो हॉल, श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 17 एयरकंडीशन कमरे और दो हॉल बनाए गए हैं। सामान्य दिनों में यहां विवाह समारोह के आयोजन की भी सुविधा है। नवरात्रि को छोड़कर अन्य दिनों में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने की व्यवस्था भी की जाती है।

नवरात्रि पर पुलिस-स्वास्थ्यकर्मी और वन अमला रहेगा तैनात

नवरात्रि के दौरान बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और वन विभाग के अमले के लिए मंदिर परिसर में कमरे आरक्षित रखे गए हैं। सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित अमला मौके पर मौजूद रहेगा।

नौ दिन गूंजेगा जयकारा, भक्तों के लिए मंदिर ट्रस्ट का नंबर भी जारी

इस बार करीब 8,500 मनोकामना ज्योत प्रज्वलित की जाएंगी। हजारों ज्योतों की रोशनी, रंग-बिरंगी सजावट, आरती की गूंज और श्रद्धालुओं के जयकारों से नौ दिनों तक घुंचापाली चंडी माता मंदिर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय रहेगा। नवरात्रि में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सिर्फ दर्शन नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और प्रकृति के बीच मां के दरबार में आध्यात्मिक अनुभव का अवसर भी होगा। जानकारी के लिए मंदिर ट्रस्ट के संपर्क नंबर 9329341442 पर कॉल कर जानकारी ले सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन : 0771-3526755, 6262188999